Vol.18, Issue 12 | Annual Subscription ₹ 420

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

October 2019

रोटरी समाचार

Rotary

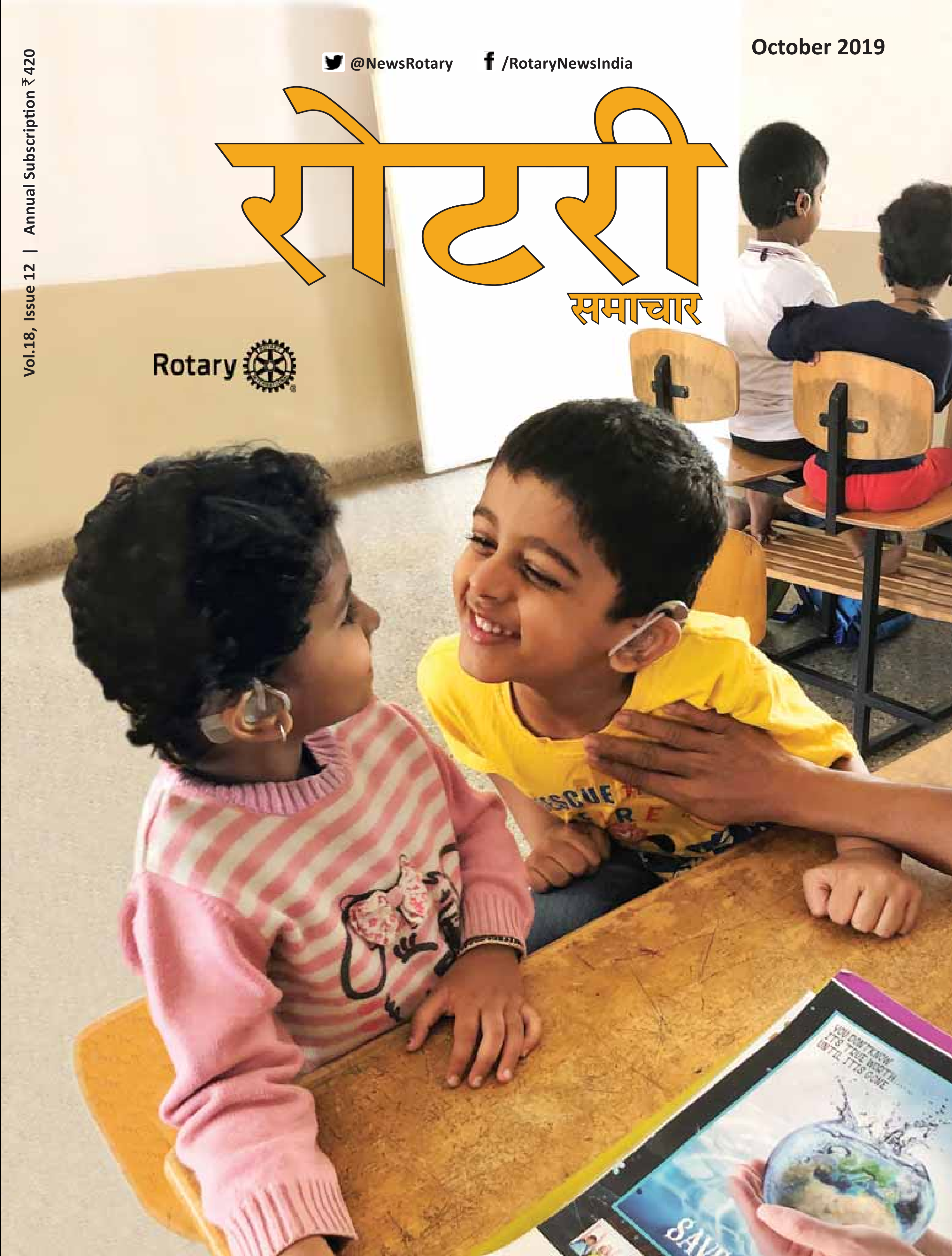

ओणम सध्या

DG माधव चंद्रन द्वारा आयोजित ट्रस्टी चेयर गेरी हुआंग और कोरिना के लिए कोच्चि में एक पारंपरिक ओणम दावत।

चित्र : रशीदा भगत

विषयसूची

12 बच्चों का बहरापन दूर करने के लिए

रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट का अग्रणी प्रयास

क्लब एक संस्थान को पोषित कर रहा है जो सुनने में अक्षम बच्चों के शुरुआती हस्तक्षेप एवं प्रशिक्षण का ध्यान रखता है।

20 रोटरी क्लब बैंगलौर ऑर्चर्ड ने 125 हैप्पी स्कूल शुरू किए

इस क्लब के प्रयासों के कारण, कोलार में बच्चों को अब स्कूल जाना पसंद है।

22 इस रोटरी वर्ष भारतीय मंडल

अध्यक्षों का लक्ष्य : 30 मिलियन डॉलर

TRF न्यासी प्रमुख गेरी हुआंग के भारत दौरे का सारांश।

26 प्रतिदिन 2 डॉलर से कम में

जीवन यापन करना क्या होता है?

माइक्रोसॉफ़्ट के सह-संस्थापक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स के ब्लॉग से एक उद्धरण।

34 आइये 2025 तक भारत: RIPN शेखर मेहता

कोलकाता में आयोजित इग्नाइट बैठक में वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की तरफ से साक्षर भारत के लिए बड़ी योजनाओं की घोषणा।

39 द ग्रेट गंगा रन

जल संरक्षण एवं नदियों के कायाकल्प पर जागरूकता फैलाने के लिए दिल्ली के रोटेरियनों ने लिया दौड़ में भाग।

54 सूखा ग्रस्त मराठवाड़ा में रोटरी क्लब

उमरगा का जल संरक्षण अभियान

जल स्रोतों के पुनर्भरण के लिए क्लब की इस परियोजना से क्षेत्र के किसान हुये लाभान्वित।

68 द्वीपः मानसून के दौरान यात्रा

और बारिश में भीगता अंडमान

इस कहानी को पढ़िये, और आप अपनी यात्राओं के दौरान बरसात का स्वागत करेंगे।

कवर पर: रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट, रोई मंडल 3181, द्वारा पोषित परियोजना रोटरी मैसूर वेस्ट इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड डीफ़ चाइल्ड में सुनने में अक्षम बच्चों के लिए यह मज़ा और प्रशिक्षण दोनों है।

चित्र: रशीदा भगत

अन्नपूर्णा - रोटरी की प्रेरणास्रोत

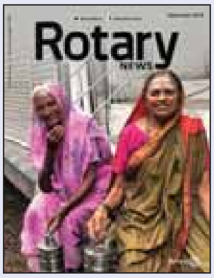

मैं पत्रिका के लगभग सभी लेखों को पढ़ता हूँ और सितंबर अंक में निष्पादित अनुकरणीय परियोजनाओं को देखकर मैं खुश हूँ। रोटरी क्लब सोलापुर की टिफ़िन-भोजन परियोजना ने मुझे अवाक् कर दिया और मेरे पास उसके सदस्यों एवं 12 वर्षों तक इस परियोजना को जीवित रखने वाले क्रमिक अध्यक्षों की तारीफ करने के लिए शब्द नहीं है। वृद्धजनों के लिए चलाई जा रही इस विशाल परियोजना को बरकरार रखने के लिए मेरी तरफ से उन सभी को शुभकामनाएं - 1.44 करोड़ की लागत से 438,000 टिफिन! शाबाश मित्रों, स्वयं से ऊपर सेवा करने के लिए इसी उमंग एवं कुशलता के साथ काम करते रहिये।

मासिक धर्म स्वच्छता एवं 'अच्छा स्पर्श, बुरा स्पर्श' पर ग्रामीण बच्चों को जागरूक करने की उनकी परियोजना के लिए RAC ऑस्टिन इंस्टिट्यूट्स के रोटरेक्टर बधाई के पात्र है।

राज कुमार कपूर, रोटरी क्लब रूपनगर - रो ई मंडल 3070

मैं रोटरी क्लब सोलापुर को सलाम करता हूँ जो दैनिक भोजन पर ₹1.44 करोड़ खर्च करके पिछले 12 वर्षों से वृद्धजनों की सेवा कर रहा है, यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है जिसका अनुकरण अन्य क्लबों को करना चाहिए।

अध्यक्ष मलोनी उचित रूप से रोटेरियनों को सलाह देते है कि वे उनके परिवारों का परिचय रोटरी से करवाएं ताकि संगठन के प्रति उनमें रूचि पैदा हो सके। रो ई निदेशक भरत पांड्या ने हमें बाढ़-प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए प्रेरित किया है, और वह लड़कियों की शिक्षा पर भी ज़ोर देते है। RIPN शेखर मेहता का परिचय देने के लिए धन्यवाद। लेख सकारात्मक स्वास्थ्य ने एक अच्छे आहार के साथ एक स्वस्थ जीवनशैली की दरकार की है। होनोलूलू में होने वाले रो ई सम्मेलन के बारे में लेख और अन्य संस्मरण भी सूचनाप्रद है।

रविंदर चोट, रोटरी क्लब फगवारा साउथ ईस्ट - रो ई मंडल 3070

अन्नपूर्णा परियोजना के बारे में पढ़कर मुझे प्रसन्नता हुई जो पिछले 12 वर्षों से सोलापुर में प्रतिदिन 100 वृद्धजनों को भोजन करा रही है। रोटरी क्लब सोलापुर द्वारा संचालित इस परियोजना के तहत अब तक 438,000 टिफिनों की आपूर्ति की जा चुकी है। रोटरी के कार्यक्रमों में बच्चों को लाने के लिए रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी के आह्वान से निश्चित तौर पर क्लब सदस्यता में वृद्धि होगी। यह जानकर ख़ुशी हुई कि दोनों रोई निदेशकों ने शिक्षा के मूल्य पर ज़ोर दिया है। RIPN चुने जाने के लिए PRID शेखर मेहता को बधाइयां। रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स द्वारा कोलार हिल्स में एक सायनाइड के ढेर को एक हरी-भरी पहाड़ी में परिवर्तित करना एक महान सेवा है। लेख *अच्छी नींद...अत्यंत उपयोगी* है। रोटरी क्लब नागपुर द्वारा विशेष बच्चों के लिए चलाया जा रहा एक विशेष कार्यक्रम, *उड़ान,* बहुत प्रभावी है, जिससे 800 बच्चों को ख़ुशी मिल रही है। सारे रो ई निदेशकों एवं न्यासियों का परिचय देना अच्छा है। पत्रिका की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए संपादक एवं उनके दल को बधाइयां।

फिलिप मुलाप्पोन एम टी

रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

आपकी सम्पादकीय और रोटरी क्लब सोलापुर की टिफिन-भोजन परियोजना की कवर स्टोरी सराहनीय है। 12 वर्षों से वृद्धजनों को पौष्टिक भोजन प्रदान करके सोलापुर में रोटेरियन एक असाधारण सेवा कर रहे है। इस प्रेरणास्रोत क्लब के लिए अन्नपूर्णा परियोजना हमारी दिली प्रशंसा की हकदार है।

क्लब के एक सदस्य द्वारा की गई समयोचित मदद के कारण एक सफल व्यवसायी बनने के उनके अनुभव को PRIP के आर रविन्द्रन ने साझा किया। रोटरी सिद्धांतों के एक सच्चे अनुयायी, रविन्द्रन दुनिया भर में लोगों के साथ जुड़ते है।

एस मोहन, रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - रो ई मंडल 3000

अन्नपूर्णा लेख में, क्लब अध्यक्ष मुन्दाना कहते है कि इस परियोजना के लिए उन्हें कभी भी धन की कमी नहीं हुई। अद्भुत!

एन जगथीसन, रोटरी क्लब एलुरु - रो ई मंडल 3020

सकारात्मक स्वास्थ्य, साक्षरता महत्वपूर्ण है

ऐरोली, नवी मुंबई, से नेरुल तक की आने-जाने की 30 मिनट की ट्रेन यात्रा के दौरान मैं *रोटरी न्यूज़* को पढ़ने का आदी हूँ। पत्रिका में अद्भुत लेखों को पढ़ना ऐसा है जैसे घर में किये गए लज़ीज नाश्ते के बाद एक बार फिर से स्वादिष्ट नाश्ता करना। हैम्बर्ग सम्मेलन में PRIP के आर रविन्द्रन और रोटेरियन किम्बर्ली कसाना द्वारा सुनाई गई दिल छू लेने वाली व्यक्तिगत कहानियों के साथ अगस्त अंक बहुत ही प्रभावी था।

पीडीजी नैंसी बार्बी का भारत के प्रति प्रेम भारत में रोटरी के 100वें वर्ष के दौरान की जाने वाली वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता द्वारा देखा जा सकता है। गीता मानेक उचित रूप से कहती है कि शिक्षा तुल्यकारक है, शांति लाती है और अफ्रीका के लिए अहम है।

PRID सुदर्शन अग्रवाल की अच्छी तरह से लिखी हुई निधन सूचना ने बढ़िया तरीके से रोटरी ब्लड बैंक, दिल्ली, लड़कियों के लिए हिम ज्योति स्कूल, इत्यादि, को स्थापित करने में उनके द्वारा दी गई सेवाओं का सार प्रस्तुत किया। *शताब्दी समारोह,* रोटरी क्लब मैसूर ने मनाई प्लैटिनम जयंती; *एक सरकारी स्कूल को मिला नया रूप,* इत्यादि लेखों ने अगस्त अंक को

अलंकृत किया। डीजी मोहन चंदावरकर के विचार रोचक थे।

डॉक्टर बालू उफादे
रोटरी क्लब लिंक टाउन - रो ई मंडल 3142

भारत में बड़े पैमाने पर की जा रही *पॉजिटिव हेल्थ* परियोजना एक अच्छी पहल है; यह एक महँगी परियोजना नहीं है, मैं इसके सफल होने की कामना करता हूँ।

जे पी वर्मा
रोटरी क्लब बैंगलोर साउथ - रो ई मंडल 3190

हमारे परिवारों को रोटरी की परियोजनाओं में सम्मिलित करने के लिए, हमारे क्लब ने एक एन्स समिति की शुरुआत की है जो उनके दम पर अनेक परियोजनाएं करती है और साथ ही पारिवारिक मुलाकातों में भी शामिल होती है। इससे समुदाय में अच्छा करने की उनकी प्रतिभा की संपूर्ण जानकारी मिलेगी।

सी सुरेन्द्रन
रोटरी क्लब मदुरई नार्थ - रो ई मंडल 3000

PRID सुदर्शन का स्मरण

स्वयं को एक 'पेशेवर भिखारी' कहने वाले स्वर्गीय PRID सुदर्शन अग्रवाल देने में अत्यंत उदार थे और एक मिलनसार मेज़बान थे। हमने एक पुण्यात्मा को खोया है और संपादक रशीदा भगत द्वारा लिखा गया शोक सन्देश अग्रवाल के बारे में अनेक जानकारी देता है।

PRIP राजेंद्र साबू के नेतृत्व में हुए मडागास्कर के चिकित्सीय मिशन पर भारतीय रोटेरियन गर्व महसूस कर सकते है। PRIP के आर रविन्द्रन को यह कहते हुए पढ़ना अच्छा लगा, ''मैं आज जो कुछ भी हूँ रोटरी की वजह से हूँ।''

यह एक विडम्बना है कि युवा, सफल एवं इंटरनेट से सशक्त होने के बावजूद भी युवा अवसाद एवं अकेलेपन से ग्रसित है। भारत में रोटरी के शताब्दी वर्ष में, हम पहले क्लब - रोटरी क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291 - को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते है।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - रो ई मंडल 3000

दशकों तक मानवता के लिए अच्छा करने के बावजूद भी हम में से बहुत से लोगों को भुला दिया जाता है। यह पत्रकारों पर निर्भर करता है कि वे ऐसे लोगों को खोजें और उन्हें प्रसिद्धि दिलायें। यदि *रोटरी न्यूज़* में स्वर्गीय रोटेरियन सुदर्शन अग्रवाल पर कोई सम्पादकीय या शोक सन्देश नहीं होता। इस के लिए धन्यवाद।

अरुण कुमार दास
रोटरी क्लब बारीपदा - रो ई मंडल 3262

एक अनुकरणीय बोन बैंक

बोन बैंक और आनुवांशिक दोषों से पीड़ित शिशुओं को बचाती रोटरी हमारी आँखें नम कर देती है। यह *स्वयं से बढ़कर सेवा* के मायने है। हमारे मंडल के कुछ क्लबों ने एक अभियान शुरू किया है 'बिना शराब की बैठकें।'

डॉ एन आर यू के करथा
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
रो ई मंडल 3211

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल, रो ई मंडल 3232, द्वारा शुरू किये गए नए बोन बैंक के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। एलोग्राफ्ट बोन फिटमेंट कैंसर के मरीज़ों के लिए एक अद्भुत तोहफा है। इससे रोटरी द्वारा किये गए अच्छे कार्यों के बारे में जागरूकता भी फैलेगी।

चिन्मय महापात्र
रोटरी क्लब भुवनेश्वर हेरिटेज
रो ई मंडल 3262

रोटरी क्लब मैसूर ने मनाई प्लैटिनम जयंती को पढ़कर मुझे ख़ुशी हुई। PRIP कल्याण बेनर्जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अधिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा परियोजनाओं को अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए क्लब के बारे में विस्तारपूर्वक बातचीत की। साथ ही, *पेड़ के नीचे एक कहानी का आनंद* शीर्षक वाली तस्वीर (पहले पन्ने का अंदरूनी आवरण) ने हमें रोटरी मैसूर वेस्ट द्वरा चलाये जा रहे एक स्कूल की झलक दिखाई।

एच कृष्ण मूर्ती
रोटरी क्लब मैसूर वृन्दावन - रो ई मंडल 3181

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी ने हमें संख्याओं में बढ़ने की याद दिलाई। रोटरी ने हाल ही में विविधता, निष्पक्षता और समावेशन नीति को अपनाया है। एक समन्वयक है, कहती है, ''समावेशन विकसित करने के लिए, हमें हमारे क्लबों को सुगम्य बनाना होगा, सभी सदस्यों को करने के लिए कुछ अर्थपूर्ण देना होगा, विविधता प्रदान करनी होगी एवं प्रशिक्षण को शामिल करना होगा।'' यह आत्म-व्याख्यात्मक है।

के एम के मूर्ती
रोटरी क्लब सिकंदराबाद - रो ई मंडल 3150

नियमित पाठक के रूप में हम यह कह सकते है कि रोटरी न्यूज़ लेखों में विविधता, समाचार कवरेज, और रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के संदेशों के साथ इतने वर्षों में विकसित हुआ है। रिपोर्टिंग की गुणवत्ता बढ़िया है। संपादकीय दल तमिल संस्करण में भी उसी गुणवत्ता को बरकरार रखने में सक्षम है। अगस्त अंक में रोचक सामग्री है; जिसमें सबसे आकर्षक PRID अग्रवाल की निधन सूचना है। PRIP साबू ने उचित कहा है, ''महान व्यक्ति हमेशा जीवित रहते है।''

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन
रो ई मंडल 3000

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**
Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

वर्ल्ड पोलियो दिवस मनाएँ

प्रिय साथी रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

पोलियो के खिलाफ रोटरी की लंबी एवं निरंतर लड़ाई ने दशकों से हमारे संगठन को परिभाषित किया है। इतने वर्षों में हमने जो भी हासिल किया है उस पर गर्व महसूस करने का हमारे पास एक अधिकार है।

हमारी प्रगति वास्तविक एवं ध्यान देने योग्य है। 1988 में, दुनिया भर में प्रति वर्ष 350,000 मामलों के साथ पोलियो 125 देशों में स्थानिक था। तब से लेकर अब तक, रोटरी और हमारे वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल के साझेदारों ने पोलियो के मामलों को 99.9 प्रतिशत से अधिक तक घटा दिया है, वायरस के खिलाफ 2.5 बिलियन बच्चों का टीकाकरण किया है, और लकवे के 18 मिलियन मामलों की रोकथाम की है। पिछले कुछ वर्षों में, रोटरी ने अनेक देशों को पोलियो मुक्त देशों की पंक्ति में लाने के लिए उनकी मदद की है। इसमें भारत भी शामिल है, जिसे कुछ लोग कुछ समय पहले तक भी नामुमकिन समझते थे। तीन प्रकार के पोलियो वायरस में से, टाइप 2 उन्मूलित किया जा चुका है और टाइप 3 को जल्द ही उन्मूलित प्रमाणित किया जा सकता है। नाइजीरिया में तकरीबन तीन वर्षों में एक भी पोलियोवायरस का मामला सामने नहीं आया है। यदि ऐसा ही चलता रहा, तो हमारे सामने केवल एक प्रकार का पोलियोवायरस दुनिया के एक भाग, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान, में बाकी रह जाएगा।

उस क्षेत्र में बड़ी चुनौतियाँ है। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम आशावादी बने रहें। हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है उसकी तरफ ध्यान दें। यह हतोत्साहित होने का या यह सोचने का समय नहीं है कि यह काम असंभव है। हम हमेशा के लिए पोलियो को खत्म करे देंगे, लेकिन केवल तभी जब हम स्थिर और चौकस रहेंगे। विश्व पोलियो दिवस दुनिया भर के रोटेरियनों का एक साथ आने का, पोलियो के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमने जो भी प्रगति की है उसे पहचानने का, और पोलियो को हमेशा के लिए खत्म करने हेतु किए जाने वाले आवश्यक कार्यों की योजना बनाने का समय है। मुख्य शब्द कार्यवाही है, क्योंकि हमारे पास अभी भी करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य है।

इस वर्ष, हम जितने संभव हो सके उतने रोटरी क्लबों को दुनिया भर में विश्व पोलियो दिवस के कार्यक्रमों को आयोजित करते हुये देखना चाहेंगे। कुछ विचारों की आवश्यकता है? रोटरी की ऑनलाइन ग्लोबल अपडेट को देखने हेतु अपने मित्रों एवं क्लब सदस्यों के लिए एक व्यूइंग पार्टी के आयोजन के बारे में क्या ख्याल है? आप एक क्लब बैठक को विश्व पोलियो दिवस के लिए समर्पित कर सकते है या एक अनुदान संचयन कार्यक्रम का आयोजन कर सकते है। याद रखिए, इकट्ठा किए गए हर एक डॉलर का मिलान बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन द्वारा 1 के बदले 2 के हिसाब से किया जाएगा।

एक कार्यक्रम को बनाने के बाद, उसे *endpolio.org/register-your-event* पर पंजीकृत कीजिये। फिर *endpolio.org/wordl-polio-day* पर उपलब्ध विश्व पोलियो दिवस टूलकिट की मदद से उसका प्रचार कीजिये।

24 अक्टूबर को रोटरी के वर्ल्ड पोलियो डे ऑनलाइन ग्लोबल अपडेट को देखने के लिए अपने कैलेंडर को चिन्हित कर लीजिये। इस वर्ष हम दुनिया भर में विभिन्न टाइम ज़ोनों में फ़ेसबुक पर अपने कार्यक्रम का प्रसारण करेंगे। अपने क्षेत्र के कार्यक्रम को देखने की सहमति देने के लिए रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के फ़ेसबुक पेज़ पर जाइए। और कार्यक्रम को सामाजिक मीडिया पर फॉलो करना और अपने नेटवर्क में साझा करना मत भूलिएगा।

जब हम अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे, तो पोलियो दूसरी मानव बीमारी बन जाएगी जो इस दुनिया से उन्मूलित होगी, और रोटरी को अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा हासिल होगी। लेकिन सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चों को फिर कभी उस भयानक, अक्षम बनाने वाले वायरस का सामना नहीं करना पड़ेगा। पोलियो उन्मूलन के प्रयासों के लिए रोटरी को दुनिया को जोड़े रखना होगा। यह हम पर निर्भर करता है। आइये हम यह काम खत्म करें।

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

आकांक्षा शिक्षा की

गुजरात में गोधरा की त्रासदी और उसके बाद भड़के दंगों के उपरान्त 2002 में, मैं एक पत्रकार के रूप में उसके ज़मीनी हालात की रिपोर्टिंग करने अहमदाबाद गई थी। सत्रह साल बीत गए हैं, लेकिन अभी भी याद ताज़ा है, ऐसा लग़ता है इस सवाल का जवाब मुझे कल ही मिला हो, कि इन घटनाओं के बाद गुजरात में मुसलमानों का क्या भविष्य है । ये सवाल मैंने शहर के एक मुस्लिम कॉर्पोरेटर से पूछा था। करीब 30 सेकंड रुक कर उन्होंने कहा: ''जो सोच सकते हैं,उनका कुछ भी नहीं। जो नहीं सोच सकते ,उनका तो वैसे भी नहीं। (यहाँ उन मुसलमानों का कोई भविष्य नहीं है जो सोच सकते हैं। और जो नहीं सोच सकते उनका वैसे भी कोई भविष्य नहीं था)।''

उस कथन का पूर्ण प्रभाव मुझे वर्षों तक सालता रहा है, और इस से मिली सीख दुनिया के किसी भी अनपढ़ या विमूढ़ व्यक्ति सटीक बैठती है। मानसिकता, ज्ञान, बुद्धिमत्ता व्यापक पढ़ाई करने से आती है और वह भी उच्च कोटि की शिक्षा से। हालाँकि हम, विशिष्ट वर्ग, भले ही अपने बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ शिक्षा की चाहत रखते हों, लेकिन लाखों भारतीय अभी भी ऐसे हैं जिनके लिए किसी भी तरह की शिक्षा प्राप्त करना, यहाँ तक कि साक्षर होना भी एक सपना है जो उनकी पहुंच से परे है।

यह यथार्थ और अहमदाबाद के कॉर्पोरेटर के शब्द, मेरे जेहन में और गहरे पैठ गए जब पहली बार मैंने बिल गेट्स का लेख पढ़ा कि रोज़ाना दो डॉलर से कम में भी ज़िंदगी कैसे गुज़ारते हैं, जिसे हमने इस अंक में प्रकाशित किया है। जिन छह व्यक्तियों के साथ गेट्स ने बातचीत की और उदाहरण दिया है, उनमें से तीन ने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए पैसे बचाने की ज़बरदस्त ख्वाहिश जाहिर की है, और मुझे हैरानी नहीं हुई कि इनमें दो भारत से हैं!

उनमें से एक है लाल मोहम्मद , जो 15 वर्षों से कोलकाता में रिक्शा चला रहा है। अपनी छोटी सी आमदनी (एक दिन में 2 डॉलर से कम) में ''वह अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ गुज़ारा करता है। लेकिन वह और उसकी पत्नी अपने बच्चों के लिए बड़े-बड़े सपने देखते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे बड़े हो कर अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगे और उससे ज़्यादा कमाई करेंगे,'' गेट्स कहते हैं।

देवली बाई राजस्थान में एक दिहाड़ी मजदूर हैं, जो निर्माण स्थलों पर काम करती हैं। अपने पति से तलाक लेने के बाद, वह अपनी बेटी (10) और बेटे (6) की देखभाल करती है। उसका सपना है अपने बच्चों की शिक्षा में पैसे निवेश करना! यही आकांक्षा इथियोपिया के एक छोटे से किसान आवोक मोस की है। उसके पांच बच्चे हैं; और उसका सपना ... हाँ, आपने सही अनुमान लगाया ... बचत करना है, ''जितना भी पैसा हो सके, अपने बच्चों की शिक्षा के लिए।'' हाल ही में उस की सबसे बड़ी बेटी कॉलेज से स्नातक हुई है।

जब भारत की गरीब जनता में शिक्षा के लिए इतनी ज़्यादा ललक है - मैंने भारत के कई छोटे छोटे शहरों और गांवों में अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजने के लिए अपने भोजन में कटौती करते हुए देखा है - तो हम सब की ये सामूहिक ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि भारत की साक्षरता दर निराशाजनक रूप से 74 प्रतिशत पर रुक गई है। इसीलिए, किसी भी रोटरी सम्मेलन में जब वरिष्ठ नेता भारत को पूरी तरह साक्षर करने का सपना देखते हैं, जो कुछ साल पहले 2020 तक था और अब 2025 है, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस हैडलाइन की सिर्फ कल्पना करें: ''रोटरी भारत को पूर्ण साक्षर करने में सहायता करता है।'' क्या यह भारत को पोलियो मुक्त बनाने से भी बड़ी उपलब्धि नहीं होगी?

जहां एक शारीरिक सम्मान और चलने की ताक़त देती है, वहीं दूसरी मन को उन्मुक्त करती है और भर देती है संभावित लक्ष्य और सपनों से और आपको प्रदान करती है सबसे महत्वपूर्ण हथियार - चयन करने की शक्ति। शिक्षा आपको सशक्त बनाती है और आपके जीवन को नियंत्रित करने की योग्यता प्रदान करती है,आपके भाग्य को भी। एक शिक्षित महिला पूर्वाग्रहों का और बाधाओं का विरोध कर सकती है और खड़े होकर कह सकती है: मेरी ज़िंदगी, मेरे कायदे, मेरी पसंद।

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

आमने-सामने

आज रोटरी को दुनिया भर की सरकारों और संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ़ एवं इसी प्रकार के अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से सम्मान प्राप्त होता है। ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए क्योंकि रोटेरियनों ने बारंबार दुनिया भर में स्वयं सेवा के माध्यम से परियोजनाओं को करने की उसकी स्वेच्छा, प्रतिबद्धता और काबिलियत को साबित किया है, फिर चाहे वे छोटी हो या बड़ी, निम्न हो या उच्च दर्जे की, सस्ती हो या महंगी।

सच्ची, स्थायी शांति केवल तब ही आ सकती है जब हम हमारे समुदायों में भूख, स्वास्थ्य, साक्षरता, सामाजिक बहिष्कार, पानी की कमी और स्वच्छता मुद्दों को संबोधित करेंगे। समुदाय की जरूरतों को पूरा करके आर्थिक और सामुदायिक विकास पर ध्यान केन्द्रित कर रहे है, और लोगों को आत्म-निर्भर होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है, जैसा कि महिला स्व-सहायता समूहों में होता है। रोटरी समुदाय में एक वास्तविक परिवर्तन ला रही है और सुविधाओं से वंचित लोगों को सशक्त बना रही है ताकि वे ढर्रे से बाहर आकर प्रगति की ओर बढ़ सकें। याद रखिए, *हम एक चुटकी बजाकर दुनिया को नहीं बदल सकते, लेकिन हम हमारे सेवा कार्यों से इसे एक बेहतर जगह बना सकते है।*

पोलियो 20वीं सदी के अधिकांश समय में, कुछ अकेले शब्द अधिक भय पैदा कर सकते थे। अपंग करने वाली यह बीमारी बिना किसी चेतावनी के आती है, अक्सर बच्चों को अपना शिकार बनाती है और उनसे चलने या खेलने के सरल से तोहफों को हमेशा के लिए छीन लेती है। पोलियो कोई भेदभाव नहीं करता। जब हम 24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस पर ध्यान केन्द्रित करते है, तो हमें यह याद रखना होगा कि एंड पोलियो नाऊ अभियान केवल पैसा इकट्ठा करने के बारे में नहीं है, बल्कि बच्चों को सुरक्षित रखने के बारे में है। हमें अपने कड़े प्रयासों और प्रतिबद्धता को जारी रखना होगा ताकि हम एक पोलियो-मुक्त विश्व को सुनिश्चित कर सकें।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ़ केनेडी के प्रसिद्ध शब्दों को मरोड़कर कहते हुये: ''अब समय यह पूछने का नहीं है कि मेरा रोटरी क्लब मेरे लिए क्या कर सकता है, बल्कि यह पूछने का है कि मैं मेरे क्लब के लिए क्या कर सकता हूँ!'' जवाब सरल है। हम हमारे रोटरी क्लबों में सक्रिय भागीदारी, प्रतिबद्धता और सहभागिता द्वारा उन्हें विकसित होने, उन्नति करने और समृद्ध होने में उनकी मदद कर सकते है। दया एवं प्रेम के उन - हम अक्टूबर माह - *आर्थिक और सामुदायिक विकास माह* - का उत्सव मना सकते है। दुनिया में अच्छा करते रहें। रोटरी का आनंद लें, स्वयं आनंद करें।

डॉ भरत पांड्या
रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

हमारे समुदाय की देखभाल

प्यारे रोटरी नेताओं,

Our entire community must be bold in its mission of authentic caring for one another in order to influence a better tomorrow. — Michelle Homme

लगभग 1.4 बिलियन कार्यरत लोग 1.25 डॉलर प्रति दिन से कम में गुज़ारा करते है। मैं हर एक रोटेरियन से आग्रह करता हूँ कि वे प्रशिक्षण, अच्छे वेतन वाली नौकरियों, और वित्तीय प्रबंधन संस्थानों तक पहुँच के माध्यम से सुविधाओं से वंचित समुदायों में आर्थिक एवं सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करें और गरीबी को कम करें। हमें निर्धन समुदायों में स्थानीय उद्यमियों और सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं, विशेषकर महिलाओं, को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना चाहिए।

युवा - वैश्विक स्तर पर लगभग 74 मिलियन युवा वयस्क बेरोजगार है। युवा हमारी एकमात्र स्थायी संपत्ति है। हमें उनके लिए कौशल, नेतृत्व और नौकरी के अवसरों का सृजन करके उन्हें गरीबी से उबारना होगा ताकि सतत आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया जा सकें।

एक गाँव को गोद लीजिये - मैं हर एक क्लब से निवेदन करता हूँ कि वह एक गाँव को गोद लें और वहाँ बुनियादी शिक्षा, पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाएं। यह गाँवों को आत्म-निर्भर बनाने के लिए उन्हें सशक्त बनाएगा और उनकी संपूर्ण भलाई को प्रोत्साहित करेगा।

महिला सशक्तिकरण - एक पुरानी कहावत है: ''यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते है, तो वह स्वयं शिक्षित होता है, परन्तु यदि आप एक महिला को शिक्षित करते है, तो पूरा परिवार शिक्षित एवं सशक्त होता है।'' महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाना ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है।

अनेक वर्षों से हज़ारों महिलाओं को सशक्त बनाते हुए 28 व्यावसायिक केंद्र - 'सहेली' केन्द्रों - को चलाने के लिए मैं रो ई मंडल 3250 की प्रशंसा करता हूँ। लार्ड लूम्बा फाउंडेशन, यूके, ने समस्त भारत में विधवाओं और विधवाओं के बच्चों को कौशल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए रोटरी के साथ साझेदारी की है।

एंड पोलियो - दौड़ पूरी खत्म करने से बड़ी कोई खुशी नहीं होती। हमने दुनिया से पोलियो को खत्म करने की कसम खाई है और मैं हर एक रोटेरियन से आग्रह करता हूँ कि इस जंग को पूरा करने के लिए वह स्वयं को पुन:समर्पित करें।

24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस है। पोलियो को खत्म करने के लिए हमें आपकी मदद चाहिए। सम्मिलित होकर अनुदान संचयन समारोहों, कार्यक्रमों, रैलियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सन्देश प्रसारित कीजिये, ताकि चेचक के बाद दुनिया से एक और मानव बीमारी को खत्म किया जा सके।

आइये पोलियो को खत्म करके इतिहास बनाएं।

कमल संघवी
रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website :www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

District Wise TRF Contributions as on August 2019

(in US Dollars)

District Number		APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions
India						
2981		7,054	101	0	29	7,184
2982		9,261	3,440	161,362	0	174,064
3000		13,921	0	3,703	0	17,624
3011		5,922	104	20,275	0	26,302
3012		155,639	600	32,000	0	188,239
3020		5,904	4,906	0	12,029	22,838
3030		1,326	0	1,423	0	2,749
3040		4,488	0	5,471	0	9,959
3053		21,133	32	331	0	21,496
3054		1,420	0	26,087	0	27,507
3060		5,066	29	5,229	1,014	11,338
3070		9,127	25	4,200	0	13,352
3080		25,419	3,317	12,875	1,013	42,624
3090		29	0	0	0	29
3100		15,510	0	0	0	15,510
3110		2,379	1,410	0	0	3,789
3120		19,106	0	0	0	19,106
3131		49,556	203	60,015	33,000	142,774
3132		1,558	0	5,355	15,000	21,913
3141		134,361	3,608	156,004	41,392	335,364
3142		36,467	168	0	0	36,635
3150		20,716	4,720	11,667	92,683	129,787
3160		808	29	0	0	837
3170		15,737	286	(4,006)	0	12,016
3181		53,170	0	0	0	53,170
3182		3,439	0	1,777	0	5,216
3190		39,424	2,174	1,596	0	43,194
3201		19,197	0	14,798	0	33,995
3202		16,648	2,034	1,735	1,000	21,416
3211		466	0	45,997	290	46,753
3212		10,836	1,636	1,050	0	13,523
3231		684	56	1,170	0	1,910
3232		1,565	6,859	39,782	7,500	55,706
3240		11,403	0	32,511	0	43,914
3250		9,334	0	(85)	0	9,249
3261		2,305	0	1,122	0	3,427
3262		5,044	1,014	507	0	6,565
3291		21,466	0	7,639	0	29,105
India Total		**756,887**	**36,752**	**651,589**	**204,951**	**1,650,180**
3220	**Sri Lanka**	9,395	0	1,150	0	10,545
3271	**Pakistan**	0	0	0	0	0
3272	**Pakistan**	1,392	225	300	0	1,917
3281	**Bangladesh**	13,226	0	11,500	1,000	25,726
3282	**Bangladesh**	9,708	100	0	0	9,808
3292	**Nepal**	93,734	8,406	135,375	0	237,516
South Asia Total		**884,342**	**45,483**	**799,914**	**205,951**	**1,935,691**
World Total		**16,097,632**	**3,770,307**	**2,861,022**	**3,712,487**	**26,441,448**

Source: RI South Asia Office

WHERE WILL ROTARY GLOBAL REWARDS TAKE YOU?

THE MEMBER BENEFIT PROGRAMME THAT OPENS UP A WORLD OF OPPORTUNITIES.

Rotary

SEE MORE AT ROTARY.ORG/GLOBALREWARDS

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

KshetraGuru® PROPERTY

SwarnaGuru® GOLD

FDGuru® FIXED DEPOSIT

VyaparGuru® STOCK BROKING

ShuruGuru™ IPO

YojanaGuru® GOVERNMENT BONDS

NidhiGuru™ MUTUAL FUND

AmulyaGuru™ PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 info@niveshguru.in www.niveshguru.in

Rotary PEOPLE OF ACTION

बच्चों का बहरापन दूर करने के लिए रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट का अग्रणी प्रयास

रशीदा भगत

अंधापन लोगों को चीजों से अलग कर ती है, जबकि बहरापन लोगों को लोगों से अलग करता है

- हेलेन केलर

आपको इस संस्थान में 30 साल हो गए हैं, अभी तक कितने बधिर बच्चों को नियमित स्कूलों में समेकित किया गया है, मैंने परीमाला मूर्ति से प्रश्न किया जो मैसूर में रोटरी वेस्ट इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड डेफ चाइल्ड की प्रमुख हैं।

''ओह, वो संख्या तो हजारों में है,'' उसका उत्तर आत्मविश्वास और उत्साह से भरपूर है।

रो ई मंडल 3181 के गवर्नर जोसेफ मैथ्यू और लंबे समय से इस परियोजना की परवरिश कर रहे रो क्लब मैसूर वेस्ट के अध्यक्ष रेगिनाल वेस्ले के साथ मैं संस्थान के विशाल परिसर का मुआइना करने निकलती हूं, जिसके बारे में दोनों रोटेरियन गर्व से बताते हैं कि पूरे एशिया में अपनी तरह की संभवतः ऐसी अकेली परियोजना है। यहां बहरे और श्रवण दोष वाले बच्चों के प्रारंभिक परिक्षण और उपचार व उनके विशेष प्रशिक्षण की पूर्ण सुविधा है ताकि उन्हें नियमित स्कूलों में समेकित किया जा सके। कक्षाऐं रंगबिरंगी और खुशनुमा हैं यहां उत्साह, उल्लास की तरंगों का स्पंदन हो रहा है जो बच्चों के स्थान पर ही महसूस किया जा सकता है।

हम कन्नड़ खंड की तरफ बढ़ते हैं - यह संस्थान माताओं और बच्चों के लिए कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और अंग्रेजी भाषा में सुविधाएं प्रदान करता है - और हम उस स्थान पर पहुँचते हैं जो चटकीले रंगों, और बच्चों की निरन्तर चहचहाहट और खिलखिलाहट से गूँज रहा है। बधिर बच्चों के इस अनूठे प्रशिक्षण संस्थान में, सभी शिक्षक और परामर्शदाता, वेस्ले बताते हैं ''हम शिक्षकों की सेवाएं नहीं लेते; यहाँ स्वयं माताएँ ही शिक्षक हैं; वे हमारे द्वारा दी गई

संस्थान में बच्चों को पढ़ानेवाली माताएँ।

आवासीय सुविधा में बच्चों के साथ रहती हैं और उन्हें निरन्तर बोलने का प्रशिक्षण देती रहती हैं।''

प्रारंभिक हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है

जब ऐसे विकलांग बच्चे की बात आती है जो सुनने में अक्षम है, तो ज्यादातर लोग जो गलती करते हैं, वो ये कि वह उसे ''बधिर और मूक दोनों'' ही समझ लेते हैं जबकि ऐसा नहीं है। एक बहरा बच्चा अक्सर इसलिए चुप रहता है क्योंकि वह आवाज़ों को सुन नहीं सकता और उन आवाज़ों को भाषा में व्यक्त नहीं कर सकता, जैसे हर बच्चा बोलना सीखता है। लंबे समय से जिन माता-पिता ने इसे महसूस किया और अपने बच्चों को श्रवण सहायता उपकरणों और कर्णावत प्रत्यारोपण (कॉकलीयर इम्प्लांट) के माध्यम से शुरुआत में ही हस्तक्षेप किया तो उनके बच्चे न केवल बोलने लगे बल्कि नियमित रूप से स्कूल और कॉलेज जाने लगे साथ ही दूसरे बच्चों के साथ समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सफल हुए हैं। इस संस्थान से प्रशिक्षित कई बच्चे अच्छे कॉलेजों में प्रवेश लेते हैं और सार्थक नौकरी पाते हैं, जिनमें से कई अमेरिका और भारत की प्रमुख कंपनियों में कार्यरत हैं।

लेकिन यह तभी संभव हो पायेगा जब इस कमी का जल्दी ही पता लग जाये और उस पर तत्काल कार्रवाई हो ताकि बच्चे को एक सामान्य स्कूल में प्रवेश के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण मिल सके। लेकिन दुख की बात ये है कि ऐसे विशेष बच्चों को जल्द से जल्द प्रशिक्षित करने और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए अपेक्षित जानकारी और प्रशिक्षण सुविधाओं की भारी कमी है।

बच्चों में सुनने की कमी को दूर करने के सन्दर्भ में भारत में उनके माता-पिता में जागरूकता के अभाव पर अफ़सोस जताते हुए डीजी मैथ्यू ने कहा, ''इसके अलावा इन बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए ऐसे केंद्रों की संख्या बहुत कम है जिससे उन्हें सामान्य स्कूलों में समेकित किया जा सके, इस वजह से इन बच्चों का सामर्थ्य अनछुआ रह जाता है और वे रोज़गार के अवसर खो देते हैं।''

शुरुआत

आइए घड़ी को करीब 40 वर्ष पीछे ले जाएँ और विंग कमांडर के के श्रीनिवासन के बेटे राजा के जीवन पर एक नज़र डालें, जो जन्म से बहरे थे। अपने पुत्र राजा की मदद करने के लिए, श्रीनिवासन ने भारतीय वायु सेना

संस्थान में प्रवेश का इंतज़ार करते बच्चें।

DG जोसफ मैथ्यू (बीच में) और रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट के अध्यक्ष रेजिनाल्ड वेस्ली इंस्टीट्यूट की प्रमुख परिमाला मूर्ति और बच्चों के साथ।

से इस्तीफा दे दिया और चेन्नई में बधिर लोगों के बाला विद्यालय में वुडफोर्ड ओरल मेथड से राजा को शिक्षित करने की प्रक्रिया शुरू की।

श्रीनिवासन और उनकी पत्नी ने अपने बेटे के प्रशिक्षण पर पूरा ध्यान दिया और बाद में मैसूर चले गए, वहाँ उन्होंने अपने घर की पहली मंजिल पर अन्य बधिर बच्चों के लिए एक प्री स्कूल की स्थापना की। यह बात 1980 की है, विकलांगों का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष। शुरु में स्कूल में पांच बधिर बच्चे थे और वे सभी अपनी अपनी माँ के साथ आए थे।

बच्चे के सुनने और बोलने के प्रशिक्षण में माँ बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि बच्चा गर्भ से ही उसकी आवाज़ को पहचानता है।

परिमाला मूर्ति

प्रमुख, रेटरी क्लब मैसूर वेस्ट
इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड डेफ चाइल्ड

परिमाला बताती हैं: ''बच्चे के सुनने और बोलने के प्रशिक्षण में माँ बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि बच्चा गर्भ से ही उसकी आवाज़ को पहचानता है।''

पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ डेफ चिल्ड्रेन द्वारा चलाए गए इस प्री स्कूल में, संख्या बढ़ने के साथ, एसोसिएशन ने स्थानीय शहरी विकास प्राधिकरण से जमीन के लिए अपील की और उन्हें मैसूर के बोगड़ी क्षेत्र में एक एकड़ जमीन आवंटित की गई। फिर स्कूल के निर्माण के लिए धन जुटाया गया उसका नाम इंस्टीट्यूट ऑफ मदर एंड डेफ चाइल्ड रखा गया।

एक साझेदारी की शुरुआत

वेस्ले कहते हैं कि विभिन्न परोपकारी व्यक्तियों और संगठनों जैसे कि जिंदल, जैन समाज, भारतीय स्टेट बैंक और रोटरी ने स्कूल और हॉस्टल भवनों के निर्माण, उपकरणों और एक पुस्तकालय की स्थापना के लिए योगदान दिया। 1995 में, रोटरी क्लब ऑफ मैसूर वेस्ट को इस संस्थान द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से प्रेरणा मिली और उन्होंने पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ डेफ चिल्ड्रन के साथ हाथ मिलाया और इस तरह एक बेहतरीन साझेदारी का जन्म हुआ और अस्तित्व में आया ‘रोटरी मैसूर वेस्ट इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड डेफ चाइल्ड’।

यह एक आवासीय सुविधा है जो प्रोत्साहित करती है बच्चों को छोटी उम्र में यहां लाने के लिए - आदर्श उम्र 3 साल से भी कम है - और ''माताओं को अनिवार्य रूप से रोजाना अपने बच्चों के साथ स्कूल आना पड़ता है। हमारा मानना है कि माँ ही मुख्य शिक्षक है, क्योंकि बच्चा शारीरिक और भावनात्मक दोनों रूप में माँ से अधिक जुड़ा होता है। वह श्रवण बाधित बच्चे के समग्र विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।''

यहां सभी बच्चों में कॉकलीयर इम्प्लांट (प्रत्यारोपण) किया गया है; परिमला कहती हैं, ''यह बहुत महंगा है और इसका खर्च लाखों रुपये में आता है, लेकिन आज विभिन्न सरकारी योजनाएं उपलब्ध हैं और हम इसकी जानकारी माता-पिता को देते हैं और बताते हैं कि वे इन योजनाओं से कैसे लाभ उठा सकते हैं।''

विशेष प्रशिक्षण के लिए यहां लाए जाने वाले बच्चे में, क्या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव होता है, यानी बेटियों के स्थान पर बेटों प्राथमिकता? वह मुस्कुराते हुए कहती है, ''नहीं, हम ऐसा कोई

नम्रता एक बच्चे के साथ बातचीत में।

भेदभाव नहीं करते; वास्तव में, हमारे यहाँ लड़कियों की संख्या अधिक हैं!''

कार्य पद्धति

बच्चे को आमतौर पर पहले उसीकी मातृभाषा में प्रशिक्षित किया जाता है; और माताओं को भी प्रारम्भ से ही प्रशिक्षित किया जाता है कि बच्चे किस प्रकार सुन सकते हैं, लिप-रीड करने के लिए, बच्चे को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण सामग्री में बहुत सारी रंगीन छवियों का उपयोग किया जाता है। जैसे-जैसे बच्चा प्रगति करता है, गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से उसके तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमताओं में सुधार होता जाता है।

जिनके बच्चे इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं और जो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं देना चाहती हैं खुद वो माएँ भी सलाहकारों द्वारा प्रशिक्षित की जाती हैं। अंतिम उद्देश्य बच्चे का इस संस्था से एक सामान्य स्कूल में सहज प्रवेश और सम्मिलन है। इस प्रक्रिया में तीन से चार साल लग जाते हैं। लेकिन परिणाम बहुत अच्छे रहे हैं। अधिकांश बच्चे, तीन या चार साल के लिए यहाँ प्रशिक्षण लेने के बाद नियमित रूप से स्कूलों में जाते हैं, कॉलेज से स्नातक होने के बाद कईयों को अच्छी नौकरी मिल जाती है।

पहला छात्र

तकनीकी रूप से देखें तो श्रीनिवासन के बेटे राजा यहां के पहले छात्र थे और उन्होंने अमेरिका में कानून और कंप्यूटर विज्ञान दोनों में पीएचडी की है। अन्य बच्चों के लिए वह सदाबहार प्रेरणा स्रोत रहेंगे। परिमाला ने इस संस्थान में खुद को एक मेंटर के रूप में कैसे परिणीत किया, इसकी कहानी भी दिलचस्प है। अपने बधिर चचेरे भाई के साथ बिताया गया समय और उसकी निराशा को लगातार अनुभव करने के बाद, जब उसने एक बधिर बच्चे भरत को अपने बेटे के साथ कक्षा 1 में मैसूर के मुख्यधारा स्कूल में पढ़ते देखा तो उसे कौतुहल और आश्चर्य दोनों हुआ।

''हमें अपने चचेरे भाई के साथ बातचीत करने में बहुत परेशानी होती थी; वह अक्सर गुस्सा हो जाता और हम उसके गुस्से और उसकी तकलीफों को समझ नहीं पाते थे। इसलिए जब मैंने भरत को अपने बेटे के साथ एक सामान्य स्कूल में देखा, तो मैं बहुत उत्साहित और उत्सुक हुइ कि यह कैसे संभव है।'' उसने भरत की मां से रत्ना शेट्टी मित्रता की जो इस संस्थान में ट्रस्टी हैं और खुद यहां एक

स्वयंसेवक के रूप में काम करना शुरू किया। आज वे इस संस्थान में एक पूर्णकालिक सलाहकार है।

जैसा हम महिलाओं को बच्चों के साथ बातचीत करते हुए देखते हैं - माताओं और बच्चों को विभिन्न तरीके सिखाने के लिए अक्सर माँ और बच्चों की अदला बदली की जाती है - वह कहती हैं, ''आप यहाँ जो भी महिलाऐं और शिक्षक देख रहे हैं वे सब के सब बच्चों के माता-पिता हैं।''

तो क्या वे ख़ास तरह के शिक्षक हैं? ''नहीं, नहीं, यहाँ हम उनकी कोई डिग्री या प्रशिक्षण नहीं देखते हैं। काउंसलर के रूप में, हमारे पास केवल वो माताएँ हैं जिन्होंने अपने बच्चों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें नियमित स्कूलों में एकीकृत किया है।''

स्टार स्टूडेंट

वह कहती है,एमएस करने के लिए भारत फ्लोरिडा चला गया और कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से आईबीएम में नियुक्त हो गया। ''एक बार जब हम इन बच्चों को सामान्य स्कूलों में सम्मिलित कर लेते हैं, तो वे भी अन्य छात्रों की तरह हो जाते हैं। वे उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं, अच्छी नौकरी करते हैं, शादी करते हैं और उनके अपने परिवार हैं। वे स्वतंत्र हैं और उनमें से ज्यादातर हमारे संपर्क में रहते हैं और कभी-कभी पैसे भी दान करते हैं। आपके आने से ठीक पहले, यहाँ दो लड़के थे; उनमें से एक को प्लस टू में 93 फीसदी अंक मिले हैं और वह एक अच्छे कॉलेज में दाखिला ले रहा है।''

आंध्र प्रदेश के एक अन्य छात्र ने उसे हाल ही में यह कहने के लिए फोन किया था कि उसे JEE में बहुत अच्छी रैंक मिली है और वह एक आईआईटी में प्रवेश ले रहा है। हाल ही में एम टेक करने के बाद तीन अन्य छात्र टेक प्रमुख विप्रो में शामिल हुए हैं।

डीजी जोसेफ बताते हैं कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, उनकी वाणी में सुधार होता जाता है। ''जब वे मुख्यधारा के स्कूलों में जाते हैं और अपने साथियों के साथ घुलते-मिलते हैं, और जब उन्हें लगता है कि उनकी बात को पूरी तरह से समझ नहीं पाए हैं तो वे और बेहतर करने का प्रयास करते हैं ताकि उन्हें आसानी से समझा जा सके।''

प्रफुल्लित और ज़िंदादिल

हम संस्थान के कन्नड़ खंड में चलते हैं, यहां प्रत्येक माता-पिता बच्चे को शिक्षित कर रहे हैं, जरूरी नहीं कि वह उन्हीं का अपना बच्चा हो। मैं बच्चों से बात करने की कोशिश करती हूं, उनकी तस्वीरें लेती हूं, और उनकी माताओं का साक्षात्कार करती हूं, उसी वक़्त एक छोटा बच्चा रुद्रन मेरे टेप रिकॉर्डर को हथियाने का प्रयास करता है। वास्तव में, सभी बच्चों में रिकॉर्डर को ले कर सबसे अधिक कौतुहल है; मोबाइल फोन और कैमरा से तो वे परिचित लगते हैं। रुद्रन जानना चाहता है कि मैं अपने मोबाइल फोन पर तस्वीरें ले रही हूं या एक वीडियो बना रही हूँ, फिर उन तस्वीरों को देखना चाहता है।

नम्रता उसे अनुशासन सिखा रही है। लेकिन उसकी हल्की सी डांट का असर बहुत कम होता है, और वह हर जगह शरारतें कर रहा है। यह स्थान

वह दो वर्ष से कम की थी जब सुन नहीं पाती थी, लेकिन उस समय हमें इस केंद्र के बारे में जानकारी नहीं थी। इसलिए मैं उसे पाँच साल की उम्र में ही यहाँ ले कर आ सकी।

जलजा, ट्रस्टी

उतना ही जीवंत है और यहां उतना ही शोरगुल है जितना आप बच्चों से भरी किसी अन्य जगह पर देखते हैं।

परिमाला ने मुझे विजया से मिलवाया, एक (काउंसलर) परामर्शदाता - इस केंद्र में 14 परामर्शदाता हैं - जिनकी बेटी कविता ने यहाँ भाषा प्रशिक्षण लिया, फिर एक नियमित स्कूल गई और चार्टर्ड अकाउंटेंट बनी और आज वो विप्रो में काम कर रही है। ''पिछले साल उसे बेटी हुई है,'' माँ गर्व से कहती है।

जोसेफ विस्तार से बताते हैं कि यहां के 12 ट्रस्टीयों में से छह रोटरी से हैं और छह अन्य माता-पिता हैं। ट्रस्टी जलजा, एक अनुभवी माँ है; उनकी बेटी तनुजा यहां से प्रशिक्षण लेकर गई और अब उसकी शादी हो गई है। ''वह 29 की है; वह दो वर्ष से कम की थी जब सुन नहीं पाती थी, लेकिन उस समय हमें इस केंद्र के बारे में जानकारी नहीं थी। इसलिए मैं उसे पाँच साल की उम्र में ही यहाँ ले कर आ सकी। हम दोनों चार साल तक यहां रहे और मेरी बेटी को प्रशिक्षण से बहुत लाभ हुआ और बाद में वह नियमित स्कूल गई।''

उसने बीसीए की डिग्री हासिल की है, पहले बैंगलोर और फिर चेन्नई में आई टी उद्योग में काम कर रही थी, लेकिन शादी के बाद इस्तीफा दे दिया, जलजा ने गर्व के साथ कहा, वह पेइंग गेस्ट के रूप में चेन्नई में अकेली रही और अपने दम पर कामयाब रही। जब ठीक से प्रशिक्षित किया जाता है तो ये युवा वास्तव में स्वतंत्र रह सकते हैं।

परिमाला कहती हैं कि जब एक माँ पहली बार किसी बच्चे के साथ आती है, ''तो पहले उसे एक अन्य माँ या काउंसलर द्वारा कम से कम तीन महीने तक प्रशिक्षित किया जाता है, उसके बाद ही उसे बच्चा सौंपा जाता है।''

रोटरी शताब्दी वर्ष छात्रावास

रोटेरियनों और मूल संगठन ने मिलकर जो कार्य किया है वह अत्यंत सराहनीय है। परिसर बिलकुल साफ सुथरा है और रंग बिरंगे खिलौने, चार्ट और अन्य मनोरंजक शिक्षण सामग्री से पूर्ण रंगीले, चित्रांकित और चमकते हवादार कमरों में सौहार्द बिखरा है और प्रसन्नता छलकती है। बच्चों के लिए कुर्सियाँ विशेष रूप से बनाई गई हैं और उन्हें बड़ा बनाया गया है ताकि वे माँ / शिक्षक का चेहरा देख सकें। एक छात्रावास है, जो रो क्लब मैसूर पश्चिम के लिए रोटरी मिलेनियम ईयर (शताब्दी वर्ष) प्रोजेक्ट था, जिसमें दूर दराज से आने वाली 26 माताओं और उनके बच्चों को रखा गया है। अन्य लोग पास ही किराये पर रहते हैं। इस केंद्र में 120 माताएं अपने बच्चों के साथ रहती हैं।

यहां की काफी ज़मीन खाली थी; यहां नज़र आ रहे अधिकांश भवनों का निर्माण हमने किया है।

DG **जोसफ मेथ्यू**

श्रवण यंत्र के निदान और फिटिंग व कॉकलीयर इम्प्लांट के लिए एक ऑडियोलॉजी कक्ष बना हुआ है। मुझे एक साउंड प्रूफ रूम में ले जाया गया, जो श्रवण सम्बन्धी मौखिक उपचार के लिए बनाया गया था, और यहां बच्चों को दिया जाने वाला प्रशिक्षण निश्चय ही उच्च गुणवत्ता का है। साउंड प्रूफ रूम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जब एक बार बच्चे को कॉक्लियर इम्प्लांट लग जाता है तो विशेष प्रशिक्षण से न केवल अधिकतम सुनने की क्षमता को अनुकूल करने में मदद मिलती है, बल्कि उसे यहां अन्य विभिन्न ध्वनियों का भी अनुभव होता है।

वेस्ले कहते हैं कि हॉस्टल आवास और प्रशिक्षण के लिए बहुत मामूली शुल्क लिया जाता है।

कई वर्षों से कक्षाओं के निर्माण, भवन, उपकरण खरीदने और रोज़मर्रा खर्च के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था दाताओं, परोपकारीयों और रोटेरियनों के सहयोग से की गई हैं। ''काफी लंबे समय से हमने इस परियोजना को निरंतर जारी रखा है और इस परियोजना में कई सारे मैचिंग ग्रांट भी सम्मिलित हैं। जब रोटरी इस उद्यम में शामिल हुआ था तो यहां की काफी ज़मीन खाली थी; यहां नज़र आ रहे अधिकांश भवनों का निर्माण हमने किया है, डीजी जोसेफ मुस्कुराते हुए, और यह विशेष विंग जहां हम खड़े हैं, 1996 में इस का उद्घाटन PRIP कल्याण बनर्जी ने किया गया था।''

पिछले सात महीने से नम्रता अपनी 4 वर्षीय बेटी मित्रा (काले कपड़ों में) के साथ रह रही है। नम्रता कहती है, ''हमें उसके श्रवण दोष के बारे में तब पता चला जब वह लगभग दो साल की थी, उसे कॉक्लियर प्रत्यारोपण लगाया गया, अब वह बोल सकती है।'' उसकी दो बेटियां हैं, बड़ी अब छटी कक्षा में है और उसकी श्रवण क्षमता सामान्य है।

मोलिना (भूरे और लाल दुपट्टे में) अपनी बेटी सलोनी (पीली टी शर्ट) के साथ यहां है; जब वह 1 वर्ष की थी उस समय ''हमें उसके विकलांग होने के बारे में पता चला; हम उडीपी के रहने वाले हैं।''

माँ और बेटी छात्रावास में रहती हैं और उनके पति, जो उडीपी में काम करते हैं, बड़ी बेटी की देखभाल करते हैं। मेरे सवाल का जवाब देते हुए, मोलिना कहती हैं, ''हाँ, घर छोड़ना और यहाँ रहना मुश्किल है, लेकिन ये सब मैं सलोनी के भविष्य के लिए कर रही हूँ। अगर यह ठीक से प्रशिक्षित हो गई तो नियमित रूप से स्कूल जा सकेगी।''

इसी तरह, होसुर से रेवती ने भी यहां के लिए अपने परिवार के बाकी लोगों को छोड़ दिया है। ''बदकिस्मती से, तमिलनाडु में हमारे पास ऐसा कोई प्रशिक्षण संस्थान नहीं है,'' वह कहती हैं।

इस बीच, कक्षा में, नम्रता रुद्रन से पूछ रही है:

अम्मा चपातियाँ कहाँ बनाती है ?

रसोईघर में।

चपातियों का आकार क्या है ?

गोल।

रुद्रन उसके सवालों का जवाब देता है हालांकि एक बार में तो नहीं! उसका ध्यान बार बार बंट जाता है, आस पास काफी व्यवधान हैं जिसमें आगंतुक भी शामिल हैं।

लेकिन दिन प्रतिदिन, अन्य बच्चों के साथ, वह बोलचाल की दुनिया की खोज कर रहा है, जो धीरे-धीरे ही सही, लेकिन निश्चित रूप से, उसके सामने खुल रही है।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रोटरी क्लब बैंगलौर ऑर्चडईस ने
125 हैप्पी स्कूल शुरू किए

वी मुत्तुकुमारन

कोलार जिले के इटहांढहल्ली गाँव के गवर्नमेंट हायर प्राइमरी स्कूल में रोटरी क्लब बैंगलोर आर्चर्ड के पूर्व अध्यक्ष रवि शंकर (उनके दाएं से दूसरे) एस गोविंदराज (उनके बाएं) हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट के चेयरमेन प्रकाश हेगडे (बाएं से दूसरे), रमेश चारी (बीच में) और नील माइकल जोसफ (घुटना पर बैठे)।

सफेद यूनिफार्म पहने हुए बच्चों ने अच्छी मुस्कान के साथ हमारा स्वागत किया और प्रधानाध्यापक के नेतृत्व में स्कूल के शिक्षकों ने हमें कृतज्ञता ज्ञापित की जब हमने कोलार टाउन के बंगारपेट तालुका में यलुवाहल्ली गॉव के गवर्नमेंट हायर प्राइमरी स्कूल (जीएचपीएस) में कदम रखा, जो कि बेंगलुरू के पूर्व में 90 किलोमीटर है।

एक बहुत उपेक्षा भरी दशा से परिवर्तन स्वरूप नए सिरे से रंगबिरंगे खिलौनों के साथ एक नये चमचमाते हुए रूप में आना, दीवारों पर सुंदर-सुंदर पेड़-पौधे और कक्षाओं में स्लेटों पर प्रेरणादायक संदेश व कहावतें, अब हमारे पास एक स्कूल है जो गांव का गौरव है। हमें नया आत्मविश्वास देने के लिए हम रोटरी के ऋणी हैं - जीएचपीएस, स्कूल के हेडमास्टर ने कहा।

यह स्कूल 125 हैप्पी स्कूलों और रोटरी क्लब बैंगलौर ऑर्चर्डस, रो ई मंडल 3190 के आंगनबाड़ी प्रोजेक्ट के लाभार्थियों में से एक है।

प्रोजेक्ट के सह-अध्यक्ष और क्लब के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि - ''हमने कैंपस में क्रोटन लगाए और पेड़ों का चयन किया है, कक्षाओं का पुन: निर्माण कराया और स्टील के दरवाजे और नई टाइलें लगाकर हमने शौचालयों का नवीनीकरण किया है। प्रत्येक 5 तालुका कोलार जिले में प्रोजेक्ट के लिए चुने गए, जिसमें रोटरी को सुपुर्द करने और आंगनबाड़ियों (आइसीडीएस प्रोग्राम के अंतर्गत चाइल्ड केयर सेंटर) के लिए लगभग 20-30 स्कूल हैं, उनको भी नया रूप दिया गया।''

जीएचपीएस में कक्षा 7 तक पढ़ाई करने वाले 42 विद्यार्थी हैं जिसमें 22 लड़कियां हैं। विद्यार्थियों के बीच बेहतर स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए एक हैंडवाश स्टेशन को स्थापित किया गया था और 100 लीटर स्टोरेज कंटेनर का एक वाटर फिल्टर यूनिट विद्यार्थियों को ताजा, साफ जल उपलब्ध कराता है।

कर्नाटक सरकार का *नालि काली* (प्ले वाइल लर्निंग) यहां पर पांच रंगीन, छोटी राउंड टेबलों के साथ प्रदर्शित किया जा रहा है जो बच्चों को (कक्षा 6 तक) स्केच बनाने, ड्रॉ करने और पेपर क्राफ्ट को बनाने सक्षम बनाता है, इस तरह से इसने उनकी कल्पनाओं को पंख दिए हैं, हेगड़े ने कहा। पिछले 25 वर्षों में, इस स्कूल ने अपने इंफ्रास्टक्चर में इतने बड़े पैमाने पर सुधार को कभी नहीं देखा था ''क्योंकि सरकार 90 प्रतिशत से अधिक प्राथमिक शिक्षा पर खर्च करती है जो वेतन में जाता है और हमने यह सब पूर्ण रूप से रूपांतरित किया है'' - रविशंकार, पूर्व अध्यक्ष, आर.सी. बैंगलोर आर्चेड ने कहा।

सांप्रदायिक सामंजस्य

एक कन्नड़ मीडियम और उर्दू स्कूल इटहंडहल्ली गांव में जीएचपीएस के कैंपस में स्थित है जिसमें शिक्षक और विद्यार्थी दोनों ही समुदाय के हैं। यहां भी समस्त प्लंबिंग लाइन्स और शौचालयों का पुर्ननिर्माण किया गया, कक्षाओं को एक सुंदर वातावरण प्रदान कर जिसमें इंटरैक्टिव सेशन के लिए नई टीचिंग किट है। कन्नड़ स्कूल में 36 विद्यार्थी हैं जो कि कक्षा 7 तक है और उर्दू स्कूल में 12 विद्यार्थी हैं जो कि कक्षा 5 तक है। बी चंद्रैय, स्कूल हेडमास्टर ने बताया कि - ''गणपति मंदिर कैंपस के बीच में है जो दो स्कूलों को जोड़ता है तो यह इस तरह से हमें सांकेतिक रूप से मेलमिलाप व समरसता से जीने की सीख देता है।''

एम एल नागलक्ष्मी और एस फरजाना, दो शिक्षकों ने कहा कि रोटरी ने वह सुविधाएं प्रदान की हैं जो उन्हें मजेदार-खेलपूर्ण और दिलचस्प तरीके से कक्षा की गतिविधियों को कराने में प्रोत्साहित करती हैं।

नाली काली की एक कक्षा में प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रकाश हेगडे (दाएं)।

जीएचपीएस, मल्लासंड्रा में स्थित आंगनवाड़ी में, बच्चे यह देख कर खुश हुए कि उनके क्रेच को नया रूप दिया गया है। हेगड़े ने बताया - ''हमने टाइल्स को बदल कर हॉल को एक नया रूप दिया है।''

जून के अंत तक में क्लब ने कोलार जिले के शेष 10 स्कूलों के बाकी बचे कार्य को पूरा कर लिया था। ''मुख्य पूंजीगत कार्यों को छोड़कर, प्रत्येक सकूल में औसत रूप से ₹4.5 लाख का खर्च आता है। इसलिए समस्त प्रोजेक्ट लागत ₹5.62 करोड़ आती है, रमेश चारी ने बताया जो कि क्लब के सदस्य हैं।'' प्रत्येक आंगनबाड़ी पर लगभग ₹70,000 खर्च किए गए हैं और क्लब ने कोलार में 80 आंगनबाड़ियों को मेकओवर के लिए लिया है।

125 हैप्पी स्कूल प्रोजेक्ट में पाओला डाकोजू रविशंकर फाउंडेशन की ओर से ₹1 करोड़ की प्रारंभिक अनुदान किया गया था और शेष राशि नकद या किसी तरह से रोटेरियनों से दान के माध्यम से जुटाई जाएगी। इसके अलावा, रविशंकर एक सरकारी प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूल के निर्माण के लिए भी धनराशि दे रहे हैं जो कि बेंगलुरू, बसंत नगर में ₹5.5 करोड़ की लागत का होगा जिसमें कन्नड़ और तमिल मीडियम होगा।

हम आपको यह बताते हुए खुश हैंक्लब ने लक्ष्य को पार कर लिया है 126 हैप्पी स्कूल और पूरा कर रहे हैं 40 आंगनवाड़ियों के अलावा, 115 की परिक्रमा कीकोलार जिले में काली काली स्कूल,पीडीजी सुरेश हरि के संकेत।

यालुवाहल्ली गांव, कोलार के सरकारी स्कूल में नया खेल उपकरण।

चित्र: वी. मुत्तुकुमारण

इस रोटरी वर्ष भारतीय मंडल अध्यक्षों का लक्ष्य : 30 मिलियन डॉलर

रशीदा भगत

आज मैंने ऐसे रोटेरियनों को देखा जो सही मायने में निष्ठावान पीपल ऑफ़ एक्शन हैं; हैदराबाद के बीचोंबीच मुख्य स्थान पर रो ई मंडल 3150 के रोटेरियन मामूली लागत पर, उच्च कोटि की डायलिसिस सेवा मुहैया करवा रहे हैं, मैं इस परियोजना से अत्यंत प्रभावित हूँ,'' रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन द्वारा की गई एक वैश्विक अनुदान परियोजना का निरीक्षण करने के बाद ट्रस्टी चेयर गैरी हुआंग ने कहा।

उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद गुरुद्वारा, भगवान महावीर ट्रस्ट और रोटरी क्लब द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही ये परियोजना साझेदारी और सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण थी।

यह ग्लोबल ग्रांट 2015-16 में जैन की अध्यक्षता में की गई थी, सुनील ने कहा कि 60,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान के माध्यम से रो इ मंडल 6450 में एक अमेरिकी क्लब की साझेदारी के माध्यम से 12-बेड की यह सुविधा एक हकीकत बन गई। यह केंद्र सिर्फ 300 रुपये में एक डायलिसिस सत्र की सुविधा उपलब्ध करवाता है और किडनी की बीमारी से ग्रस्त मध्यम वर्ग के लोगों के लिए तो यह सुविधा एक वरदान है।

गैरी ने आगे कहा, ''मैं इसकी इतनी कम लागत पर विस्मित और आश्चर्यचकित दोनों हूँ, जहां साफ-सुथरी जगह पर लोगों को उत्कृष्ट कोटि की चिकित्सा सेवा दी जा रही है। इतनी महंगी जगह पर चिकित्सा केंद्र चलाने की लागत काफी ज़्यादा होगी, लेकिन इस संगठन (गुरुद्वारा) ने ये जगह मुफ्त में दी है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी डायलिसिस करवा रहे मरीजों को खुश और मुस्कुराते देखकर हुई। मुझे बताया गया है कि इस गुणवत्ता वाले डायलिसिस सत्र का खर्च प्राइवेट केंद्र में 8 या 10 गुना अधिक होता है। यह एक बहुत ही स्मार्ट और कुशल परियोजना है।''

ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, ईएमजीए सैम पतिबंदला, रो इ मंडल 3150 से डीजी शिवनारायण राव, क्लब के अध्यक्ष शैलेश गुमीदेली और क्लब के अन्य सदस्यों के साथ, ट्रस्टी चेयर ने मरीजों से हाथ मिलाया, उनसे बात की और डायलिसिस सुविधा के बारे में जानकारी ली।

TRF ट्रस्टी चेयर गेरी हुआंग, कोरिना और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी AKS सदस्यों रमेश अग्रवाल, मौलीन पटेल, सोनल, दयानंद गौरी, मीरा, डॉ कृष्णेंदु गुप्ता, सुधी जब्बार,विक्रम और वैजयंती रेड्डी, रवि वडलामणि, उदय पिलानी, मारी रवींद्र रेड्डी और रूपल पिलानी के साथ।

53 वर्षीय प्रवीण कुमार पेशे से एक इलेक्ट्रीशियन हैं और चार साल पहले हृदय का आकार बढ़ने के कारण किडनी की समस्या से जूझ रहे हैं। ''मैं पिछले चार वर्षों से, सप्ताह में तीन बार आता हूं। मुझे एक डायलिसिस सत्र के लिए केवल 300 रुपये का भुगतान करना होता है और इसके लिए दूर भी नही जाना पड़ता,'' आभारी व्यक्ति कहते हैं।

इसी तरह, पी वी राम रेड्डी, 63 एक सेवानिवृत्त व्याख्याता हैं, जिन्हें सप्ताह में दो बार डायलिसिस की आवश्यकता होती है और वे छह महीने से यहां आ रहे हैं, कहते हैं कि वे निजी अस्पताल एक डायलिसिस सत्र के ₹2,000-2,500 लेते हैं जिस का वे भुगतान नहीं कर सकते। ''मेरा डायलिसिस सस्ती दरों पर करने के लिए मैं इन तीनों संस्थाओं का आभारी हूं,'' वे कहते हैं।

एक ब्यूटीशियन लवीना जॉन का कहना है कि उनकी दोनों किडनी सिकुड़ रही हैं और इसलिए उन्हें नियमित अंतराल पर डायलिसिस की जरूरत होती है वहीं फिरदौस की तकलीफ भी यही है, जिसका पति कैटरिंग का काम करता है।

क्लब के एक अन्य सदस्य शरद चौधरी कहते हैं, ''गुरुद्वारा कुछ और जगह उपलब्ध करवा रहा है, और अगले साल हम छह मशीनें और लगाएंगे।'' यहां डायलिसिस मशीनें रोटरी ने लगाईं हैं, तकनीशियन और अन्य सहायक कर्मचारीयों के साथ यहां की व्यवस्था महावीर फाउंडेशन देखता है, ''यह हैदराबाद में चलने वाले चार केंद्रों में से एक है। वाहनवती कहते हैं: यह बिलकुल सही और उचित परियोजना है; यह समुदाय आधारित है और इस उत्कृष्ट सेवा को प्रदान करने के लिए तीन संस्थाओं- रोटरी, गुरुद्वारा और महावीर फाउंडेशन को साथ मिल कर काम करते देखना शानदार है।''

पूर्व अध्यक्ष जैन बताते हैं कि यह परियोजना पिछले चार वर्षों से सुचारू रूप से चल रही है; ''एक महीने में हम लगभग 750 से 800 डायलिसिस सत्र करते हैं, जो एक वर्ष में 10,000 तक पहुँच जाते हैं। महावीर फाउंडेशन प्रमुख भागीदार थे क्योंकि वे पहले से ही अन्य केंद्रों को चला रहे थे, उनके पास इसके परिचालन की तकनीकी जानकारी है।''

शाम को, रो क्लब हैदराबाद डेक्कन ने एक सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया था, जिसमें कई कॉरपोरेट प्रमुखों को यह समझने के लिए

PDG रवि वडलामनी ने TRF ट्रस्टी चेयर गेरी को अपना चेक कोरिन्ना, TRF ट्रस्टी वाहनवटी और EMGA सैम पाटीबंडला (बाएं) की उपस्थिति में पेश किया।

आमंत्रित किया गया था कि वे भारत सरकार द्वारा अनिवार्य किये गए, अपने सीएसआर फंड का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए, द रोटरी फाउंडेशन के साथ कैसे जुड़ सकते हैं।

दो रो ई मंडलों - 3150 और 3020 द्वारा आयोजित इस संयुक्त कार्यक्रम में कई मंडलों के AKS सदस्यों को सम्मानित किया।

इस बैठक को संबोधित करते हुए, एचत्रस्‍- सैम पतिबंदला ने ट्रस्टी चेयर की यात्रा के लिए पांच शहरों में से एक हैदराबाद को चुनने के लिए वाहनवती को धन्यवाद दिया। ''हमारे ज़ोन सामुदायिक कल्याण परियोजनाओं और टीआरएफ योगदान दोनों में बहुत बढ़िया तरीके से सहभागिता कर रहे हैं। पिछले रोटरी वर्ष, 2018-19 के दौरान, हमारे ज़ोन ने अब तक का सर्वाधिक, 21.4 मिलियन डॉलर का योगदान किया था।'' जबकि 3 मिलियन डॉलर के साथ मंडल 3190 शीर्ष पर उभरा; डी 2.6 मिलियन डॉलर के साथ डी 3141 दूसरे स्थान पर आया। यदि डी 3141 के TRF योगदान को 3142 के साथ जोड़ा जाए तो यह 3.8 मिलियन डॉलर के साथ 1 नंबर पर आ जाएगा (पहले दोनों मिल कर संयुक्त रूप से मंडल 3140 ही थे)।

उन्होंने घोषणा की, ''इस वर्ष हमारे ज़ोन्स (श्रीलंका और नेपाल सहित) के मंडल अध्यक्षों ने अपना टीआरएफ लक्ष्य 30 मिलियन डॉलर रखा है।''

पतिबंदला ने कहा कि भारत की उपलब्धि में एक और अध्याय जुड़ गया है, यह कि संभ्रांत वर्ग के AKS सदस्यों की संख्या 100 अंक तक पहुंच गई, और हम ताइवान से आगे निकल गए हैं। हम भाग्यशाली हैं कि आज हमारे साथ 9 AKS सदस्य मौजूद हैं जिसमें राजस्थान और गुजरात के (मंडल 3054 से PDG रमेश अग्रवाल, मौलिन और सोनल पटेल); पश्चिम बंगाल से (कृष्णेंद गुप्ता मंडल 3219), आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से (दयानंद और मीरा गौरी; विक्रम रेड्डी और वैजयंती; उदय और रूपाली पिलानी मंडल 3150), और केरल से (सुधी जब्बार, मंडल 3211)

पतिबंदला ने खुलासा किया कि उदय और रूपाली पिलानी ''वही रोटेरियन थे, जिन्होंने हैम्बर्ग कन्वेंशन में बहामास के एक युवा चित्रकार द्वारा मंच पर बनाये गए एंड पोलियो चित्रों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई थी।'' वहां गलियारे में उन दोनों चित्रों को इस आयोजन में प्रदर्शित किया गया था।

ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी, ट्रस्टी वाहनवती, और कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, टीआरएफ के लिए 3,00,000 डॉलर का चेक भेंट करने वाले रो क्लब हैदराबाद डेक्कन के अध्यक्ष, शैलेश गुमीदेली ने कहा, टीआरएफ के साथ हमारा इश्क़ बहुत पहले शुरू हुआ था; हम रो ई मंडल 3150 में 100 प्रतिशत PHF बनने वाले शुरुआती क्लबों में से एक हैं, और आज हमारे पास दो AKS परिवार, 20 मेजर डोनर

परिवार और 50 से अधिक पॉल हैरिस फेलो हैं और सभी सदस्य हर साल फाउंडेशन में योगदान करते हैं।'' जहां तक सामुदायिक परियोजनाओं की बात है, ''सदस्यों ने मुख्य रूप से शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने और रोग नियंत्रण के लिए काम किया है और ये सब टीआरएफ, दुनिया भर में फैले हुए रोटरी मित्रों और निस्सन्देह हमारे सदस्यों के समर्थन से संभव हुआ है।''

डीजी वीरभद्र रेड्डी (बॉबी) ने कहा कि 1 जुलाई 2019 को, उनके मंडल में 3,776 सदस्य थे और उनमें से 3,231 PHF हैं। "2018-19 के दौरान हमारे मंडल ने पोलियो के लिए 100,000 डॉलर का योगदान दिया और इस रोटरी वर्ष में, हम इसे दोगुना कर 200,000 डॉलर पहुंचाना चाहते हैं। अभी तक नौ वैश्विक अनुदान किये जा चुके हैं, जबकि दो और पाइपलाइन में हैं, और दो अन्य के लिए आवेदन कर रहे हैं। 747 सदस्यों के साथ दुनिया के सबसे बड़े क्लबों में से एक, रो क्लब विजयवाड़ा मिडटाउन बहुत जल्द 800 सदस्य का आंकड़ा छूने वाला है।''

जब उन्होंने कहा कि पिछले साल उनके मंडल ने TRF के लिए 862,000 डॉलर जुटाए थे, तो पतिबंदला ने कहा, मुझे उम्मीद है कि ''इस साल आपका लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर रहेगा।''

रो ई मंडल 3150 के डी जी शिवनारायण राव ने कहा कि पिछली बार दिशा (मंडल अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम) में 750,000 डॉलर का लक्ष्य दिया गया था और ''हमने इसे पार कर लिया है। इसकी गति देखकर मुझे यकीन है कि मैं इस साल 1 मिलियन डॉलर जुटा सकता हूं। हमारी योजना है कि 1,000 स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में बदल दिया जाए, अति लघु उद्योग व उपक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण किया जाए और अधिक से अधिक महिलाओं को रोटरी में शामिल किया जाए।'' एक अन्य लक्ष्य, वर्तमान में अपने मंडल की सदस्य संख्या को 3,568 से बढ़ाकर 5,000 करने का था, जिसमें लगभग 500 महिलाएँ होंगी।

क्लब के सदस्य शरद चौधरी ने दुनिया में सीएसआर योगदान पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें बताया गया कि विभिन्न परोपकारी लोगों ने सामाजिक क्षेत्र में अपना धन कैसे खर्च किया, और ''किस प्रकार एक सोने की खान हमारा इंतजार कर रही है।'' उन्होंने कहा, मजे की बात ये है कि भारत में अल्ट्रा एच एन आई (अत्यंत समृद्ध वर्ग) से ₹24,000 करोड़ का योगदान प्राप्त हुआ था जो कि सीएसआर फंड (₹12,000 करोड़) से खर्च की गई राशि का दोगुना था। ''और 80 प्रतिशत पैसा अल्ट्रा एचएनआई वर्ग का एक ही एक व्यक्ति देता है-अजीम प्रेमजी - अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के माध्यम से। हमें विचार करना होगा ... वो क्या चीज है जिसकी वजह से प्रेमजी या रोटेरियन रविशंकर (रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स) या बिल गेट्स या फिर वारेन बफेट जैसे व्यक्ति अपनी संपत्ति का इतना बड़ा हिस्सा दान करते हैं।''

एक अन्य परोपकारी, रॉकफेलर का हवाला देते हुए, जिन्होंने कहा था, ''जब परोपकार, सहभागिता, नई खोज और जुनून के साथ किया किया जाता है तो ये समाज में बड़ा परिवर्तन लाने की ताक़त रखते हैं,'' चौधरी ने कहा कि सबसे महान परोपकारी लोगों ने सिर्फ पीएम या सीएम के राहत कोष में अपना पैसा नहीं दिया, बल्कि स्वयं भागीदारी करते हुए इसका सदुपयोग किया।

उन्होंने AKS सदस्य बनने का निर्णय क्यों किया, इस पर उदय पिलानी ने कहा कि कुछ साल पहले जब वह नाइजीरिया से वापस लौटे और मालूम हुआ कि विक्रम रेड्डी ने टीआरएफ में 250,000 डॉलर दिए थे, ''मैंने विचार किया कि क्या मैं भी ऐसा कर सकता हूं। इसके बाद मैंने देखा कि बेंगलुरु के रविशंकर ने 100 करोड़ रुपये दिए और यही मेरा प्रेरणा स्रोत बना। फिर मेरी उत्सुकता थी कि आखिर लोग फाउंडेशन में दान क्यों देते हैं। 15 साल रोटेरियन रहने के दौरान मैंने प्रोजेक्ट तो बहुत किये थे लेकिन इसके लिए पैसा कैसे और कहाँ से आता था ये मालूम नहीं था। जब मैंने फाउंडेशन का गहराई से अध्ययन किया तो पाया

नीचे: रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के सदस्यों ने TRF ट्रस्टी चेयर गेरी को अपना योगदान कोरिन्ना और TRF ट्रस्टी वाहनवटी की उपस्थिति में दिया।

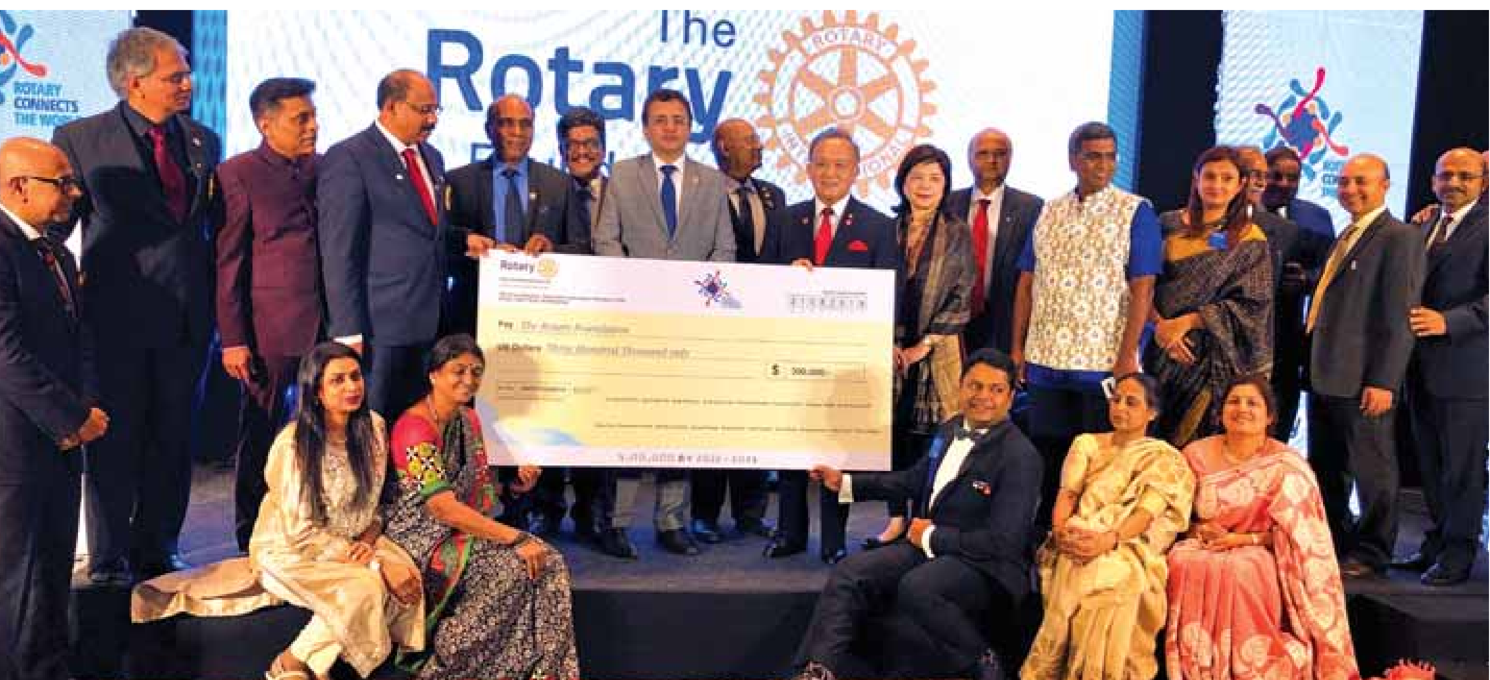

TRF ट्रस्टी चेयर गेरी, कोरिना और TRF ट्रस्टी वाहनवटी रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन द्वारा संचालित डायलिसिस सेंटर में एक मरीज के साथ बातचीत करते हुए।

कि टीआरएफ एक कहीं बेहतर संरचना है और जो काम मैं करना चाहता हूँ उससे भी बहुत बड़े - बड़े काम करता है।'' बस, उन्होंने निश्चय कर लिया!

टीआरएफ को 60,000 डॉलर का चेक भेंट करते हुए, मंडल 3150 से पीडीजी रवि वडलामणि ने कहा कि यह पैसा एक कैंसर डिटेक्शन लैब प्रोजेक्ट में जाएगा, जिसकी लागत ₹1 करोड़ से ऊपर है। ''यह मेरी माँ की स्मृति में है जिन्हें कैंसर था; जब आप टीआरएफ को देते हैं, तो पैसा न केवल आपकी पसंदीदा चैरिटी में जाता है, बल्कि यह कई गुना हो जाता है।'' उपस्थित कॉरपोरेट नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने सीएसआर फंड को विश्वस्त रूप से टीआरएफ को सौंप सकते हैं।

रो ई मंडल 3150 और 3020 से आये रोटेरियनों को धन्यवाद देते हुए, ट्रस्टी चेयर गैरी ने कहा: ''जो पैसा आप टीआरएफ को देते हैं, वह मानवता की सेवा कर रहा है और हमारी दुनिया को एक बेहतर जगह बना रहा है।''

उन्होंने एक उदाहरण दिया कि लेबनान में पानी की अत्यधिक कमी थी और वहां जो बच्चे पानी खरीद कर नहीं पी सकते थे वे बीमार पड़ गए, ''आपके पैसे का उपयोग रोटेरियनों द्वारा वहाँ कई स्कूलों में पेयजल प्रोजेक्ट्स में किया गया था । आज 6,742 बच्चों के लिए हर दिन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है, इसके लिए आपको धन्यवाद। उन बच्चों की खुशी की कल्पना करें जिन्हें रोज़ाना साफ पानी मिलता हैं। यह काम आपका फाउंडेशन कर रहा है ... फर्क ला रहा है। मैं आपको इससे और भी अधिक देने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।''

सभी क्षेत्रों में इस वर्ष टीआरएफ का हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी था ... ग्लोबल ग्रांट एंडोमेंट फण्ड, आदि ''हम और भी अधिक करना चाहते हैं, हम अपनी पहुंच का विस्तार दूर दूर तक करना चाहते हैं और इसके लिए हमें और अधिक मेजर डोनर्स की आवश्यकता है। परन्तु आपकी प्रतिबद्धता और यह देखते हुए कि आज मैं अत्यंत उदार लोगों के बीच खड़ा हूं, जिन्होंने दान दे कर मिलने वाली खुशी की खोज कर ली है, मुझे विश्वास है कि हम और अधिक निस्वार्थ कार्य कर सकते हैं।''

ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी ने डीजी शिवा और बॉबी को उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद किया, ''दोनों रो ई मंडल टीआरएफ योगदान और सामुदायिक परियोजनाओं में अच्छा कार्य कर रहे थे।''

हॉल में बैठे कार्य कॉरपोरेट नेताओं की तरफ देखते हुए, वाहनवटी ने मुंबई में एटोस नाम की एक आईटी कंपनी के साथ अपना अनुभव सुनाया। पिछले साल, रो इ मंडल 3142 के डीजी के अपने ही क्लब में अटोस के एक वरिष्ठ सदस्य उनके दोस्त थे। उन दोनों ने सीएसआर फंड के बारे में बात करनी शुरू की और उन्होंने कहा कि उनकी कंपनी अच्छी खासी रकम देगी।

इस समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने में कुछ अड़चन आ रही थी और डीजी ने वाहनवटी को एटोस कार्यालय में आने के लिए कहा। ''मुझे लग रहा था कि कुछ कर्मचारियों के साथ एक छोटा सा कार्यालय होगा। पर मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि नवी मुंबई में उनका बहुत बड़ा कार्यालय था वो भी 2,000 कर्मचारियों के साथ। 9,000 कर्मचारियों के साथ बेंगलुरु का ऑफिस इससे भी बड़ा है।''

कंपनी का मुख्यालय फ्रांस में है, पर भारत में इसका कार्यालय होने के कारण, इसकी CSR प्रतिबद्धता भी हैं। ''यह अधिकारी रोटरी क्लब ठाणे हिल्स का सदस्य था और वह क्लब को आसानी से 250,000 डॉलर दे सकता था, लेकिन उसके बॉस ने कहा कि मनहीं, ये पैसा हम टीआरएफ को देना चाहेंगे। और आप देख सकते हैं, प्रतिष्ठित कॉरपोरेट कंपनियां हमारी निष्ठा, अखंडता और नेतृत्व पर भरोसा करती हैं।''

ट्रस्टी ने वरिष्ठ रोटेरियनों से एक बड़ी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्लबों और मंडलों की अपनी यात्राओं के दौरान, ''जब मैं टीआरएफ के बारे में चर्चा करता हूं, तो मुझे महसूस होता है 5 से 7 साल पुराने रोटेरियनों में टीआरएफ की मूल जानकारी का अभाव है।'' सभी मंडल अध्यक्षों से रोटेरियनों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने, और सैम पतिबंदला EMGA से ''एक उत्कृष्ट वीडियो प्रस्तुति जो हमने बनाई है'' के माध्यम से रोटेरियनों को शिक्षित करने के लिए, इसका नेतृत्व करने की अपील की।

वह खुश थे कि लगातार चौथे वर्ष, भारत ने टीआरएफ को देने में अपना दूसरा स्थान बनाये रखा है; पिछले साल 21.4 मिलियन डॉलर, और ''हमारे तीन मंडल - 3190, 3141 और 3011- दुनिया के शीर्ष 10 में शामिल थे।'' उन्होंने डी 3150 द्वारा 860,000 डॉलर का योगदान करने हेतु पीडीजी रमेश बंगला को नेतृत्व प्रदान करने के लिए बधाई दी। ''आपके पैसे से हम दुनिया में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, और भारत में असमानता बहुत है और वंचितों के लिए काम करने की सख्त जरूरत है। फिर भी, मुझे खुशी है कि पिछले वर्ष हमें जितना मिला उस की तुलना में हमने कहीं अधिक दिया है।''

''डायलिसिस सेंटर में,'' उन्होंने कहा, ''मैंने आपके जुनून और प्रतिबद्धता को देखा है और यह भी देखा कि कैसे टीमवर्क सर्वश्रेष्ठ परिणाम देता है।''

चित्र: रशीदा भगत

प्रतिदिन 2 डॉलर से कम में जीवन यापन करना क्या होता है?

बिल गेट्स

सेरिन डोस्सा, एक फेरिवाली।

जूतों की कमी की मुझे सबसे ज्यादा याद आती है। वह 1993 की बात है। मेलिंडा और मैं केन्या, तंज़ानिया, और ज़ायर (अब कांगो लोकतान्त्रिक गणराज्य) की यात्रा कर रहे थे। हमारी यात्रा के दौरान, हम सड़क के किनारे चलने वाले लोगों को देखकर बार-बार चकित हो रहे थे। उनमें से लगभग सभी नंगे पांव थे।

यह पहली बार था जब हम दोनों में से किसी ने अत्यंत गरीबी को इतना करीब से देखा था। हालाँकि मैं दुनिया की विशाल असमानताओं से परिचित था, फिर भी मैं कभी भी आय की सीढ़ी के निचले सोपान पर रहने वाले लोगों से रूबरू नहीं हुआ था - ऐसे लोग जो इतने गरीब थे कि उनके पास जूते तक नहीं थे।

बेशक, उनके पास बहुत सी अन्य चीज़ों की भी कमी थी: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, अधिक भोजन पैदा करने के लिए बेहतर बीज और उपकरण, और, इससे भी बढ़कर, अवसर की। यह सब अपनी आँखों से देखना जीवन परिवर्तक था। हमने स्वयं से पूछा कि दुनिया को क्यों ऐसी होना था और हम मदद के लिए क्या कर सकते है। जवाबों की तलाश ने हमारे जीवन की दिशा को बदल दिया और यह हमारे संस्थान की शुरुआत का कारण बना।

हमारी यात्रा करने से लेकर अब तक के वर्षों में, दुनिया ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई में बहुत प्रगति की है। स्वास्थ्य, कृषि, और शिक्षा में बेहतरी से प्रेरित होकर एक बिलियन से अधिक लोगों ने स्वयं को अत्यंत गरीबी से बाहर निकाल लिया है। अब भी, प्रतिदिन 2 डॉलर से कम में जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या - 1.90 डॉलर विश्व बैंक की अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा है - 700 मिलियन से अधिक है। और इस प्रगति को बनाए रखने के लिए और अधिक कार्य किये जाने की आवश्यकता है, ताकि सभी, चाहे वे कहीं भी रहते हो, को स्वास्थ्य, लाभकर जीवन जीने का अवसर मिल सकें।

प्रतिदिन 2 डॉलर से कम में जीना कैसा होता है? जबकि मैं गरीबी के रुझानों के बारे में कई आंकड़े उद्धृत कर सकता हूँ, फिर भी हम में से अधिकांश लोगों के लिए - विशेषकर संपन्न देशों में रहने वाले लोगों के लिए - इस सवाल का जवाब देना कठिन है। इतनी कम आय में जीवन की अनिश्चितताओं को महसूस करना या दिन-प्रतिदिन की कठिनाइयों की कल्पना करना बहुत कठिन है।

इसलिए मैं आपको दुनिया के कुछ बेहद गरीब लोगों की आवाज़ सुनने हेतु आमंत्रित करना चाहता हूँ जो स्वयं इस सवाल का जवाब देते है। यहाँ पर प्रतिदिन 2 डॉलर से कम में जीवन जीने के बारे में छह लघु कथाएँ है, जैसा कि एक रवांडाई मछुआरे; एक इथियोपियाई किसान; कोलकाता, भारत का एक रिक्शा चालक; एक केन्याई दादी; नाइजीरिया में एक खाद्य फेरीवाला; और राजस्थान, भारत में एक दैनिक मजदूर बताते है।

एक बार स्वयं को उनकी जगह रखकर देखिये, या कुछ मामलों में, बिना जूतों के जीवन की कल्पना कीजिये। मुझे आशा है कि उनकी कहानियों, उनकी चुनौतियों, और बेहतर जीवन के लिए उनके सपनों से आप अछूते नहीं रहेंगे। मुझे यह भी आशा है कि आप स्वयं से पूछेंगे कि आप उन जैसे लाखों लोगों की मदद करने हेतु क्या कर सकते है।

एक फेरीवाली

सेरिन डोस्सा एक फेरीवाली है, जो नाइजीरिया के लागोस में मक्के का दलिया बेचती है। वह अपनी

देवली बाई, एक दैनिक मजदूर।

2 डॉलर से कम की प्रतिदिन की कमाई से अपने तीन बच्चों और पति का भरण-पोषण करती है। वह एक बचत समूह से ताल्लुक रखती है, जो उसे जितना हो सके बचत करने और छोटे कर्ज लेने की अनुमति देता है।

एक मछुआरा

नदिकुमाना गेर्वैस रवांडा के बुगेसेरा में एक मछुआरा है। वह लगभग 1500 रवांडाई फ्रैंक (लगभग 1.73 यूएस डॉलर) की अपनी प्रतिदिन की आय से अपनी पत्नी और तीन बच्चों का भरण-पोषण करता है। हालाँकि उसका जीवन कठिन है, गेर्वैस अपने परिवार के भविष्य की बेहतरी के लिए काम कर रहा है। वह बकरियों के एक झुंड को पाल रहा है, भूमि के एक टुकड़े पर खेती कर रहा है, और वह गाँव के एक बचत क्लब से संबंधित है जो उसे छोटे ऋण लेने की अनुमति प्रदान करता है।

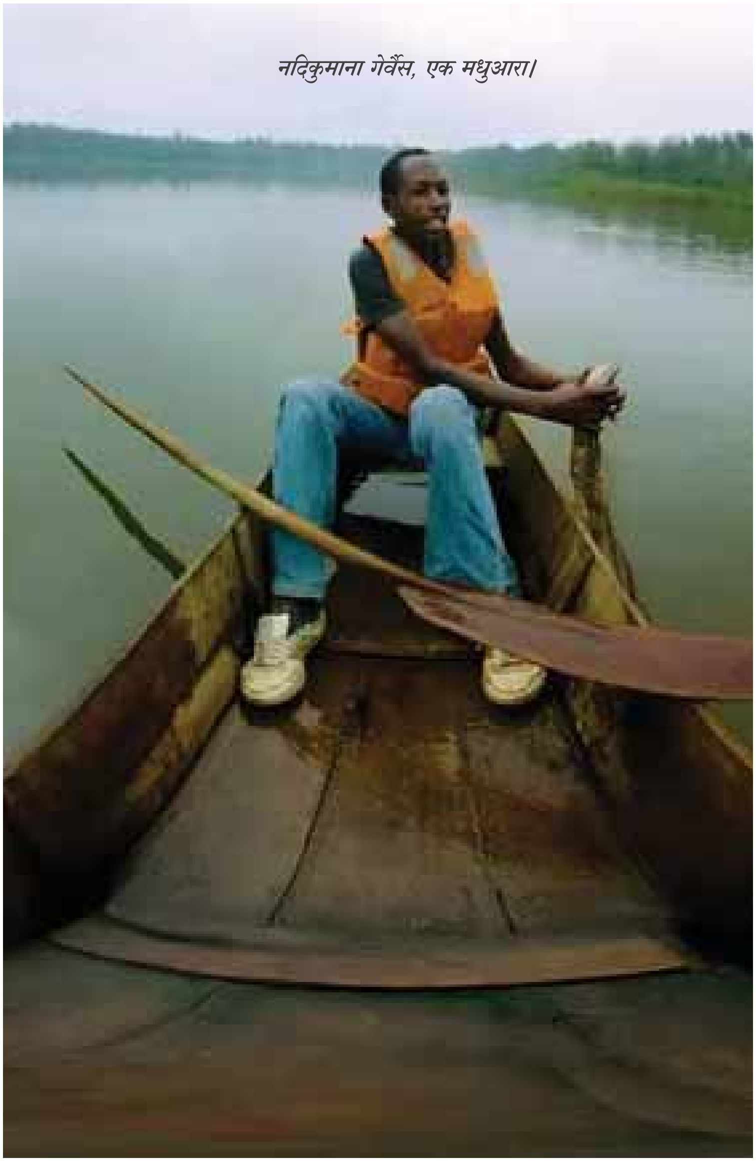

नदिकुमाना गेर्वैस, एक मधुआरा।

एक रिक्शा चालक

पिछले 15 वर्षों से, लाल मोहम्मद भारत के कोलकाता शहर में एक रिक्शा चालक के रूप में काम कर रहा है। रबड़ के सैंडल और शॉर्ट्स में, वह मुसाफिरों और सामान को शहर की गलियों से गुजरते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाता है, जिससे वह प्रतिदिन 2 डॉलर से भी कम कमा पाता है। अपनी लघु आय के माध्यम से वह अपनी पत्नी और तीन बच्चों का भरण-पोषण करता है। लेकिन वह और उसकी पत्नी अपने बच्चों के लिए बड़े सपने देखते है। उन्हें उम्मीद है कि उनके बच्चे बड़े होकर अच्छी शिक्षा और उनसे कहीं अधिक आय वाली नौकरी प्राप्त करेंगे।

ऊपर : पेट्रोनिला मलेसी, एक दादी।

बाएं : अवोक मोसे, एक किसान।

नीचे : लाल मोहम्मद, एक रिक्शा चालक।

एक किसान

अवोक मोसे इथियोपिया के वर्क अम्बा में एक छोटा सा किसान है जो टेफ, गेंहूँ, काबुली चना और मक्का उगाता है। वह, उसकी पत्नी, पांच बच्चे, और उसकी माँ सभी उस एक-हेक्टेयर के भूखंड पर रहते है। वह अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जितना हो सके उतना पैसा बचाता है। उसकी सबसे बड़ी लड़की हाल ही में कॉलेज से स्नातक हुई है।

एक दैनिक मजदूर

देवली बाई राजस्थान, भारत की एक दैनिक मजदूर है जो निर्माण स्थल पर काम करने सहित अनेक फुटकर काम करती है। अपने पति से तलाकशुदा, देवली अपनी 10 वर्षीय बेटी और 6-वर्षीय बेटे की देखभाल करती है। उसका सपना अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश करना है।

एक दादी

पेट्रोनिला मलेसी केन्या के नैरोबी की सबसे गरीब झुग्गियों में से एक, किबेरा, में रहने वाली एक दादी है। उनकी बड़ी बेटी के गुजर जाने के बाद, पेट्रोनिला अपने चार पोते-पोतियों की देखभाल के लिए अकेली बची। वह अपनी दो बेटियों का भी भरण-पोषण करती है। वह सड़कों पर बर्फ का शरबत बेचकर और जब भी मौका मिले फुटकर काम करके पैसे कमाती है।

लेखक बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक है।
यह लेख सर्वप्रथम बिल गेट्स के ब्लॉग: www.gatesnotes.com पर दिखाई दिया था।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

डीजी को रोटेरियनों के साथ सफलता की कहानियों को शेयर करना चाहिए: गेरी हुआंग

वी मुत्तुकुमारन

चेन्नई में सभी राज्यों की टीआरएफ सभा को संबोधित करते हुए, ट्रस्टी सभापति गैरी हुआंग ने अपने क्षेत्र के जिला नियंत्रकों से आग्रह किया कि वे अपने टीआरएफ योगदान को कम से कम पांच प्रतिशत बढ़ाएं।

"लेकिन आपको अपने रोटेरियनों को हमारे महान सामुदायिक योजनाओं के बारे में वर्णन करना होगा, पोलियो के विरूद्ध 30 वर्षों का संघर्ष, स्वच्छता सुविधाएं और स्वच्छ पेयजल सुविधाएं प्रदान करने के बारे में" - उन्होंने कहा। क्लबों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्लबों को अपने डीडीएफ का अनुकूलतम उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वयं के विकास के लिए सीखने को कभी भी रोकना नहीं चाहिए, खासकर रोटेरियनों के लिए जो कि बेहतर संसार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। चेन्नई के अपने चौथे दौरे पर, गैरी ने कहा कि वह रोटेरियनों के उत्साह और उनके विभिन्न प्रोजेक्ट के प्रति सदैव 'आश्चर्यचकित' थे।

ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने कहा कि पिछले वर्ष हमारे झोन ने 21.4 मिलियन डॉलर दिए और 21 मिलियन डॉलर टीआरएफ से प्राप्त किए, ताईवान को केवल 4.5 मिलियन प्राप्त हुए। "हालांकि यू एस ने 186 मिलियन डॉवर दिए हैं लेकिन ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के लिए इसने केवल 2 मिलियन डॉलर प्राप्त किए हैं। इससे यह प्रकट होता है कि फंड्स उन क्षेत्रों को दिया जाता है जहां इसकी आवश्यकता अनुभव की जाती है, फाउंडेशन के लिए उनके दिए गए योगदान की परवाह किए बगैर" - उन्होंने बताया।

डीजी जी चंद्रमोहन ने कहा कि रो ई मंडल 3232 ने वाहानवती के कहने पर इसके मूल टीआएफ लक्ष्य में 1.5 मिलियन डॉलर से 2 मिलियन डॉलर तक का संशोधन किया था। "हम इस वर्ष में कम से कम 30 ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट को प्रस्तुत करेंगे।"

सदस्यता में (5,300) और पिछले साल 1.16 मिलियन डॉलर टीआरएफ देकर यह मंडल देश में पांचवे स्थान पर आया है। हम रोटरी पीस फैलोशिप कार्यक्रमों के लिए दो लोगों का प्रस्ताव देंगे। हमने संघमित्रा जैसे सिग्नेचर प्रोजेक्ट को पूरा किया है जो सरकारी स्कूलों में बुनियादी स्वच्छता और पेयजल सुविधाओं को प्रदान करता है, हमने बोन बैंक और

बाएं से : DG जी चंद्रा मोहन, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी, TRF ट्रस्टी चेयर गेरी हुआंग, PRID पी टी प्रभाकर और PDG ई के सगादेवन पोलियो फंलो कार्यक्रम को बढ़ावा देते हुए।

डायलिसिस केंद्रों को सेटअप किया है एवं एक कैंसर स्क्रीनिंग बस को अंजाम दिया है,'' उन्होंने कहा।

मेंमबरशिप और फाउंडेशन, रोटरी की दो आंखें हैं और हम अपने जिले के सभी 6 क्षेत्रों पर ध्यान दे रहे हैं। ''हमारी रोटरी जीवन स्कीम, रीसाओ से क्लीयरेंस लंबित है जो मृतक रोटेरियनों के परिवारों को ₹2 लाख प्रदान करेगी। डीजी डॉ ज़मीर बशा ने कहा कि जिले की योजनओं के प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट का गठन किया गया था।'' उन्होंने रोटरी आपदा राहत कोष की स्थापना के लिए गैरी और वाहनवेती को धन्यवाद ज्ञापित किया जिसने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित स्थानों के लिए 25,000 का इमरजेंसी ग्रांट प्रदान किया। रो ई मंडल 3000 ने इस साल में 2.05 मिलियन टीआरएफ देने का लक्ष्य रखा था।

डीजी श्रीघर बलरामन ने कहा कि रो ई मंडल 3231 में प्रत्येक रोटेरियन को टीआरएफ लक्ष्य के 1.15 मिलियन डॉलर के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कम से कम 10 डॉलर देने के लिए कहा जाएगा। हम 200,000 डॉलर से अधिक की ग्लोबल ग्रांट योजनाओं को लेंगे, कम से कम 6-7 टर्म गिफ्ट देंगे व तीन और डायलिसिस सेटर को स्थापित करेंगे। पिछले 2 वर्षों में आरसी वेल्लोर फोर्ट के द्वारा सेटअप किए गए डायलिसिस सेंटर में जरूरतमंद रोगियों के लिए 11,000 निशुल्क डायलिसिस किए गए। ''17 मशीनों से, वेल्लोर सुविधा का 40 डायलिसिस यूनिट में विस्तार किया जाएगा।''

पीडीजी अबिरामी रामनाथन द्वारा प्रोत्साहित, कांचीपुरम जिले के कुयिलकुप्पम गांव में नये निर्मित मकानो के रहवासियों को जिला रोटेरियनों के द्वारा चारपाई और टीवी दान में दिए जाएंगे। गैरी से उपरोक्त ईनाम प्राप्त करने के बाद रामानाथन ने कहा कि ''जिस दिन सन् 1987 में मैंने रोटरी में शामिल हुआ था तभी से मैंने देना शुरू कर दिया था और कभी देना रूका नहीं। अब मैं अपनी पत्नी की अनुमति के बिना अगली राशि 100,000 डॉलर दे रहा हूँ!''

टीआरएफ के लिए ₹1.04 करोड़ का चेक देते हुए, डीजी डॉ ए के नटसन रो ई मंडल 2982 जो कि एक एकेएस मेंबर बन रहे हैं, कहा कि उनके अधिकतर क्लब ग्रामीण इलाकों में हैं जो कि 6 रेवेन्यू जिलों में फैले हुए थे। ''एक नए समुदाय को गोद लेने के मूल्यांकन के लिए 3-4 ग्लोबल ग्रांट योजनाओं के हमारे आवेदनों को निरस्त कर दिया गया था जो कि भौगोलिक विषमताओं को ख्याल में नहीं रखते जो हम पर बोझ थे,'' उन्होने कहा। उन्होंने इस साल में टीआरएफ में 5 लाख डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बाएं से : RID 2982 के DG के नटेसन ने बहु-मंडल सम्मेलन में TRF ट्रस्टी चेयर गेरी हुआंग को ₹1.04 करोड़ का चेक प्रदान किया। चित्र में धर्मेश पटेल, वासु राजाराम, DG (मंडल 2982) जी चंद्रा मोहन, मंडल सचिव गणपति सुरेश, कोरिना हुआंग और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवटी शामिल हैं।

दो बूदों के लिए 2 डॉलर

रो ई मंडल 3232 का प्रत्येक रोटेरियन क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से दो पोलियो की बूदों के लिए कम से कम 2 डॉलर का योगदान देगा जिसका उद्देश्य टीआरएफ के पोलियो फंड के लिए न्यूनतम 1 मिलियन डॉलर जुटाना है। जब गेट्स फाउंडेशन के 2 मिलियन के 1:2 के ग्रांट के साथ जोड़ा जाता है, तो जून 2020 के अंत तक में पोलियो फंड को कम से कम 3 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। डीआरएफसी एम अंबालावनन ने

रोटरी कार्डिएक रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन

टीम रोटरी न्यूज

रशीदा भगत

TRF ट्रस्टी चेयर गेरी हुआंग और कोरिना ने रोटरी कार्डिएक पुनर्वास केंद्र में, (बाएं से) PDG सुरेश हरि, SJICSR के निदेशक डॉ सी एन मंजूनाथ, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, DG समीर हरियाणी और PDG एच आर अनंत के साथ।

बेंगलुरु में, ट्रस्टी के अध्यक्ष गैरी हुआंग ने श्री जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च (एसजेआईसीएसआर) में एक रोटरी कार्डिएक रिहैबिलिटेशन सेंटर का उद्घाटन किया, ट्रस्टी गुलाम वाहनवती,

रो ई मंडल 3190 डीजी समीर हरिआनी, एसरेआईसीआर के डायरेक्टर डॉ मंजूनाथ, आरसी बैंगलोर इंदिरानगर के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल और अन्य क्लब सदस्यों की उपस्थिति रहे।

डीजी हरियानी ने कहा कि यह 'स्टेट ऑफ द आर्ट सेंटर' रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर और एसजेआईसीएसआर के द्वारा संयुक्त प्रोजेक्ट के तौर पर किया गया था। बिल्डिंग को एसजेआईसीएसआर के द्वारा बनाया गया है जो कि एक राज्य सरकार की संस्था है और समस्त उपकरणों को क्लब के द्वारा 224,807 डॉलर की ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से रोटरी क्लब सेंटो आंद्रे, रो ई मंडल 4420 द्वारा प्रदान किया गया।

यह सेंटर जीवनशैली परिवर्तन पर परामर्श और प्रशिक्षण, आहार-परामर्श, ईसीजी/ईसीएचओ/टीएमटी के माध्यम से संपूर्ण कार्डियो वस्कुलर सिस्टम का मूल्यांकन, फिजियोथेरेपी यूनिट, श्वसन चिकित्सा और योग में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस रोटरी प्रोजेक्ट के तहत इसमें जो उपकरण लगाए गए हैं उनमें 700 बिस्तर हैं व जिनमें हाई एंड ईको कार्डियोग्राफी मशीनें, ट्रेडमिल, नवीनतम फिजियोथेरेपी और अन्य उपकरण शामिल हैं।

ट्रस्टी अध्यक्ष गैरी ने क्लब के सदस्यों को इस प्रोजेक्ट को सावधानीपूर्वक क्रियान्वित करने के लिए क्लब के सदस्यों को बधाई दी।

कहा कि - ''दो बूदों के लिए 2 डॉलर लोगों के लिए भी ओपन है और अगस्त में सॉफ्ट लंच के बाद, हमने अब तक में 10,000 डॉलर से अधिक एकत्र कर लिए हैं।''

अखिल भारतीय एंड पोलियो फ्लेम, जिसमें दो मशाल शामिल हैं, को गैरी ने भारत में रोटरी के 100 वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए के-टू-के फ्लेम अभियान शुरू किया।

''वर्ल्ड पोलियो डे 24 अक्टूबर को टू फ्लेम अभियान, पेन-इंडिया रैली मई अंत में कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर तक पहुँचेगी। एक फ्लेम को पश्चिमी भारत से होकर ले जाया जाएगा, जबकि दूसरी को पूर्वी क्षेत्रों को पार करने के बाद कश्मीर पहुँचाया जाएगा। प्रत्येक टार्च (फ्लेम) को जून 2020 तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रोटरी अधिकारियों को दिया जाएगा'' -उन्होंने बताया।

ब्रांड अवतार, रो ई मंडल 3232 से एक नवपरिवर्तन, ''5 जनवरी 2020 को गिनीज रिकार्ड के प्रयास के लिए पहली बार ह्यूमन स्काइलाइन (मानव-वृत) का निर्माण करेंगे। हमारा प्रयोजन प्यारे रोटरी के लिए चेन्नई में मानवता को जोड़ना है'' - पीडीजी ईसाक नजर ने कहा।

डीआरएफसी के एस.गोपाल, रो ई मंडल 3000 और एम.बालामुरलीकृष्ण, रो ई मंडल 3231 ने अपने संबंधित जिलों के वार्षिक लक्ष्यों को सूचीबद्ध किया। जिला ग्लोबल ग्रांट के अध्यक्ष पीडीजी चेहब, आरसी लास वेगास से एल अनवर, रो ई मंडल 5300 और उनके पति ब्रीसिया और पीआरआइडी पीटी प्रभाकर विशेष आमंत्रित सदस्य थे। 400 से अधिक रोटेरियन और 300 से अधिक रोटारेक्टरों ने टीआरएफ कॉन्क्लेव में उपस्थित हुए।

दो बूदों के लिए 2 डॉलर और के-टू-के एंड पोलियो फ्लेम, एंड पोलियों नाउ के समन्वयक ई के सगादेवन और केशव कुंवर ने संयुक्त रूप से पोलियो फंड को ₹1,500 या ₹1 लाख दान देने वाले सदस्यों के लिए एक नये जिले की पहचान के तौर पर मान्यता दी और इसे बढ़ावा दिया। इस तरह के हर दान के लिए एक स्पेशल इंएंड पोलियो फेलो पिनफ दिया जाएगा।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

पोलियो को ख़त्म करने में मदद करें

नी हाओ, रोटेरियन!

दोस्तों, इस महीने विश्व पोलियो दिवस है और हम एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहे है। अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान से आई खबरें हमें बताती है कि हमें अभी बहुत कुछ करना है। वह हमें बताती है कि पोलियो तेजी से या इतनी सरलता से खत्म नहीं होगा।

इन सबसे बढ़कर, वह हमें बताती है कि पहले से बढ़कर हमारी आवश्यकता आज अधिक है। सफलता के लिए आवश्यक है कि हम स्थिर रहें और दिखा दें कि हमारी प्रतिबद्धता की कोई समय सीमा नहीं है। हम अंत तक इसमें साथ है, और हम इस भयानक बीमारी पर जीत हासिल करेंगे। हम बच्चों एवं परिवारों को पुनः ज़िंदगियाँ प्रदान करेंगे, और समुदायों की उम्मीदों को बहाल करेंगे।

हम सौभाग्यशाली है कि वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल में हमारे साथ बढ़िया मित्र है - जिनमें बिल एंड मेलिंडा गेट्स फ़ाउंडेशन शामिल है, जो हर एक दान के लिए 1 के बदले में 2 के हिसाब से मिलान करता है। हमने पहले ही प्रचंड टाइप 2 पोलियोवाइरस को उन्मूलित कर दिया है, और जल्द ही हम टाइप 3 को भी उन्मूलित कर देंगे। भारत पोलियो मुक्त है। जल्द ही पूरा अफ्रीका पोलियो मुक्त हो सकता है।

हमेशा के लिए पोलियो को खत्म करने का सबसे महत्वपूर्ण कारक आप है। हाल ही के वर्षों में अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के लोगों ने बहुत कठिनाइयों का सामना किया है। पोलियो बस एक और चुनौती है। उनको ये सभी चीज़ें अभिभूत कर सकती है। लेकिन रोटेरयनों को नहीं। हम अभिभूत महसूस नहीं करते है। हमें यह चुनौती लगती है, और, कार्यवाही करने वाले लोगों के रूप में, हम चुनौतियों का सामना करते है।

कन्फ़्यूशियस ने कहा था: ''यदि कोई व्यक्ति सदाचारी है, तो वह अकेला नहीं रहेगा। यह निश्चित है कि उसी के जैसा सोचने वाले सहयोगी आकर उसके साथ जुड़ेंगे।'' रोटरी में, हम इन शब्दों का अर्थ भली भांति समझते है। जब हम कहते है ''स्वयं से बढ़कर सेवा,'' तो हम इस सदाचार के साथ खड़े होते है। हम जानते है कि दुनिया भर के समान सोच रखने वाले हमारे भाई और बहन हमारे साथ जुड़ेंगे। दुनिया में अच्छा करने की हमारी जरूरत हमें एक साथ खींच ले आई है।

हम एक बीमारी से दुनिया को हमेशा के लिए निजात दिला सकते है। और आप उन लोगों में से एक होंगे जो ऐसा करेंगे, अपनी सतत प्रतिबद्धता और उदारता के माध्यम से।

इतिहास का हिस्सा बनें! इस अंतिम कठिनाई, अंतिम चुनौती पर विजय हासिल करने में हमारी मदद कीजिए। *endpolio.org/donate* पर अपना दान दीजिये।

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

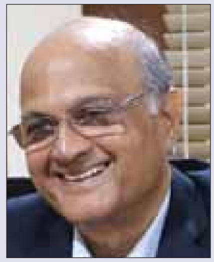

एन्ड पोलियो मे मदद करें

इस रोटरी वर्ष में मैंने कई ग्लोबल ग्रांट (जी जी) परियोजनाओं का दौरा किया। मैं हाल ही में न्यासी अध्यक्ष गैरी हुआंग से मुलाकात की। मैंने देखा कि कई ग्लोबल ग्रांट परियोजनाओं में से, मैं सिर्फ दो के बारे में बताना चाहता हूं; पिछले साल की विनाशकारी बाढ़ के बाद रोटेरियनों द्वारा जीजी के माध्यम से बनाए गए कोचि में कम लागत वाले आश्रय प्रदान किया गया, जिनके घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा था और हजारों गरीब लोग बेघर हो गए थे। परिवार नई आशा और विश्वास के साथ अपने नए घरों में जा रहे हैं। इसके अलावा, एक अन्य जीजी के तहत, हैदराबाद में एक डायलिसिस सेंटर सामने आया है जो सिर्फ 300 रुपये में गरीबों के खान-पान का प्रबंध करता है। यह बेहद ही विशिष्ट साझेदारी है कि; स्थानीय गुरुद्वारा जो भवन का मालिक है और इसने अपनी जगह मुफ्त में दी है; इस केंद्र को महावीर फाउंडेशन द्वारा चलाया जाता है तथा उपकरण टी.आर.एफ. द्वारा मुहैया कराया जाता है, जो वास्तव में एक विशिष्ट साझेदारी को दर्शाता है।

तीसरी परियोजना जीजी में नहीं है, लेकिन उसका विशेष उल्लेख करना आवश्यक है: दक्षिण पूर्वी रेलवे ने डी 3150 के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत रेलवे प्लेटफार्मों के एक छोटे से हिस्से को पूरी गोपनीयता में माताओं को स्तनपान कराने हेतु कियोस्क बनाने हेतु रोटरी को सौंपा जाएगा।

लेकिन, एक न्यासी के रूप में मैं यह दोहराता हूं कि हमें अपने संबंधों को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। हम दानदाताओं द्वारा दिए गए धन के माध्यम से काम कर रहे हैं हमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि टीआरएफ के फंड का उपयोग परिवाद से ऊपर है। शून्य लाभ पर चैरिटी नेविगेटर द्वारा चलाये जा रहे टीआरएफ ने 12वें वर्ष में चार सितारे के रुप में अधिक प्रशंसा अर्जित की है।

हम कभी-कभी कहते हैं, ईश्वर प्रत्येक अंश में निहित है - जो यह कहने का एक तरीका है कि पूर्णता हेतु क्या काम किया गया। जब कोई काम योजना के अनुसार नहीं हो रहा हो तो हम यह भी कहते हैं शैतान प्रत्येक अंश में निहित है। ये दोनों बातें एक जैसी लगती हैं लेकिन इनके बीच का अंतर स्वर्ग और नरक जैसा है।

गुलाम ए वाहनवती
ट्रस्टी, रोटरी इंटरनेशनल

आइये 2025 तक भारत को साक्षात्कार बनाए: RIPN शेखर मेहता

रशीदा भगत

बाएं से : इग्नाइट मीट में PDG विनोद बनसाल, RID कमल संघवी, RIPN शेखर मेहता, RID भरत पांड्या और PRIP कल्याण बेनर्जी।

2010-11 में जब हमने रोटरी में पहली बार भारत को साक्षर बनाने का सपना देखा था, तो मैंने कहा था कि यह शायद सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है जिसे हम रोटेरियन अपने देश के लिए कर सकते है, PRIP और RILM प्रमुख कल्याण बेनर्जी ने कोलकाता के इग्नाइट सत्र में कहा।

और इस लक्ष्य के लिए, उन्होंने इस अभिप्राय हेतु RIPN शेखर मेहता का चुनाव किया क्योंकि ''उन्हें 1995 से जानने के कारण, उनके मंडल गवर्नर बनने से बहुत पहले, मैं जानता था कि यदि आपको कोई काम करवाना है - तो उसे शेखर जैसे पागल सनकी को सौंप दीजिए। और वह तब तक कभी नहीं रुकेंगे जब तक कार्य अच्छी तरह से पूर्ण ना हो जाए।''

2014 तक वह TEACH - शिक्षक समर्थन, ई-अध्ययन, वयस्क साक्षरता, बाल विकास और हैप्पी स्कूल - की परिकल्पना लेकर सामने आए। यह एक ''अद्भुत और विस्तृत परियोजना'' थी क्योंकि इसमें शिक्षा के सभी प्रमुख घटक शामिल थे। जहाँ इस क्षेत्र में काम करने वाले अन्य गैर सरकारी संगठनों ने इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक या दो क्षेत्रों पर ही काम किया, वहीं रोटरी उन सभी पर एक साथ काम करने के लिए तैयार थी।

''रोटरी भारत साक्षरता मिशन (RILM) ने जिस दल को इकट्ठा किया वह विशिष्ट, समर्पित और प्रतिबद्ध था और रोटेरियनों ने हर जगह सहायता की। चीज़ें अनुरूप होने लगी, उन्होंने पत्र व्यवहार एवं सवालों का प्रबंध करने के लिए एक कोर ग्रुप का गठन किया, और फिर उन्होंने रोटेरियनों के एक प्रतिभाशाली, उत्साही, प्रतिबद्ध समूह का चुनाव किया।''

वे लोग देश को साक्षर बनाने को लेकर उत्साही थे और फिर गाड़ी चल पड़ी। RILM द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों के साथ या उसके बिना ही, क्लबों ने काम करना जारी रखा, अक्सर अपने बूते पर ही धन एकत्रित करने ''क्योंकि उन्हें साक्षरता से प्यार था और वे उनके समुदाय को साक्षर होते देखना चाहते थे। उसी समय, RILM और रोटरी क्लबों का हाथ थामकर, भारत सरकार और सभी साक्षरता-उन्मुख गैर सरकारी संगठन भी शामिल हो गए,'' बेनर्जी ने कहा। विभिन्न समितियों में एकत्रित हुये गवर्नरों, जिनमें से अधिकतर पीडीजी थे, से आग्रह करते हुये, RIPN शेखर मेहता ने कहा कि लक्ष्य 2025 तक भारत को पूर्णतः साक्षर बनाने का था। ''और ऐसा करने के लिए हमें पोलियो के कारनामे को दोहराना था। यदि पोलियो एक बड़ा स्वप्न था, तो भारत को साक्षर बनाना उससे भी बड़ा स्वप्न था। यह बहुत ही पेचीदा, चुनौतीपूर्ण एवं मुश्किल है।''

लेकिन पहले वर्ष में RILM दल द्वारा किए गए अनुसंधान के कारण, वह एक ऐसा कार्यक्रम तैयार कर पाए जिसमें आज तक कोई भी सरकार या NGO हमारी गलती नहीं निकाल पाए। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हमने सभी हिस्सेदारों, सरकार, नौकरशाहों, विशेषज्ञों, घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय NGO से उनके विचार मांगे और फिर TEACH मॉड्यूल को तैयार किया।

''कार्यक्रम की मजबूत संरचना और इसकी व्यापक एवं विस्तारपूर्ण पहुँच, जिसमें साक्षरता के सभी महत्वपूर्ण घटक समाविष्ट थे, के कारण यह परियोजना चल पड़ी,'' बेनर्जी ने कहा। टीआरएफ़ न्यासी के रूप में PRID सुशील गुप्ता के प्रयासों के कारण, सीएसआर निधि का उपयोग रोटरी परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। जबकि क्लब और मंडल उनके स्तर पर परियोजनाएं करते है, RILM समितियाँ राज्य, केंद्रीय एवं कॉर्पोरेट स्तरों पर पहल करती है।

यद्यपि भारत को साक्षर बनाने की सटीक तिथि तो निर्धारित नहीं की जा सकती है, ''फिर भी हम तब तक प्रयास करते रहेंगे जब तक हर एक राज्य 90 प्रतिशत तक साक्षर ना हो जाए और भारत सरकार हमें साक्षर देश ना घोषित कर दे।''

सोने पर सुहागा थे RID भरत पांड्या और RID कमल संघवी, जो हमेशा से ही साक्षरता के लिए खामोशी से काम करते थे, ''और फिर बड़े पैमाने पर वे हमारे साथ शामिल हुये। अब, आप सभी... बांसुरी वाले, तुरही वादक, वाइलिन वादक, नगाड़े वालों के साथ, ऑर्केस्ट्रा पूरे जोश से चल रहा

है। जैसे कि भारत को साक्षर बनाने में भरत मदद कर रहे है और जैसे कमल उनका कमाल दिखा रहे है, वैसे ही भारत में साक्षरता उसके शिखर या शेखर पर है, मैं तो बस मज़ाक कर रहा था! और मैं भी यहाँ बाजू में खड़ा होकर आपको आशीर्वाद देते हुए कहूँगा कल्याण हो।''

बैठक को संबोधित करते हुये, RIPN शेखर मेहता ने कहा, दुनिया का कोई भी एनजीओ साक्षरता के तीन प्रमुख घटकों पर ध्यान नहीं देता है - बच्चा, शिक्षा और परिवेश (स्कूल)। इसमें उन्हें जोड़ दो जो स्कूल नहीं जाते या वयस्क। इस कार्यक्रम में लगभग 100 पीडीजी, 10 जोनल लिटरेसी चेयर्स, और TEACH और अनुदान संचयन समितियाँ शामिल है जिनमें प्रत्येक में 15 सदस्य है। आपने किस अन्य कार्यक्रम में इतना जुनून, और इतने कम समय में इतना काम होते देखा है?

ई-अध्ययन में, RILM ने गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब और मध्य प्रदेश की राज्य सरकारों के साथ साझेदारियाँ की है। लेकिन सबसे अच्छी खबर मेहता ने यह घोषणा करके दी कि ''बहुत जल्द, उम्मीद है कि, पोलियो की तर्ज पर ही भारत सरकार के साथ हम एक कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। नीति आयोग द्वारा खाका तैयार किया जा चुका है और अब वह मंत्रीमंडल में गया है। भारत सरकार के साथ एक बार यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित होने के बाद, यह भारत को साक्षर बनाने के प्रति किसी के भी द्वारा उठाया गया सबसे बड़ा कदम होगा।''

प्रतिभागियों को आगाह करते हुये उन्होंने कहा, लेकिन यह एक बहुत ही बड़ा सपना है और इसमें अत्यंत समर्पण एवं अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता है। ''DLCCs (डिस्ट्रिक्ट लिटरेसी कमेटी चेयर्स) की भूमिका बहुत ही अहम है। यदि कोई इसको लेकर गंभीर नहीं है, तो कृपया अपना त्यागपत्र सौंप दें क्योंकि यह हमारे देश का एक मिशन है, और हमने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को वचन दिया है। साक्षरता परियोजना कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। यदि आपमें बड़े सपने देखने, या चुनौतियों को स्वीकार करने की क्षमता नहीं है, तो यह कार्यक्रम आपके लिए नहीं है।''

साक्षरता के अलावा, उनके लिए दो अन्य ध्यानाकर्षण क्षेत्र है सकारात्मक स्वास्थ्य और थळपड। मेहता ने खुलासा किया कि रोई अध्यक्ष के पद के लिए उनके साक्षात्कार के दौरान, उनसे 10 वर्षों की उनकी रोटरी की परिकल्पना के बारे में पूछा गया था। ''मैंने कहा था कि मैं रोटरी को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ सेवा संगठन बनते देखना चाहता हूँ। और मैंने आप सभी की तरफ से ऐसा कहा था। लेकिन हम केवल साक्षरता पर काम करके ऐसा नहीं कर सकते है।'' साक्षरता के साथ सकारात्मक स्वास्थ्य और जल एवं स्वच्छता पर काम करके, रोटेरियन रोटरी के सभी महत्वपूर्ण ध्यानाकर्षण क्षेत्रों को सम्मिलित करेंगे, मेहता ने आगे कहा। और साक्षरता, स्वास्थ्य एवं WinS तीनों के लिए, विशेष समितियों का गठन किया गया है।

RILM के उपाध्यक्ष और RID संघवी ने कहा कि महान स्वप्नद्रष्टा शेखर (मेहता) ने 2025 तक भारत को साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ''यह मुश्किल है परंतु संभव है। महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि आपको कोई जंग लड़नी हो तो निरक्षरता के खिलाफ लड़ो। आइये इस जंग को भारत के हर एक कस्बे, गाँव और गली में लड़े और एक ऐसे भारत के लिए काम करें जिसमें शांति हो और जो दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हो। आइये इतिहास रचें

RIPN शेखर मेहता RIDs कमल संघवी और भरत पांड्या के साथ।

भारत में 25 करोड़ वयस्क निरक्षर है

RIPN शेखर मेहता ने कहा कि आज भारत में साक्षरता दर केवल 74 प्रतिशत है, परंतु हमारे 96 प्रतिशत बच्चे स्कूल जाते है। ''तो क्यों हमारी दर अभी भी 74 प्रतिशत है? ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पास 25 करोड़ की भारी संख्या में निरक्षर वयस्क है! तरस तो इस बात पर आता है कि अगली जनगणना में भी, इतनी ही संख्या में निरक्षर लोग हो सकते है, जो हमारी साक्षरता दर को बहुत से बहुत 80 प्रतिशत तक ले जाएंगे,'' उन्होंने कहा।

''भारत सरकार के साथ हमारा कार्यक्रम इन्हीं लोगों पर काम करने के बारे में है और यदि हम हमारी इच्छित संख्या में लोगों तक पहुँच पाए, तो साक्षरता दर 74 से सीधा 90 प्रतिशत हो जाएगी। और यदि आप 90 प्रतिशत पर पहुँच जाते है, तो आप दुनिया के शिक्षित देशों की श्रेणी में स्थान हासिल कर लेंगे। यह संभव है पर इसमें आपकी उत्साही सहभागिता एवं कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। इस वर्ष के गवर्नर यहाँ है, और भले ही इस वर्ष उन्हें 10 महीनों की कम अवधी मिली क्योंकि इस वर्ष इन्नाइट देरी से आयोजित किया जा रहा था, उन्हें तुरन्त ही उनके मंडलों में साक्षरता के लिए प्रशिक्षण शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि RILM की सफलता का मूल उसका प्रशिक्षण ही है।''

मेहता ने आगे कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुई कार्यकारिणी समिति की बैठक में ''हमने तय किया कि 2025 तक, चाहे जो भी हो, भारत को पूर्ण रूप से साक्षर बनाने के लिए रोटरी भारत अपनी पूरी ताकत लगाएगी, जिसका मतलब है साक्षरता दर को 95 प्रतिशत पर ले जाना।''

''भरत पांड्या और कमल संघवी के रूप में दो उत्कृष्ट एवं युवा रोई निदेशकों के साथ, जो एक दूसरे की शैली के पूरक है, हम इस लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर होंगे। भरत अनेक वर्षों से RILM के मुख्य प्रशिक्षक है और कमल इसके उपाध्यक्ष है।''

अगले हफ्ते दो अन्य योद्धा - वे चाहे जो कोई भी हो (2021-23 के रो ई निदेशक) इस कार्य में जुड़ेंगे। दो वर्षों के लिए मैं आपसे थोड़ा दूर रह सकता हूँ लेकिन मैं उन सभी के दिलों में रहूँगा जो साक्षरता के लिए काम करते है। मैं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हूँ, मैं आपसे वादा करता हूँ कि मैं साक्षरता के लिए काम करता रहूँगा।

और बदलाव लाएं, एक बार में एक कलम, एक किताब, एक शिक्षक, एक स्कूल।''

''चूंकि मंडलों में गवर्नर ही सभी चीजों को संचालित करते है, इसलिए क्लबों को निर्देश देना और लक्ष्य निर्धारित करना सुनिश्चित करें; यदि आप लक्ष्य निर्धारित नहीं करते है, तो संतोषजनक उपलब्धि हासिल नहीं की जा सकती।''

आशा किरण के लिए लक्ष्य-निर्धारण अभ्यास के दौरान, उन्होंने मंडलों के लिए 15,000 बच्चों को वापस स्कूल लाने के लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी, जिसे बहुत से डीजीयों ने 'बहुत कम' बताया था, और कहा कि हर एक मंडल इस रोटरी वर्ष के दौरान 1,000 बच्चों को वापस स्कूल भेजेगा।

रो ई निदेशक भरत पांड्या ने कहा कि साक्षरता की इस ''महान परिकलपना की कल्पना आठ वर्ष पूर्व PRIP कल्याण बेनर्जी द्वारा की गई थी, और मेहता ने इस परिकल्पना को साकार करने के लिए इसे उनका मिशन बना लिया है।'' TEACH के पाँच घटकों पर एक विस्तृत प्रस्तुति देने के बाद, उन्होंने क्लबों एवं मंडलों से RILM मॉड्यूल में स्थानीय भाषा को शामिल करने का आग्रह किया और यह सुनिश्चित किया कि इसमें 90 प्रतिशत एनीमेशन रखें क्योंकि इससे विद्यार्थी आकर्षित होते है और बेहतर अवरोधन, समझ एवं एकाग्रचित्तता लाने में मदद मिलती है। शिक्षकों को भी इन मॉड्यूलों से पढ़ाना आसान लगता है।

RILM की धन उगाहन समिति के सदस्यों के साथ RIPN शेखर मेहता और RID कमल संघवी।

RID भरत पांड्या, पाज़िटिव हेल्थ कमिटि के संदस्यों के साथ।

''पांड्या और मेहता दोनों ने रिपोर्टिंग की महत्ता पर ज़ोर दिया; बहुत से क्लब TEACH के विभिन्न घटकों पर उत्कृष्ट कार्य कर रहे है, लेकिन यदि इसे केंद्रीय RILM की वेबसाइट पर अपडेट ना किया गया, तो रोटरी द्वारा किए जाने वाले कार्य के सम्पूर्ण प्रभाव का फायदा सरकार, कॉर्पोरेट एवं अन्य साझेदारियों के लिए नहीं उठाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति के लिए दो घटकों की आवश्यकता है - युद्ध ना होना और समाज में शांति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ। ''दुनिया भर में अनुमानित 68.4 मिलियन शरणार्थियों में से, एक बड़ा हिस्सा उन देशों से है जहाँ साक्षरता का स्तर गिरा हुआ है। हिंसा से विश्व अर्थव्यवस्था को 14.7 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होता है।''

जबकि साक्षरता सभी युवाओं के भविष्य को खोलने की एक महत्वपूर्ण कुंजी है, ''मैं आपसे कन्याओं पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह करता हूँ। हमारी लड़कियों एवं महिला जनसंख्या के साथ भेदभाव हुआ है और इसे ठीक करने के लिए हमें कुछ उल्टे भेदभाव करने होंगे। एक लड़की के लिए सबसे अच्छा गहना एक हार या हीरा नहीं होता है बल्कि शिक्षा होती है क्योंकि इसमें ना केवल उसके जीवन को बल्कि उसके पूरे परिवार के जीवन को परिवर्तित करने की ताकत होती है,'' पांड्या ने कहा।

''एक सुशिक्षित कन्या बड़ी होकर एक अच्छी तरह सुविज्ञ स्वतंत्र व्यक्ति बनती है जो अपने स्वयं के जीवन, कैरियर और परिवार के बारे में फैसले ले सकती है।'' एक शिक्षित महिला जनसंख्या भारत के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

वह और संघवी दोनों ही गवर्नरों की मदद करने के लिए उनके साथ है ताकि अगले 10 महीनों में वे साक्षरता के पथप्रदर्शक बन सके। ''आइये हम सभी 2025 तक साक्षरता दर को 95 प्रतिशत के पार पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करें। इसे हासिल किया जा सकता है; साक्षरता भारत को प्रगति की राह पर ले जाएगी और इसे दुनिया के सबसे विकसित देशों में से एक बना देगी।''

रो ई निदेशक ने आगे कहा कि यह एक ऐसी परियोजना थी जिसमें सीएसआर निधि वाकई में कार्य करेगी; ''बच्चों की शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जो सभी के दिल के करीब होता है। 106 हैप्पी स्कूल करने के लिए उन्होंने रोटरी क्लब बैंगलोर, रोई मंडल 3190, की प्रशंसा की। कल्पना कीजिये कि एक अकेले क्लब ने इतना श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट कार्य किया है। शेखर और मैं दोनों ने ही उन स्कूलों का दौरा किया जिनसे 16,000 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुये है।'' क्लब ने ऐसा किसी भी वैश्विक अनुदानों के निधीयन के बिना अपने बूते पर ही किया; यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

मेहता ने आगे कहा: ''साक्षरता परियोजना के लिए आप भरत पण्ड्या का जोश देख सकते है; बेशक, वह हमारे मुख्य प्रशिक्षक रहे है, लेकिन राज की बात यह है कि माधवी (उनकी पत्नी) ने इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट की अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान 50 हैप्पी स्कूल किए थे!''

उन्होंने कहा कि कोई भी क्लब या मंडल जो स्कूल में एक पुस्तकालय की स्थापना करना चाहता है उसे RILM से संपर्क करना चाहिए और इससे उन्हें बढ़िया छूट पर किताबें प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, स्कूलों के नवीनीकरण के दौरान, जिन लोगों के सीमेंट, पाइप, स्टील, पैंट, सैनिटरी, स्कूल फर्नीचर, इत्यादि में व्यवसाय करने वाले कॉर्पोरेटों से संबंध है उन्हें RILM को सूचना देनी चाहिए, क्योंकि बड़े ऑर्डर पर बड़ी छूट मिल सकती है।

चित्र: रशीदा भगत

Asha Kiran Re-Ignited

38 District Governors from India have pledged to send 20,000 children back to school.

You also can...

1 Donate
Sponsor a child by donating Rs. 2,500/-

2 Nurture
RILM to enroll a child at an intermediary center and send him/her back to school

3 Care
Track your child's progress online at rotaryteach.org/myashakiranchild

Rotary India Literacy Mission

For program related query mail to **childdevelopment@rotaryteach.org**
For donation related query mail to **admin@rotaryteach.org**
www.rotaryteach.org | 033-2486 3434/ 70031 48401

द ग्रेट गंगा रन

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष शेखर मेहता ने हाल ही में 'ग्रेट गंगा रन' को हरी झंडी दिखाई और इसमें भाग लिया - ''जो जनता के बीच जल संरक्षण एवं नदी कायाकल्प के संबंध में जागरूकता पैदा करने'' हेतु भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 2,000 रोटेरियन, रोटरेक्टरों और इंटरेक्टर्स सहित 16,000 प्रतिभागियों ने 21 किमी, 10 किमी, 5 या 2 किमी की दूरी तय की। केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, युवा मामलों एवं खेल मंत्री किरेन रिजिजू, तथा जल शक्ति मंत्री रतन लाल कटारिया सहित कई अन्य सरकारी अधिकारियों ने इस दौड़ में भाग लिया।

दाएं से : आर DG दीपक गुप्ता, RIPN शेखर मेहता, PDG गण रमेश अग्रवाल, शरत जैन और DGN अशोक अग्रवाल ने रन में भाग लिया।

दाएँ से : NMCG के निदेशक राजीव रंजन मिश्रा, RIPN शेखर मेहता, PDG रमेश अग्रवाल, यु पी सिंह, मिनिस्ट्री ऑफ वाटर रिसोर्सेस के सचिव, रिवर डेवलपमेंट और गंगा रिजुवनैशन DG दीपक गुप्ता, PDG शरत जैन और DGN अशोक अग्रवाल ने रन में भाग लिया।

दिल्ली स्थित रोटरी क्लब अशोका, रो ई मंडल 3012 ने प्रतिभागियों के लिए रोटरी लोगो से सजी टी-शर्ट प्रायोजित की।

रोटरी 2017 के बाद से स्वच्छ गंगा पहल के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है, जब से पी आरआईडी सुशील गुप्ता, जो उस समय विन्स ग्लोबल के अध्यक्ष थे और पीआरआईडी पीटी प्रभाकर (तत्कालीन विन्स के उप अध्यक्ष) ने गंगा तथा अन्य नदियों को अत्यधिक प्रदूषण से बचाने के सरकार के मिशन को समर्थन देने हेतु एनएमसीसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। ■

एक रोटरी क्लब ग्रामीण छत्तीसगढ़ में हृदय सुधारने में मदद करता है

रशीदा भगत

1999 में, एम्स, दिल्ली से चार युवा और आदर्शवादी डॉक्टर, चिकित्सा सेवा के लिए एक ग्रामीण केंद्र की स्थापना के लिए बिलासपुर आए, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित अचानकमार वन क्षेत्र में, जिसके अंतर्गत कई आदिवासी गाँव हैं। उन्होंने बिलासपुर और अचानकमार के बीच गनियारी गाँव में ज़मीन लीज पर ली और जन स्वास्थ्य सहयोग (गडड) नामक एनजीओ की स्थापना कर एक अस्पताल बनाया। इसका प्राथमिक उद्देश्य वंचितों को बहुत सस्ती कीमत पर बढ़िया चिकित्सा सुविधा व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना था। समूह के प्रमुख डॉ रमन कटारिया, एक शिशु रोग सर्जन हैं।

''एक संरक्षक के रूप में जेएसएस इस क्षेत्र में वंचित आबादी की सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कई चुनौतीयां है, ये उनकी जरूरतों और स्वास्थ्य देखभाल कर रहा है,'' कहते हैं डॉ देवेंद्र सिंह, डी 3261 के रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर मिडटाउन के पूर्व अध्यक्ष और अपोलो अस्पताल में एक वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट। उनका कहना है कि नियमित रूप से, जेएसएस बहिरंग रोगी क्लीनिक (जझऊ) चलाता है और बहुत ही मामूली शुल्क, प्रति व्यक्ति केवल ₹10 ले कर - और अस्पताल में भर्ती मरीजों को बहुत ही सस्ती दरों पर सेवाएं प्रदान करता है। ''अपने खर्चे से प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य सेवा देने में तो वे सक्षम हैं, लेकिन जब रोगियों को तृतीय स्तर की चिकित्सा की आवश्यकता पडी तो डॉक्टर बहुत निराश हुए।''

ये निराशा और भी बढ़ गई जब उन्होंने देखा कि उनके शनिवार कार्डियक क्लिनिक में आने वाले बच्चे बड़ी संख्या में रूमेटिक हृदय रोग (आरएचडी) से ग्रस्त है। डॉ सिंह बताते हैं कि आरएचडी बीमारी एक संक्रमण की वजह से होती है जो सबसे पहले गले को प्रभावित करता है और यह अशक्त हृदय की स्थिति है, जो हृदय के वाल्वों को निशाना बनाती है, अंततः ''हृदय की क्षति का कारण बनता है जिससे हृदय फ़ेल हो जाता है और समय से पहले मृत्यु हो जाती है। इस से प्रभावित रोगियों में से अधिकांश को सहायक उपचार द्वारा ठीक किया जा सकता है, डॉ कटारिया ने पाया कि काफी बड़ी संख्या में लोगों को ये रोग था, जिन्हें हृदय शल्य चिकित्सा की तुरंत आवश्यकता थी,'' डॉ सिंह कहते हैं।

वाल्व प्रतिस्थापन

ऐसे रोगियों को सिंगल या डबल वाल्व लगाने की आवश्यकता होती है और हृदय शल्य चिकित्सा बहुत महंगी होने के कारण माता-पिता इसे वहन नहीं कर सकते, ''इनमें ज्यादातर ग़रीब किसान हैं या रोज़ मजदूरी करने वाले हैं और लगभग प्रत्येक व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहा है।''

जब जेएसएस के प्रमुख डॉ कटारिया ने डॉ सिंह के साथ इस दुविधा की चर्चा की, तो डॉ सिंह ने अमेरिका में कुछ भारतीय डॉक्टरों से संपर्क किया और टीआरएफ अनुदान की संभावना तलाशी।

परियोजना लाभार्थियों के साथ डॉ रामन कटारिया, शरद सक्सेना, डॉ देवेंद्र सिंह और सुश्मीत।

2013 से 2016 तक, अध्यक्ष के लगातार प्रयासों से, 45,000 डॉलर की एक मैचिंग ग्रांट परियोजना मूर्त रूप में परिणीत हुई। यह परियोजना रो क्लब ट्रांस अरपा बिलासपुर (तब से बंद है) और रो क्लब ऑरलैंडो इवनिंग रो ई मंडल 6980, यु.एस के संयुक्त प्रयासों से की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय भागीदार क्लब की पूर्व अध्यक्ष डॉ करुणा सभरवाल का पूरी प्रक्रिया को सहज बनाने में उनका अत्यधिक सहयोग रहा। ''इस पैसे से हमने इस क्षेत्र के 19 वंचित लोगों की कार्डियक सर्जरी की है,'' वे कहते हैं।

लेकिन इतना ही काफी नहीं था, इस क्षेत्र में ऐसी सर्जरी की आवश्यकता बहुत अधिक थी और हृदय संबंधी जटिल समस्याओं वाले कई जरूरतमंद रोगियों की मदद करने में, जेजेएस अकेले सक्षम नहीं था। ''तो एक बार मैचिंग ग्रांट हो जाने के बाद, 2017 की शुरुआत में, मैं सक्रिय रोटेरियनों के एक समूह के संपर्क में आया - रो क्लब लेक ब्यूना विस्टा फ्लोरिडा से रो ई फाउंडेशन की अध्यक्ष करुणा सभरवाल और भारतीय मूल के डॉ सतीश गोयल, एक प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, जैक्सनविले, फ्लोरिडा में रहते हैं''। आवेदन प्रक्रिया के दौरान उन दोनों ने बहुत सहायता की थी और उनकी वजह से एक वैश्विक अनुदान और मिल गया। मेजबान रो क्लब बिलासपुर मिडटाउन और अंतर्राष्ट्रीय प्रायोजक था रोटरी क्लब लेक ब्यूना विस्टा, फ्लोरिडा, यूएस, रो ई मंडल 6980 था। इस बार यह अनुदान 72,000 डॉलर का है और ''हमने इस अनुदान राशि से 50 कार्डियक सर्जरी करने की योजना बनाई थी। इसमें से 37 कार्डियक सर्जरी हो चुकी हैं।'' डॉ सिंह ने कहा।

बाएं से : संदीप पोद्दार, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ रामन कटारिया, शरद सक्सेना दो युवा लाभार्थियों - प्रहलाद और गौरी के साथ।

हर सप्ताह गडड के साप्ताहिक कार्डिएक क्लिनिक से इसके चिकित्सक डॉ वाई एस परिहार और उनकी टीम के द्वारा रोगियों को चुना जाता है। उनका साक्षात्कार किया जाता है और डॉ सतीश गोयल उनके जैक्सनविले कार्यालय से स्काइपे के माध्यम से इको कार्डिओग्राफी करते हैं। अंतिम चयन और परामर्श के बाद, मरीजों को जेएसएस स्वयंसेवकों के साथ रायपुर के संकल्प अस्पताल भेजा जाता है। वहां इस क्षेत्र के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ निशांत चंदेल द्वारा ₹1 लाख से कम की रियायती दर पर ऑपरेशन किए जाते हैं।

16 वर्ष की गौरी इन लाभार्थियों में से एक है (देखें चित्र), जिसे धड़कन के तेज़ चलनेऔर सांस लेने में तकलीफ होने के कारण स्कूल छोड़ना पड़ा। डॉ सिंह ने कहा, ''सर्जरी के बाद अब वह बिलकुल ठीक है और चार साल के अंतराल के बाद वो जल्द ही फिर से स्कूल जाएगी।''

प्रहलाद, 17 (देखें चित्र में) एक दिहाड़ी मजदूर का बेटा, जेएसएस द्वारा चलाए जा रहे एक क्लिनिक द्वारा सघन वन क्षेत्र से लाया गया था। उसे आरएचडी (रूमेटिक हार्ट डिजीज) थी और दो वाल्व बदलने की आवश्यकता थी, लेकिन गरीबी और दयनीय स्थिति के चलते वो ''सर्जरी नहीं करवा सकता था। ''हमारी टीम द्वारा की गई काउंसलिंग और आश्वासन देने के बाद कि हर चीज का ध्यान रोटरी और जेएसएस द्वारा ध्यान रखा जाएगा, उसका परिवार ऑपरेशन के लिए सहमत हो गया और अब वह सामान्य जीवन में लौट गया है। हालांकि, दुख की बात है, कि बीमारी से उसके पिता की मृत्यु दो हफ्ते पहले हो गई थी,'' डॉ सिंह ने कहा।

दो टीआरएफ अनुदान

''अगले छह महीनों में हम इस परियोजना को पूरा कर लेंगे। इन दोनों अनुदानों के माध्यम से, रोटरी ने वास्तव में रोगियों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है और उन्हें नयी ज़िंदगी मिली है। इसके अलावा, चूंकि इन रोगियों में बायोप्रोस्टेटिक वाल्व का उपयोग किया जाता है इसलिए उन्हें एंटीकोग्यूलेशन थेरेपी (थक्का रोधी उपचार) की आवश्यकता नहीं होती है।नियमित रूप से जेएसएस क्लीनिकों द्वारा उनकी देखभाल की जाती है,सब का स्वास्थ्य ठीक है और वे सभी सामान्य जीवन जी रहे हैं,'' डॉ सिंह ने कहा।

टीआरएफ अनुदान का महत्व बताते हुए, डॉ सिंह ने कहा, ''जब डॉ कटारिया ने मुझसे संपर्क किया और मैंने अमेरिका में हम दोनों के परिचित कुछ मित्रों से संपर्क किया तो वे मदद करने के लिए तैयार तो हो गए लेकिन केवल एक विश्वसनीय संस्था के माध्यम से। यही वह जगह है जहाँ रोटरी परिप्रेक्ष्य में आया था। हमारे साझेदार बहुत खुश हैं। पिछले पखवाड़े ही उन्होंने मानव तस्करी पर एक अमेरिकी परियोजना के लिए हमसे एक वैश्विक अनुदान प्रायोजित करने का अनुरोध किया है जिसमें वे अमेरिकी बच्चों को मानव तस्करी के खतरों के बारे में शिक्षित करेंगे। यह एक बहु-मंडल परियोजना है जिसके प्रायोजक क्लब हम हैं और उनके काम की ऑडिटिंग भी करेंगे!'' ■

गरीब लड़कियों के लिए कन्नम्मा सेनेटरी पैड लाए

वी मुत्तुकुमारण

सरकारी स्कूल की उन गरीब लड़कियों की दीन-दशा एवं पीड़ा के कारण जिनको मासिक-धर्म संबंधी स्वच्छता सुविधाओं की कमी के कारण कक्षाओं को मिस करना पड़ता था, उन्में से कुछ को स्कूल भी छोड़ देता पड़ता था, आरसी मद्रास से रोटेरियन सुगिरदा निशांथ रो ई मंडल 3232 ने अगस्त 2018 में *कन्नम्मा प्रोजेक्ट* का शुभारंभ किया। सुगिरदा निशांथ प्रोजेक्ट चेयरपर्सन कहती हैं - इसकी शुरूआत चेन्नई के पास के एक सरकारी हाईस्कूल, उथंडी में 82 लड़कियों को सेनेटरी पैड देने एवं नियमित रूप से मेडिकल चेक-अप करने के साथ हुई।

लड़कियों के साथ बातचीत के दौरान उनहें पता लगा कि वे मासिक-धर्म के दौरान सस्ते पैड की चाह में गंदे कपड़े, सूखी पत्तियां या घास और यहां तक कि राख व अन्य अपरिष्कृत विकल्पों का भी उपयोग करती थीं। वह याद करती हैं - ''यूरीनरी ट्रेक में इंफेक्शन के अलावा, असहाय लड़कियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के भी जोखिम से अवगत करवाया गया था। यह बहुत खराब स्थिति थी, उनको मासिक-धर्म के दौरान इस तरह के साधनों के उपयोग करने के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी नहीं थी।'' एक राज्य-स्तरीय कैरम के खिलाड़ी को एक नेशनल मीट छोड़नी पड़ी थी और कुछ टॉप स्कोरिंग गर्ल्स अपनी पढ़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाई थीं, सभी को उनके मासिक-धर्म के दौरान सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पैडों की आवश्यकता थी। *प्रोजेक्ट कन्नम्मा* 1,500 से अधिक स्कूली लड़कियों तक पहुंचा और उन्हें मुफ्त

दाएं सेः रोटरी क्लब मद्रास नार्थ के अध्यक्ष एम गणपती, RID कमल संघवी, DG जी चंद्रमोहन, PDG जी ओलिवन्नन, लेजिस्लेटर आर नटराज, PRID पी टी प्रभाकर, स्टेट बीजेपी जेनरल सचिव वानती श्रीनिवासन और प्राजेक्ट चेयर सुगीर्दा निशांत चित्र में शामिल हैं।

में सेनेटरी पैड प्रदान किए गए और उनको मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन (एमएचएम) पर रोटेरियन एवं विशेषज्ञों द्वारा दी गई मोटीवेशनल स्पीच को सुनाया गया।

अब कन्नम्मा पैड गरीब बस्तियों, झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली हजारों लड़कियों को वितरित किए जाएंगे। सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी के चांसलर मारियाजीना जॉनसन को धन्यवाद जिन्होंने 'पदमन' अरूणाचलम मुरूगनांथम से सेनेटरी पैड बनाने की मशीन खरीदने के लिए ₹3.5 लाख दान दिए हैं। डॉ एमजीआर-जानकी कॉलेज फॉर वूमेन के अध्यक्ष रोटेरियन कुमार राजेंद्रन वोकेशनल सेंटर को स्थापित करने के लिए स्थान प्रदान करेंगे।

''शुरूआत में यह सेंटर एक महीने में सिंगल शिफ्ट में 40,000 पैडों का उत्पादन करेगा। इसमें से, हमारा 8,000 पैडों (1,000 पैकेट) का मुफ्त वितरण करने का इरादा है। बाकी (32,000 पैड) पैड ₹25 प्रति पैक की सस्ते दर पर बेचे जाएंगे, 1 पैक में 8 पैड होते हैं।''

रो ई निदेशक कमल संघवी और रोटेरियन सुगिरदा निशांत वोकेशनल सेंटर में।

दिव्यांग लड़कियों के लिए जॉब

एक दिल को छूने वाले इशारे के साथ, रोई डायरेक्टर श्री कमल संघवी ने सभी 6 दिव्यांग लड़कियों को बुलाया जो सुनने और बोलने में असमर्थ थीं जो कि पैड बनाने वाली कंपनियों में नौकरी करती थीं, उन्हें डॉ एमजीआर जानकी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर वुमेन के परिसर में वोकेशनल सेंटर के उदघाटन के दौरान उनको उत्साहपूर्वक विशेष बैज लगाया। उन्होंने घोषणा की कि उनकी होम डिविजन (रो ई मंडल 3250) ऐसे दो पैड बनाने के सेंटर स्थापित करने के लिए 50 प्रतिशत की राशि को प्रायोजित करेगा यदि चेन्नई के रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ के द्वारा अपनाए गए मॉडल को स्वीकार करने के लिए तैयार हों। उन्होंने सुगिरदा से आग्रह किया कि वे लड़कियों के काम करना शुरू करने के बाद, सेंटर में कार्यरत लड़कियों की आजीविका की स्थिति के बारे में एक फीडबैक रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा - ''इस कॉलेज में अध्ययन करने वाली लड़कियों को भी सेंटर में वॉलेंटियर घंटों के दौरान रखना चाहिए और एक स्वस्थ्यप्रद समाज के लिए गरीबों को पैड वितरित करना चाहिए।''

अपने संबोधन में पी टी प्रभाकर ने कहा कि एमएचएम ग्लोबल WinS का एक प्रोजेक्ट है (अध्यक्षता उनके द्वारा की गई थी) जिसमें कि संघवी संपर्क निदेशक थे। ''अकेले चेन्नई में ही लगभग 100 टन कचरा दैनिक आधार पर कॉमर्शियल पैडों के द्वारा उत्पन्न किया जा रहा है और इसलिए लोगों की खपत के लिए पर्यावरण के अनुकूल, सुरक्षित और कम लागत के पैडों का उत्पादन करना महत्वपूर्ण है।''

उन्होंने संघवी से अनुरोध किया कि वे भारत में स्कूल जाने वाली लड़कियों के बीच मासिक-धर्म स्वच्छता की पहल के लिए कम से कम 100 रोटरी सेंटर में *कन्नम्मा प्रोजेक्ट* को दोहराएं। रो ई मंडल 3232 डीजी जी चंद्रमोहन ने कहा कि वोकेशनल सेंटर स्कूली लड़कियों के बीच रोटरी की पहुंच को और अधिक बढाएगा और उन्हें स्वच्छता समाधानों को प्रदान करेगा। उन्होंने चेन्नई के दूसरे कॉलेजों एवं संस्थानों में भी इसी तरह के आवश्यकता-आधारित वोकेशनल सेंटरों को स्थापित करने की संभावना की खोज करने के लिए क्लब से आह्वान किया।

पीडीजी जी ओलिव्नम (इस प्रोजेक्ट के सलाहकार), आर मद्रास नार्थ अध्यक्ष एन.गणपति मंदिराम, सचिव जॉन फ्रेडरिक, राज्य भाजपा के महासचिव वनाथी श्रीनिवासन, सेवानिवृत आईपीएस अधिकारी और विधायक आर नटराजन इस अवसर पर बोले।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

बॉक्स में मदद

टीम रोटरी न्यूज़

उत्तर कर्नाटक को इस वर्ष अगस्त की शुरुआत में भारी बारिश का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, हुबली-धारवाड़ के आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष पिछले 30 वर्षों के दौरान सबसे अधिक वर्षा हुई। ग्रामीण इलाकों के अधिकांश घरों में पानी भर गया था, जिसमें अलनवार तालुक इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ।

पीडीजी गणेश भट, रो ई मंडल 3170 ने कहा, ''हमें गिरी हुई झोपड़ियों और वहां के लोगों को देखकर काफी दुख हुआ, जो अपना जीवन छोड़कर बाकी सब कुछ खो चुके थे। उनके उदास चेहरे दिल दहला देने वाले थे।'' मंडल कार्यालय ने कार्रवाई शुरू की और डीजी डॉ गिरीश मसुरकर के नेतृत्व में 'रोटरी हुबली-धारवाड़ आपदा राहत कार्य बल' का गठन किया। 'इच वन, अडॉप्ट वन' के नारे के साथ जिला रोटेरियन द्वारा पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया गया। हुबली, धारवाड़ और गोकक के रोटेरियन ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी तथा ग्रामीणों की मदद हेतु धन और आवश्यक सामग्री जुटाई।

लाभार्थी के साथ PDG गणेश भट (बाएं) और DG गिरीश मसुरकर (दाएं)।

उन्होंने कहा, ''हमने आरसी कलकत्ता महानगर, रो ई मंडल 3291 को 100 शेल्टर किट का ऑर्डर दिया और वो चार दिनों के भीतर हमें मिल भी गया।'' स्थानीय मंडल आयुक्त, सहायक आयुक्त, तहसीलदार और नगर नियोजन सीईओ की मदद से अलनवार और गोकक गांवों के जरूरतमंद परिवारों की पहचान की गई और उन्हें किट वितरित किए गए।

बाढ़ के पानी से स्कूल जाने वाले बच्चों की किताबें और बैग बर्बाद हो गए थे। ''इसलिए हमने 'रिटर्न टू स्कूल' के नारे के साथ रोटेरियन से वर्दी, जूते, स्टेशनरी और स्कूल बैग इकट्ठा किए और उन्हें इन गांवों के बच्चों को वितरित किया।'' ■

DG गिरीश मसुरकर और PDG गणेश भट कुछ रोटेरियनों के साथ एक बाढ़ प्रभावित घर का सर्वे लेते हुए।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी संस्थान (भारत) पुरस्कृत

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय के सीएसआर दल ने रोटरी के पोलियो उन्मूलन प्रयासों के लिए यूबीएस फोरम्स में रोटरी संस्थान (भारत) का नाम दिया है। हमें यह बताते हुये खुशी हो रही है कि रोटरी संस्थान (भारत) ने दो वर्गों - 'सबसे समर्पित एनजीओ' और अगस्त में नई दिल्ली में आयोजित हुये कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी समिट एंड अवार्ड्स 2019 में 'एनजीओ ऑफ दी इयर' - पुरस्कार जीते है।

यूबीएस संगोष्ठियों का लक्ष्य पैनल चर्चाओं, मामलों के अध्ययनों, सर्वोत्तम प्रथाओं और विचार-विमर्श सत्रों के एक आदर्श मिश्रण के माध्यम से प्रतिभागियों को पारंपरिक एकतरफा सूचना प्रवाह के विपरीत सक्रिय रूप से संलग्न करके व्यक्तियों एवं उद्योगों में परिवर्तनकारी नेतृत्व को विकसित करने का है।

अगस्त 2019 तक 2019-20 के एकेएस सदस्य - नीरव शाह और देवीना (रो ई मंडल 3141) और ए के नातेसन और पार्वती (रो ई मंडल 2982)। वे ट्रस्टीस सर्कल के सदस्य है।

2019-20 अनुदान संचयन लक्ष्य

2019-20 का आरएफ़आई का अनुदान संचयन लक्ष्य 30 मिलियन डॉलर का है। वर्तमान वर्ष में रोटरी भारत में उसकी मौजूदगी के 100 वर्ष पूरा करेगी।

प्रमुख - TRF संजय परमार और वरिष्ठ कार्यक्रम सहयोगी भावना वर्मा ने, निसान इंडिया के संचार प्रमुख और कॉर्पोरेट मामलों और CSR के तज्ञ, अभिषेक महापात्रा द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया।

व्यक्तिगत जानकारी के लिए रोटरी की गोपनीयता एवं सुरक्षा नीति

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय और दी रोटरी फ़ाउंडेशन (व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से, "रोटरी") ने निजी जानकारी के संग्रहण, उस तक पहुँच और उसके अवधारण के नियंत्रण के लिए गोपनीयता नीति को अपनाया है। इस नीति के निम्न उद्देश्य है:

- इस बात को परिभाषित करना कि इस नीति के लिए व्यक्तिगत जानकरी में क्या शामिल है।
- इसकी संवेदनशीलता के आधार पर जानकारी के विविध वर्गों का निर्धारण करना।
- व्यक्तिगत जानकारी के संग्रहण, पहुँच, सहभाजन और संचयन के लिए न्यूनतम आवश्यकताओं का निर्धारण करना।
- व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षा भंजन की सूचना देने के लिए प्रक्रिया का निर्धारण करना।
- व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करना।

यह नीति रोटरी के कर्मचारियों, ठेकेदारों, विक्रेताओं, आकस्मिक कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, और अन्य लोगों पर लागू होती है जिनके पास व्यक्तिगत जानकारी तक पहुँच है या दी गई है। व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता, अखंडता और सुरक्षा को बरकरार रखने में मदद करने की ज़िम्मेदारी हम सभी की है। जिन लोगों की इस जानकारी तक पहुँच है उनसे अपेक्षित है कि वे इस नीति से परिचित हो एवं इसका अनुपालन करें। रोटरी की गोपनीयता नीति पर अधिक जानकारी https://my.rotary.org/en/privacy-policy पर प्राप्त की जा सकती है।

एफ़सीआरए-पंजीकृत रोटरी इकाइयां

पूर्व में, दानकर्ताओं की उदारता के कारण, रोटरी संस्थान (भारत) के पास भारतीय मुद्रा में पर्याप्त राशि थी जिससे कि RF(I)-INR खाते से TRF अनुदानों का वितरण हो सका। क्षेत्र की पोलियोप्लस गतिविधि के साथ-साथ पूर्व वर्ष 2017-18 की तुलना में हम 2018-19 में भारत में अधिक दान देने की स्थिति में थे। जबकि हम अनुदान गतिविधियों में आई इस वृद्धि को देखकर प्रसन्न थे, इसका मतलब यह भी था कि हमने RF(I)-INR कोष का इस्तेमाल अपेक्षा से काफी तेज़ी में किया था।

हम उम्मीद करते है कि पिछले वर्ष के मुक़ाबले इस वर्ष (2019-20) में अनुदान भुगतानों की संख्या में काफी उछाल आ सकता है। निधीयन में आने वाले संभावित अंतर को पूरा करने के लिए, RF(I) ने FCRA पंजीकृत मंडलों/क्लबों को RF(I)-FCRA खाते से अनुदान वितरित करने का निर्णय लिया है।

इसलिए, FCRA पंजीकृत मंडलों एवं क्लबों को रॉय जॉन को roy.johnrotary.org पर अपने FCRA पंजीकरण और नवीनीकरण प्रमाण-पत्रों को भेजकर शीघ्र अनुदान भुगतानों को सुनिश्चित करना चाहिए।

दी लर्निंग सेंटर

प्रतिभागी अब आभासी बैज अर्जित कर सकते है और किसी भूमिका या विषय पर पाठ्यक्रमों की एक श्रंखला लेने के लिए एक सीखने की योजना का पालन कर सकते है।

उदाहरण के लिए, प्रत्येक क्लब अधिकारी की भूमिका के लिए अब सीखने की एक योजना है जिसमें अपडेटेड सामग्रियाँ और नियमावलियाँ शामिल है। लर्निंग सेंटर में क्लब अध्यक्ष उनकी भूमिका के लिए एक नियमावली देख पाएंगे। आप जो जानना चाहते है उसे आसानी से खोजा और सीखा जा सके। सुनिश्चित कीजिये कि क्लब अधिकारी इन नए संसाधनों से परिचित हो पाएं - क्लब प्रेसिडेंट बेसिक्स; क्लब सेक्रेटरी बेसिक्स; क्लब ट्रेशरर बेसिक्स; क्लब मैम्बरशिप कमेटी बेसिक्स; क्लब एड्मिनिस्ट्रेशन कमेटी बेसिक्स; क्लब पब्लिक इमेज कमेटी बेसिक्स; क्लब सर्विस प्रोजेक्ट्स कमेटी बेसिक्स; और क्लब रोटरी फ़ाउंडेशन कमेटी बेसिक्स।

आप तेजी से नई साइट rotary.org/learn को देख सकें।

यहाँ पर कुछ पाठ्यक्रम है जिन पर विचार किया जाना चाहिए - रोटरी क्लब सेंट्रल रिसौर्सेस जिसमें वीडियो एवं लक्ष्यों को निर्धारित करने एवं प्रचलनों को समझने के लिए मार्गदर्शिकाएँ है; और सदस्यों की भर्ती एवं क्लबों को सुधारने हेतु नई रणनीतियों को प्रोत्साहित करने के लिए मैम्बरशिप पाठ्यक्रम। ■

रोटरी क्लब उडुपी मणिपाल के 60 वर्ष पूरे

जयश्री

रोटरी क्लब उडुपी मणिपाल, रो ई मंडल 3182 के डायमंड जुबली सेलिब्रेशन में रो ई मंडल 3181 एवं 3182 के पूर्व तथा सेवारत राज्यपालों और कई अन्य रोटेरियन व उनके परिवारों को संबोधित करते हुए पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने कहा, ''मुझे 10 वर्ष बाद मणिपाल में वापस आकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। रोटरी का संबंध किसी शक्ति या पद से नहीं है। यह तो एक सेवा है, जो हम मानवता के प्रति करते हैं और मैं क्लब के प्रत्येक रोटेरियन को इन 60 वर्षों में आपके द्वारा समाज में लाए गए इस शानदार परिवर्तन हेतु बधाई देता हूं। उन्होंने क्लब से युवा सदस्यों तथा महिलाओं को शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम ऐसे सशक्त युवा सदस्यों को क्लब में शामिल करना चाहते हैं, जिनमें तेजी से आगे बढ़ने तथा रोटरी को एक आदर्श के रुप में मानने की इच्छा शक्ति हो। महिलाएं भी आगे बढ़ रही हैं, पुरुषों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, और आमतौर पर वो अभी तक काफी बेहतर काम कर रही हैं।''

इस विशेष वर्ष के उपलक्ष्य पर क्लब की ओर से स्कूलों को ₹8.8 लाख की ई-लर्निंग किट तथा 120 वंचित महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गई हैं। मणिपाल के अजीवनगर उच्च प्राथमिक विद्यालय में अवसंरचना सुविधाओं में सुधार किया गया है। डायमंड जुबली क्लब के अध्यक्ष अमित अरविंद ने कहा, ''हमारे क्लब से पांच राज्यपाल हुए हैं। हमने दो पहलूओं साक्षरता तथा थळपड को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित किया है, जो बच्चों तथा समुदाय में बड़ा परिवर्तन लाएंगे।''

PRIP कल्याण बेनर्जी ने IPDG अभिनंदन शेट्टी, ईवेंट चेयर PDG एच शांताराम, IPP अमित अरविंद और DGE बी राजाराम भट की उपस्थिति में डायमंड जयंती समारोह का उद्घाटन किया।

IPP अमित अरविंद, रोटरी क्लब उडुपी मणिपाल के सदस्यों के साथ, क्लब की डायमंड जुबली के अवसर पर एक शारीरिक रूप से अक्षम महिला को व्हीलचेयर प्रदान करते हुए।

कार्यक्रम के चेयरमैन पीडीजी डॉ एच शांताराम ने पिछले कई वर्षों में पूरी हुईं क्लब की उल्लेखनीय परियोजनाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। मणिपाल कोऑपरेटिव सोसाइटी में निर्मित रोटरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्कूली बच्चों के लिए वरदान रहा है। 2005 में शिरडी कैंसर अस्पताल में बनाये गए रोटरी सेन्टनेरी वार्ड, मणिपाल में स्थित कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज के नेत्र विज्ञान विभाग को दान दिए गए उपकरण और उडुपी के जिला सरकारी अस्पताल में तपेदिक के निदान हेतु ₹25 लाख की एक जीन विशेषज्ञ मशीन हेल्थकेयर की दिशा में क्लब द्वारा की गई कुछ परियोजनाएं हैं। इसके अलावा, क्लब ने स्कूलों में शौचालय, वॉश स्टेशन तथा वाटर प्यूरीफायर की दान किए हैं और हाई स्कूल के छात्रों के लिए एटलस व डिक्शनरी वितरित की है।

अरविंद ने कहा कि, ''हमारे प्रत्येक सदस्य ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की मदद और रोटरी के 'रीबिल्ड कोडागु प्रोग्राम' के लिए काफी मेहनत की है।''

डीजी बी एन रमेश ने क्लब के अध्यक्ष राजवर्मा अरिगा और सचिव श्रेषा हेगड़े से आग्रह किया कि वो क्लब को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और याद दिलाया कि कैसे गीता कौशिक ने अपने अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान 33 पुरस्कार जीते थे। उन्होंने कहा, ''अगर क्लब बढ़ता है, तो रोटरी बढ़ती हैं। योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित करें। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आप अवश्य सफल होंगें।'' ■

रोटेरियन की आचार संहिता

यह रोटेरियन की अद्यतन की हुई आचार संहिता है; जिसमें जनवरी 2019 से अंतिम पहलू को शामिल किया गया है।

रोटेरियन के रूप में, मैं:

- अपने व्यक्तिगत तथा पेशेवर जीवन में ईमानदारी व उच्च नैतिक मानकों के साथ काम करूंगा।
- दूसरों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करूंगा और उनके तथा उनके व्यवसायों के प्रति सम्मान रखूंगा।
- रोटरी के माध्यम से मैं अपने पेशेवर कौशल का उपयोग: युवाओं को सलाह देने, विशेष जरूरतों वाले लोगों की मदद करने, और मेरे समुदाय तथा दुनिया के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने हेतु करूंगा।
- ऐसे व्यवहार से बचकर रहूंगा जिनका रोटरी या अन्य रोटेरियन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो।
- रोटरी की बैठकों, कार्यक्रमों और गतिविधियों में उत्पीड़न-मुक्त वातावरण बनाए रखने में मदद करूंगा, किसी भी संदिग्ध उत्पीड़न की रिपोर्ट करूंगा, और उत्पीड़न की रिपोर्ट करने वाले व्यक्तियों के प्रति प्रतिशोध या बदले की भावना न हो, यह सुनिश्चित करने में मदद करूंगा। (जनवरी 2019 चींस., इव. दिसंबर 119)

स्रोत: COL 89-148; Amended by May 2011 Mtg., Bd. Dec. 204; September 2011 Mtg., Bd. Dec. 87; October 2013 Mtg., Bd. Dec. 31; January 2014 Mtg., Bd. Dec. 88; October 2014 Mtg., Bd. Dec. 60; January 2019 Mtg., Bd. Dec. 119

© rotary.org

रोटरी क्लब हैदराबाद द्वारा
बच्चों को ल्यूकेमिया से बचाना

टीम रोटरी न्यूज

रोटरी मंडल 3150, रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के रोटेरियनों ने शहर के बसवतारकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट को जून के अंतिम सप्ताह में एक साइकोमीटर दान दिया। चिकित्सा उपकरण का उपयोग 'एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया' (एएलएल) के निदान के लिए किया जाएगा जिसे बच्चों में, साधारण भाषा में ब्लड कैंसर कहा जाता है। अस्पताल सलाना लगभग 12,000 कैंसर रोगियों का इलाज करता है। डीजी (2018-19) रमेश वंगाला ने सेंटर में इस सुविधा का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब हैदराबाद डेक्कन के IPP उदय पिलानी के साथ IPDG रमेश वंगाला साइटोमीटर उपकरण के उद्घाटन पर।

₹66 लाख के लागत वाले इस प्रोजेक्ट को आरसी नेपरविले, रोई मंडल यूएसए और टीआरएफ के सहयोग से संपन्न किया गया। उदय पिलानी, आईपीपी, आरसी हैदराबाद डेक्कन ने कहा कि साइकोमीटर सेवा, जिसको कहीं दूसरी जगह स्थापित करने की लागत ₹25,000 आती है, उसको पिछड़े एवं गरीब परिवारों के बच्चों के लिए नि:शुल्क किया जाएगा।

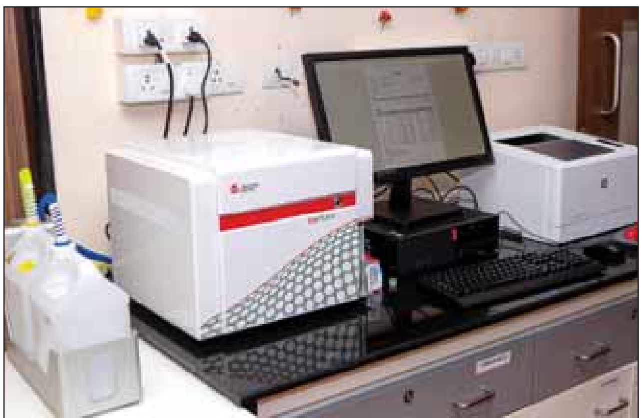

बसवतारकम कैंसर अस्पताल में स्थापित साइटोमीटर उपकरण।

यह प्रत्येक बच्चे में डिसआर्डर की सीमा के आधार पर, डॉक्टरों को दवा की सही खुराक को निर्धारित करने में मदद प्रदान करेगा।

स सुविधा का उपयोग एमएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी और रीजनल कैंसर सेंटर के द्वारा भी किया जाएगा जो कि एकमात्र रेफरल अस्पताल है जो तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक राज्य में बच्चों के ल्यूकेमिया का इलाज करता है। सेंटर मेडिकल ऑन्कोलॉजी और पैल्लीएटिव केयर सर्विस को गरीबी रेखा से नीचे आने वाले सभी रोगियों को नि:शुल्क प्रदान करता है। प्रति वर्ष 10,000 से अधिक नए कैंसर रोगी पंजीकृत किए जाते हैं और 1,10,000 रोगी फॉलोअप के लिए आते हैं, साल में कुल लगभग 1,20,000 मरीज तक आते हैं।

पिलानी ने कहा - "हमने हैट्रिक लगाई है," यह बताते हुए कहते हैं कि यह पिछले तीन वर्षों में क्लब की तीसरा ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट है। पहला ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट, महावीर डायलिसिस सेंटर और सिंकदराबाद में गुरूनानक मेडिकल सेंटर में 12 बिस्तरों वाला डायलिसिस सेंटर था जिसकी लागत ₹1.18 करोड़ थी और इसके दूसरे प्रोजेक्ट में, हैदराबाद के चल्ला अस्पताल में रोटरी ब्लड बैंक को ₹68 लाख की लागत से अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड कलैक्शन वैन प्रदान करके बेहतर बनाया। ■

DYNAMIC THERMOPACK INDUSTRIES

Plot No.B-35(A2) RIICO Indl.Area Khushkhera Distt.Alwar (Raj.)
Mobile No. 9928860684, 9785505151,
Email: dynamic.thermopack@gmail.com

Manufacturers : All Kinds of Thermocol products Thermocol Molding,Thermocol hand molding,Thermocol Sheets, Thermocol Pipe Section,Thermocol Cut Chips, Thermocol Beads,Thermocol Blocks,Thermocol Boxes,etc.

AUTOMATIC M/C PRODUCTION

PRODUCTION

SEMI AUTO MACHINE

FINISHED ITEMS AFTER PACKING

BLOCK MOULD

BLOCK

आरआईडी 3232 सशस्त्र बलों के शहीदों को सलाम करता है

वी मुत्तुकुमारण

बाएं से : रोटरी क्लब मद्रास बे सिटी के अध्यक्ष सुरेश कृष्णस्वामी, अन्ना यूनिवर्सिटी वैस-चान्सलर एम के सूरप्पा, PDG आईएसएके नाज़र, DG जी चंद्रमोहन और रूस कौन्सिल जेनरल ओलेग एन आवडीव।

मद्रास बे सिटी के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3232, ने हाल ही में चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में एक ऑल फेथ मेमोरियल सेवा आयोजित की। स्मारक सेवा जो निरंतर आठवें वर्ष आयोजित की जा रही है, के आयोजन के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डीजी चंद्रमोहन ने कहा, ''इस सम्मान समारोह के माध्यम से, हम अपने सैनिकों के सर्वोच्च बलिदानों का संदेश नागरिकों, विशेषकर युवाओं तक पहुंचा रहे हैं, और सेवारत अधिकारियों और बुजुर्गों को आश्वस्त करते हैं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।'' उन्होंने एनसीसी कैडेट्स, छात्रों और संकायों द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम की मेजबानी के लिए अन्ना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम के सुरप्पा को धन्यवाद दिया।

माल्यार्पण के उपरांत अपना संबोधन देते हुए, रियर एडमिरल के जे कुमार, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, तमिलनाडु और पुदुचेरी नवल क्षेत्र, ने कहा कि रक्षा बलों के सैनिक और अधिकारी विविध पृष्ठभूमि से आते हैं और ''अटूट कर्तव्य-निष्ठा'' दर्शाते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को युवाओं के बीच देशभक्ति की भावना जगाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना होगा जिसके माध्यम से समुद्र या हवा में देश की सीमाओं पर सैनिकों और कर्मियों के कठिन कार्यों को रेखांकित किया जा सके।

कुमार ने मीडिया को सशस्त्र बलों की वीरता को चित्रित करने और ''विवादास्पद मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाए उनकी वीरता का जश्न मनाने का आह्वान किया, क्योंकि ऐसा करने से युवाओं को रक्षा सेवाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा।''

वाइस एडमिरल बी कन्नन, सीईओ, लार्सन एंड टुब्रो शिपबिल्डिंग, ने दिल्ली में इंडिया गेट के पास नए उद्घाटन किए गए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का जिक्र करते हुए कहा, ''जब आप शिलालेख पर देश की आजादी के बाद से अनेक युद्धों के दौरान शहीद हुए 25,000 से अधिक सैनिकों के नामों को पढ़ेंगे तो आपके गला भर आएगा और आँखों में आँसू भर जाएंगे।''

संस्थान के पूर्व छात्र एस क्रिस्टोफर ने डीआरडीओ के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा, ''बहुत से लोग उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को नहीं जानते हैं जिनमें हमारे सशस्त्र बल हमारे देश की रक्षा के लिए दिन-रात लगे रहते हैं।'' उन्होंने कहा कि लेह में अधिक ऊँचाई पर स्थित सैन्य प्रयोगशाला में उन्हें साँस लेने में कठिनाई हो रही थी, ''लेकिन हमारे सैनिक इन ऊंचाईयों पर विलक्षणता देश-भक्ति के साथ कार्य करते रहते है।'' विजाग से एक पनडुब्बी द्वारा मिसाइल परीक्षण करने से लेकर एक एडब्ल्यूएसीएएस विमान में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की फिटिंग तक, मुझे पहुंचने में बहुत कठिनई हुई, ''मुझे स्थान पर पहुँचना और खुद को सामान्य करना अत्यंत कठिन प्रतीत हुआ।''

कमोडेर के पी रामचंद्रन, आईपीपी, रोटरी क्लब मद्रास बे सिटी, ने स्मारक सेवा के उद्घोषक का कार्य किया और क्लब के अध्यक्ष सुरेश कृष्णस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चेन्नई आईटी सिटी, मद्रास सेंट्रल आदित्य, चेन्नई स्पॉटलाइट, अन्ना नगर आदित्य, चेन्नई प्रेस्टीज और मद्रास वाडपलानी के रोटरी क्लबों ने इस कार्यक्रम की सह-मेजबानी की। आयोजन में लगभग 250 एनसीसी कैडेट और छात्रों के साथ पीडीजी इस्सा नजर, क्लब अध्यक्ष और रोटेरियन उपस्थित थे। रूसी महावाणिज्यदूत ओलेग एन एव्दिव और जापानी महावाणिज्य दूत कोजिरो उचियामा विशेष आमंत्रित सदस्य थे।

बहुत से लोग उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को नहीं जानते हैं जिनमें हमारे सशस्त्र बल हमारे देश की रक्षा के लिए दिन-रात लगे रहते हैं।

सामाजिक वानिकी

डीजी चंद्रमोहन ने सामाजिक वानिकी योजना के उद्घाटन के अवसर पर परिसर में पौधे लगाए, जिसमें गेटेड कम्युनिटीज और संस्थानों में पेड. लगाना शामिल हैं। कृष्णास्वामी ने कहा, ''हमने शुरूआत करते हुए कैंपस में 20 पौधे लगाए हैं और उनका उचित रखरखाव सुनिश्चित करेंगे। यह ग्रीन ड्राइव हमारे आरओओटीएस (रोटरी द्वारा आयोजित वृक्षों के स्वामित्व की प्रणाली) परियोजना का हिस्सा है और आशा है, मानसून के बाद भूजल स्तर के रिचार्ज होने के बाद यह कार्य तेजी से संपन्न हो सकेगा।'' ■

पनवेल में एक ईनटी कैंप में नन-सर्जिकल सॉल्यूशन को प्रदान किया

टीम रोटरी न्यूज

रोटरी क्लब पनवेल एलीट ने हाल ही में एक ईएनटी स्क्रीनिंग और ट्रीटमेंट कैंप का आयोजन किया जो पटवर्धन अस्पताल में उसके निरंतर वर्षों में तीसरा कैंप था। कैंप को आरएसएस जनकल्याण समिति की साझेदारी में किया गया था। क्लब के अध्यक्ष रीतेश मुणोत ने कहा कि - रोटरी क्लब जयपुर ईस्ट के डॉ प्रकाश गोलेचा ने मरीजों की जांच करके इस प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक रूप से पूरा करने और एक महत्वपूर्ण स्तर तक ले जाने में हमारी मदद की। वह चीज जिसने इस कैंप को किसी अन्य कैंप से अलग बनाया वह यह था कि इस कैंप में सभी उपचार सर्जरी के बिना किया गया था और उसी स्थान पर किया गया था।''

इस कैंप की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए जिसमें 150 लोग शामिल हुए थे, श्री मुणोत ने कहा कि 95 साल के रोगी जो बहरेपन से पीड़ित थे उन्होंने ऑन दा स्पांट (उसी स्थान पर) ही अपने बहरेपन में महत्वपूर्ण सुधार महसूस किया। ''एक अन्य महिला मरीज ने सर्जरी के बिना ही अपने ईयर-ड्रम को सही पोजीशन पर रखा गया और जिससे उस महिला मरीज का सुनने की संवेदना वापस आ गई, इससे पहले वह कुछ नहीं सुन पाती थी।''

उन्होंने बताया कि आमतौर पर कान के एक ईयर-ड्रम के प्लेसमेंट करवाने की कीमत लगभग ₹50,000 है, लेकिन हम बिना किसी चीरा लगाए या सर्जरी के, निशुल्क रूप से इस प्रक्रिया को प्रदान करने में समर्थ हुए थे। एक क्लब के रूप में यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'' ■

With best compliments from

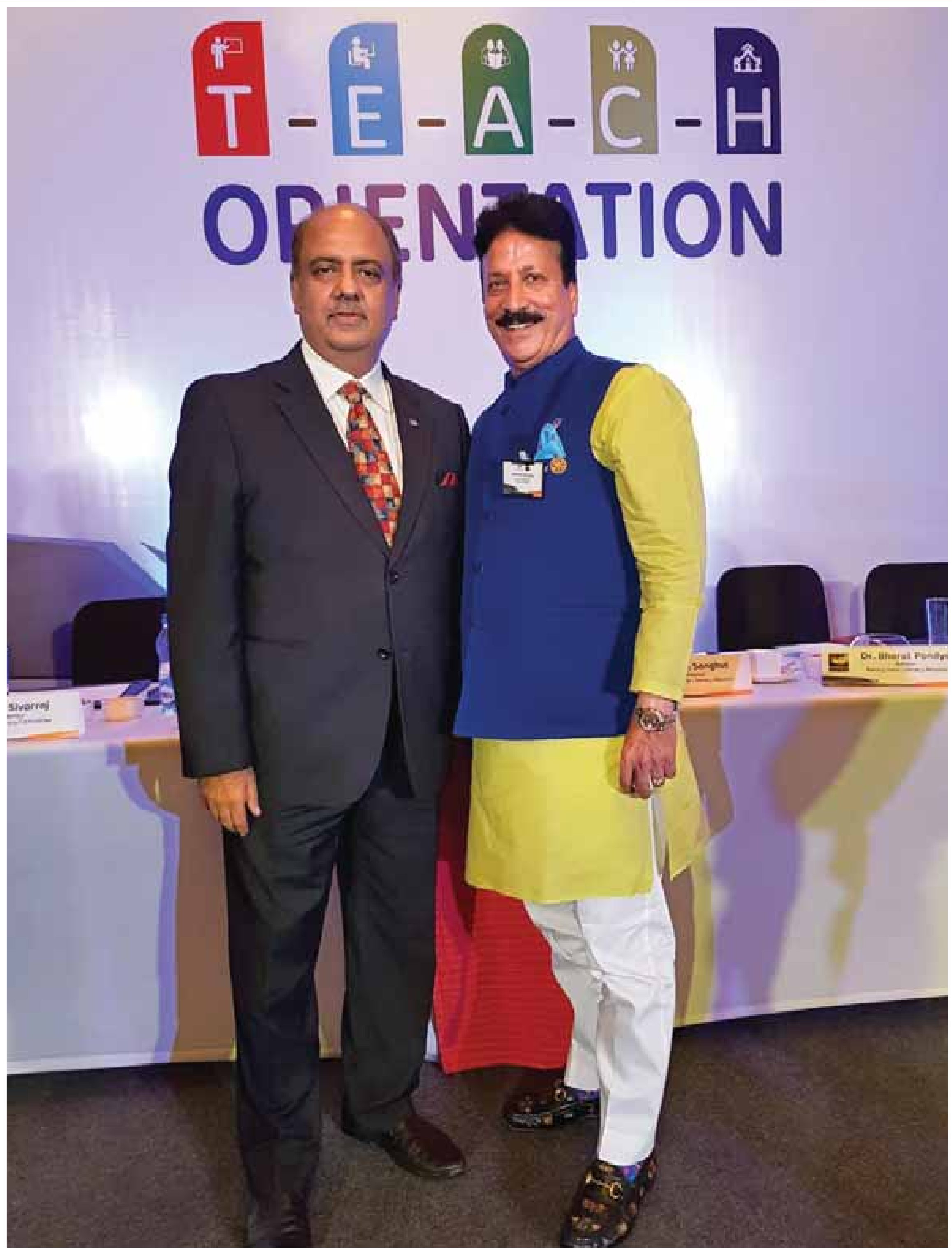

Jitendra Dhingra

District Governor, RID 3080

HONOLULU HAWAII 2020

अच्छे पड़ोसी

हैंक सार्टिन

जब आप 6 से 10 जून तक होनोलूलू में होने वाले रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने की योजना बनाएँगे, तो अपनी यात्रा में कुछ दिन अतिरिक्त जोड़कर ओहाऊ के अलावा इसके नजदीकी द्वीपों को देखने पर भी विचार करें।

कवई में, प्रकृति प्रेमी नापाली कोस्ट स्टेट पार्क (चित्रित) के प्रेम में पड़ जाएंगे। पाली का मतलब है चट्टान, और वहाँ पर तट के किनारे घाटियों में झरनों के साथ आपको अनेक रोमांचकारी चट्टानें देखने को मिलेंगी। आपको ये तट जुरासिक पार्क फिल्म जैसे प्रतीत होंगे, इस फिल्म श्रंखला के कुछ भागों की शूटिंग यहाँ हुई थी।

मावी में, आप हाना हाइवे पर ड्राइव कर सकते है, जो उत्तरी तट में काहुलुई से निकलकर छोटे शहर हाना से होते हुये कीपहुलु तक जाने वाला एक 64 मील का रास्ता है। रास्ते में 600 से अधिक ढलवां मोड़ है और 46 एक लेन के पुल है। यदि आप अपना पूरा ध्यान भूदृश्यों पर केन्द्रित करना चाहते है, तो आप एक टूर बस में चढ़कर ड्राइविंग की चिंता किसी और के भरोसे छोड़ सकते है।

और बिग आइलैंड पर, आप हवाई वोल्केनोस नेशनल पार्क में प्रकृति की अपरिष्कृत शक्ति को देख सकते है। पार्क में ज्वालामुखियों पर अपडेट के लिए *nps.gov/havo* पर जाइए। जब आप बिग आइलैंड पर हो, तो कॉफी का उत्पादन करने वाले कोना क्षेत्र को देखने जाइए जहाँ पर आप आपके सुबह के कॉफी के कप के पीछे होने वाली सावधानीपूर्वक खेती को देख सकते है। बहुत से कॉफी के खेत वहाँ की सैर उपलब्ध करवाते है, और पूरी तरह से प्रक्रिया को समझने के लिए एक से अधिक सैर अवश्य करना चाहिए।

होनोलूलू में होने वाले 2020 रोटरी सम्मेलन में आने से मत चूकिए। बचत करने के लिए 15 दिसंबर तक *riconvention.org* पर पंजीकरण कीजिए।

विकलांग बच्चों के घर के लिए पानी

टीम रोटरी न्यूज़

वॉयस ऑफ द वर्ल्ड होम में DG मुकुल सिन्हा (बाएं) ओर और रोटरी क्लब रवीन्द्र सरोबर के अध्यक्ष ऋत्विक गंगूली।

कोलकाता के सलीघाट में भिन्न प्रकार के विकलांग बच्चों के लिए एक घर मे डीजी मुकुल सिन्हा ने रोटरी क्लब ऑफ रवीन्द्र सरोबर, रो ई मंडल 3070 द्वारा स्थापित एक गहरे नलकूप (दीप वेल) का उद्घाटन किया। 300 बच्चों और वयस्कों का यह परिसर पानी की कमी से ग्रस्त है। वॉइस ऑफ द वर्ल्ड, एक एनजीओ है यह जो घर चलाती है, उसने मदद के लिए क्लब से संपर्क किया। ईस्ट इंडिया रोटरी वेलफेयर ट्रस्ट और, आर सी सेंट्रल मेलबॉर्न ऑस्ट्रेलिया, आर आई डिस्ट्रिक्ट 9500 के समर्थन की मदद से क्लब ने ₹1,43,000 की कुल लागत पर दीप वेल स्थापित किया। ■

सूखा ग्रस्त मराठवाड़ा में रोटरी क्लब उमरगा का जल संरक्षण अभियान

रशीदा भगत

रशीदा भगत

रोटेरियनों और किसानों के साथ एक निर्जन धारा के पास पडीजी राजीव प्रधान (सातवाँ बाएं से) PDG दीपक और सुचेता पोफले और रोटरी क्लब उमरगा के पूर्व अध्यक्ष संजय आस्वाले चित्र में शामिल हैं।

आकाश में बादल मंडरा रहे हैं और रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी हो रही है, महाराष्ट्र के सोलरपुर से हम एक छोटे शहर उमरगा की ओर बढ़ रहे हैं, 2015-16 के दौरान रो ई मंडल 3132 के अध्यक्ष दीपक पोफले ने उमरगा और आस-पास के गांवों में जल प्रबंधन क्षेत्र में एक छोटी सी क्रांति की शुरुआत की थी।

रोटरी क्लब उमरगा के सदस्य पोफले, क्लब के अन्य रोटेरियन और उसी मंडल के PDG राजीव प्रधान के साथ, हम इस क्लब द्वारा सूखा प्रभावित क्षेत्र में की गई जल संरक्षण परियोजनाओं को देखने निकल पड़े। यह जुलाई का मध्य चल रहा है, एक तरफ जहां मुंबई और पुणे में मानसूनी बारिश जम कर हुई है, मराठवाड़ा बेल्ट के इस क्षेत्र में इस बार फिर से मानसून की कमी की आशंका विकराल हो रही है।

1993 में लातूर और उस्मानाबाद में आये विनाशकारी भूकंप के बाद, भारतीय रोटेरियनों ने सालेगांव के रोटरी नगर गाँव की नींव रखी थी, यहाँ करीने से बनाये गए घर रोटरी की सामुदायिक सेवा के साक्षात प्रमाण हैं, इस पर एक सरसरी नज़र डालने के बाद, रो क्लब उमरगा और मंडल के अन्य क्लब के सदस्यों द्वारा की गई कड़ी मेहनत से किये गए कार्य देखने के लिए हम दो गाँवों बेलसूर और कारडोरा में रुकते हैं, जो पोफले के नेतृत्व में शुरू किये गए थे और जो 2016 में उनके डीजी कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी जारी हैं।

एक सूखी नदी के पास खड़े किसानों और रोटेरियनों के बीच बातचीत चल रही है, यहां एक मशीन की खुदाई से समतल ज़मीन को खोद कर जल स्रोत को और गहरा किया गया है, मैं किसानों से पूछती हूं कि उनकी सबसे बड़ी समस्या क्या है ?

पानी, सामूहिक स्वर में जवाब मिलता है। इस जवाब को सुन कर रोटेरियन मुस्कुराते हैं। इसलिए नहीं कि उन्हें किसानों की परेशानी में आनंद आ रहा है, बल्कि इसलिए कि वे पीडीजी पोफले के नेतृत्व में, पिछले कुछ वर्षों से अपने शहर उमरगा के आसपास

बलसुर नदी।

और उससे आगे के गांवों में पानी पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

व्यथित किसान

तो क्या भारत में किसान के लिए आज फसल उगाना सार्थक है? जो पैसा वे ज़मीन में निवेश करते हैं, उस पैसे का लाभ उन्हें किस तरह मिलता है? गोविंद देवानी, एक सेवानिवृत्त शिक्षक, जो किसान भी हैं, निष्ठुरता से जवाब देते हैं; ''सीधा उत्तर है नहीं। हमें अपनी पूंजी तक भी वापस नहीं मिलती है मैडम'' उसने सिर हिलाते हुए कहा ।

तो फिर किसान फसल क्यों उगायेगा?

''नहीं करेगा, वह खेती करना छोड़ देगा,'' वह दृढ़ता से कहता है।

पीडीजी पोफले ने मुझे बताया कि गाँवों को छोड़ कर किसान शहरों में छोटे मोटे काम करने के लिए लगातार प्रवास कर रहे हैं, एक अन्य किसान अरुण पाटिल ने कहा, ''हमारी समस्या ये है कि इस क्षेत्र में बारिश तो एक साल होती है पर सूखा तीन साल पड़ता है। एक तीसरा किसान बीच में बोला, वास्तव में एक साल बारिश और 10 साल सूखा!''

अरुण पाटिल के पास पाँच एकड़ ज़मीन है और अन्य किसानों की तरह यहाँ, अब जब से रोटेरियनों द्वारा जल संरक्षण की वजह से तो उन्हें कुछ पानी, उपलब्ध हुआ है, सोयाबीन उगाया गया है, जो ज्यादातर लातूर बाजार के माध्यम से बाहर भेजा जाता है और गेहूं तब उगाया जाता है जब पानी अधिक मात्रा में उपलब्ध होता है।

क्या उन्हें बैंकों से ऋण मिल जाता है? नहीं, जवाब सुन कर अचरज नहीं हुआ। बैंक सिर्फ उद्योगपतियों को ऋण देना पसंद करते हैं जो उनका पैसा ले कर दफा हो जाते हैं, वे कहते हैं। बैंक ऋण के अभाव में, उन्हें साहूकार से उधार लेना पड़ता है वो भी अत्यधिक ऊंची ब्याज दरों पर - 60 प्रतिशत या उससे अधिक। पाटिल ने कहा, ''मैंने वह गलती की और साहूकार ने मेरी आधी जमीन हड़प ली।'' और वह मर्मभेदी आधी ज़मीन है 5 एकड़!

प्रारंभ

पोफले याद करते हैं कि 2015-16 में, जब वह डीजी थे, ''हमारे जिले में भयंकर सूखा पड़ा, जो सामान्य वर्षा का बमुश्किल 20 प्रतिशत था। मैंने जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया, और मंडल कल्याण कोष से मैंने एक एक्सकैवेटर यानी अर्थ मूवर खरीदा।''

तब इस की लागत ₹25 लाख आई थी और उन्होंने अतिरिक्त मशीन खरीदने की भी व्यवस्था की थी। ''तब से हम जल परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं और आज तक लगभग 80 किमी की नहर, नदियाँ और नाले जो मिट्टी, मलबा, गाद से भर कर समतल हो चुके थे, उन को गहरा किया और उनका पुनरुद्धार कर कायाकल्प कर दिया गया है।'' कुल खर्चा ₹6 करोड़; जिसमें से लगभग एक चौथाई सरकारी निधि से है।

पानी को रोकने और ज़मीन में रिसने के लिए किसी भी जल भंडारण के ढाँचे व स्रोत को घुमावदार बनाना पड़ता है; इस तरह भूजल को रिचार्ज किया जाता है। लेकिन कई वर्षों में, नहरें, नाले और यहाँ तक कि छोटी नदियाँ भी सपाट हो जाती हैं, इसके परिणामस्वरुप पानी रुकता नहीं है और बह जाता है, जिससे रिसाव और भूजल पुनर्भरण/पुनर्चक्रण नहीं हो पाता।

''पिछले चार वर्षों से छोटी छोटी परियोजनाओं के माध्यम से हम इन जल स्रोतों से मिट्टी हटा रहे हैं, जिससे नदियों को न केवल गहरा कर रहे हैं, बल्कि गहरी नदियाँ को चौड़ा भी कर रहे हैं। कभी-कभी हम नालों और नदियों पर बाँध भी बनाते हैं,'' पोफले कहते हैं।

पिछले चार वर्षों में RID 3132 में 42 क्लबों द्वारा ऐसी लगभग 110 परियोजनाएं की गई हैं, जिस के फलस्वरूप 2 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए है और आज तक काम जारी है। बाद में, जैसा कि हम उमरगा नदी पर गए जिसे इन रोटेरियनों ने चार साल पहले पुनर्जीवित किया है और पानी निरंतर आ रहा है, मुस्कुराते हुए पीडीजी कहते हैं, ''इस परियोजना

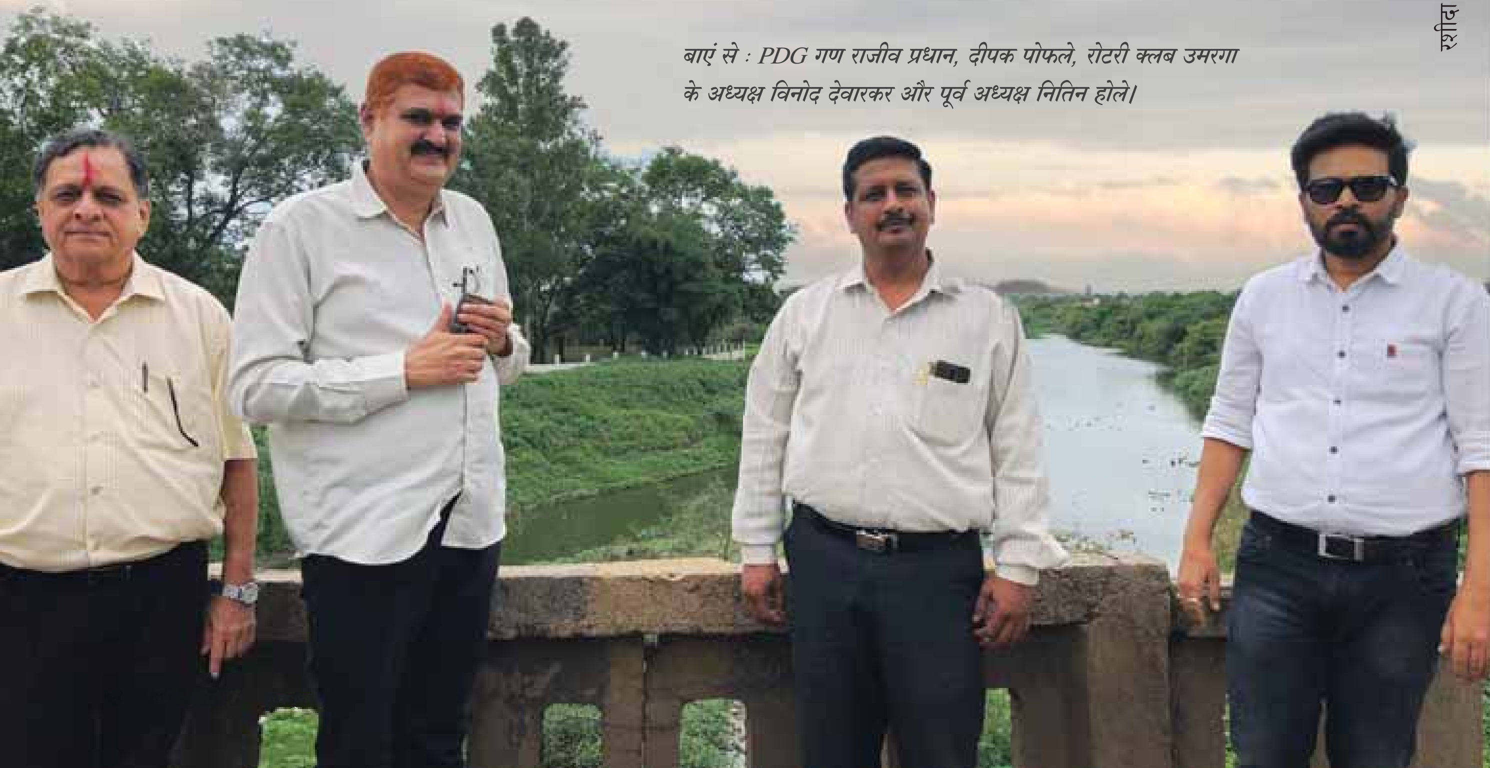

बाएं से : PDG गण राजीव प्रधान, दीपक पोफले, रोटरी क्लब उमरगा के अध्यक्ष विनोद देवारकर और पूर्व अध्यक्ष नितिन होले।

रशीदा भगत

का सबसे बड़ा लाभार्थी मैं हूं, मेरे घर का भूजल भी रिचार्ज हो गया है, इस नदी को पुनर्जीवित करने के लिए धन्यवाद।''

रोटरी क्लब उमरगा के पूर्व अध्यक्ष संजय अस्वाले कहते हैं, ''अगर उमरगा शहर के सभी बोरवेल पिछले चार वर्षों में कभी भी नहीं सूखे, तो इसका सारा श्रेय पीडीजी दीपक के नेतृत्व को जाता है। वह एक ऐसे समर्पित रोटेरियन हैं; एक व्यस्त चिकित्सक, हर सप्ताहांत वह रोटरी परियोजनाओं पर काम करने के लिए निकल जाते हैं ... उदाहरण के लिए पिछले शनिवार को, वह रोटरी के काम से अमरावती में थे।''

असवाल 2016-17 में क्लब के अध्यक्ष थे और उनके कार्यकाल के दौरान क्लब ने काकल गांव के जल इकाइयों का कायाकल्प हुआ था।

पूर्व अध्यक्ष संजय अस्वाले (बीच में) रोटरी क्लब उमरगा के सदस्यों के साथ, काम पर।

किसानों को फायदा

उमरगा वासियों को घरेलू उपयोग के लिए पानी मिलने के अलावा, इस क्षेत्र के किसानों को भी लाभ हुआ है। रो इ मंडल 3132 के पीडीजी राजीव प्रधान बताते हैं कि इस क्षेत्र में उगाई जाने वाली फसलों में तेल के बीज, गेहूं और जवार हैं पर तिलहन सबसे आम हैं। पोफले जोड़ते हैं, ''अब किसान पानी पर आत्म निर्भर हैं, तो वे सोयाबीन, तूर की दाल इत्यादि भी उगा रहे हैं।''

सहभागिता का आरम्भ

महाराष्ट्र सरकार भी उनकी मदद कर रही है। ''कुछ जगह सरकार हमें धन देती है। कलाम नदी एक बड़ी नदी है, और ये काम रोटरी अकेले नहीं कर सकती है। आवश्यक राशि 86 लाख रुपये थी और इतनी बड़ी राशि हम नहीं जुटा सकते थे। कलाम से हमारे रोटेरियन ने कमिश्नर से संपर्क किया और उन्होंने एक ही दिन में ₹50 लाख की बड़ी राशि मंजूर कर दी।''

यह उस विश्वास और साख का प्रमाण है जो रोटेरियनों के इस समूह ने अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी से सरकार और स्थानीय समुदाय दोनों में अर्जित किया है। इस क्लब के सदस्य नितिन कहते हैं, ''अब यहाँ के लोग कह रहे हैं कि अगर रोटेरियन वित्त का प्रबंधन करेंगे, तो ही हम खुल कर दान करेंगे, अन्यथा नहीं। रोटरी के लिए यह सार्वजनिक छवि की एक बड़ी कवायद है।''

अब तक इन सभी, सूख गए प्राकृतिक संसाधनों, स्रोतों को संरक्षित करने में, कीचड़ और मिटटी से अवरुद्ध हुए जल ढांचों, स्रोतों का कायाकल्प कर उन्हें पुनर्चक्रित करने पर लगभग ₹6 करोड़ की लागत आई है। ''हमने ₹15 लाख के एक डिस्ट्रिक्ट अनुदान का उपयोग भी किया है; पर इसमें कोई वैश्विक अनुदान शामिल नहीं है, सारा धन रोटेरियनों, स्थानीय समुदाय और कुछ सरकारी सहायता से एकत्रित किया गया है। और मंडल 3131 और 3141 के क्लबों ने भी हमें इस परियोजना के लिए पैसा दिया है,'' पूर्व गवर्नर कहते हैं।

इस परियोजना का एक अच्छा नतीजा ये रहा कि अन्य क्लबों ने भी अपनी जल परियोजनाओं के लिए अर्थ मोवर्स का इस्तेमाल किया है, और उनमें से एक प्रधान का अपना क्लब है रो क्लब सोलापुर।

सोलापुर जिले में कुओं का पुनर्भरण /कायाकल्प

2017-18 में इस क्लब के अध्यक्ष जयेश पटेल ने सूखाग्रस्त क्षेत्र में जल संरक्षण का काम युद्धस्तर पर किया था । पीडीजी प्रधान ने याद किया कि उन्होंने पोफले से खुदाई करने वाली मशीन उधार ली थी और हराली गांव में 75 कुओं को गहरा करने के लिए धन जुटाया। ''मंडल 3131 ने हमारी मदद की; उस वर्ष के लिए रो क्लब पुणे लक्ष्मी रोड की अध्यक्ष सुनीता शिरगुप्पी ने मुझसे संपर्क किया कि वह सोलापुर में एक परियोजना करना चाहती हैं, और जयेश पटेल ने हमारा नेतृत्व किया और हमने लगभग 75 कुओं को गहरा किया था।''

पटेल बताते हैं, जिन्होंने सोलापुर और उसके आसपास के गांवों, हरली, तोम्बा, उदादतपुर और आसपास के अन्य गांवों में जल संरक्षण परियोजना के लिए बहुत ही लगन और समर्पण के साथ काम किया, ''हमने उस इलाके के 54 कुओं की पहचान की जो पूरी तरह से सूख गए थे, एक ढलान पर तीन मीटर भूमि चिह्नित की, और वहां से मिटटी हटाई और जब बारिश हुई तो बारिश का पानी इन खाइयों में इकठ्ठा हो गया और प्राकृतिक रूप से कुओं में चला गया। इसके अतिरिक्त 75 कुओं को भी गहरा किया गया था; और आज तक उन कुओं में पानी उपलब्ध

अब यहाँ के लोग कह रहे हैं कि अगर रोटेरियन वित्त का प्रबंधन करेंगे, तो ही हम खुल कर दान करेंगे, अन्यथा नहीं। रोटरी के लिए यह सार्वजनिक छवि की एक बड़ी कवायद है।

नितिन होले
पूर्व अध्यक्ष रोटरी क्लब ओमेर्गा

सोलापूर में एक परियोजना स्थल पर, रोटरी क्लब पुणे लक्ष्मी रोड़ और सोलापुर के रोटेरियन।

है, जब कि मानसून की कमी है। 12 गाँवों के लोग और किसान इस परियो जना से लाभान्वित हुए हैं।''

उन्होंने रोटरी क्लब पुणे लक्ष्मी रोड और इसकी तत्कालीन अध्यक्ष सुनीता को इस परियोजना में उनके आर्थिक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

बलसूर नदी

हम सोलापुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बलसूर जाते हैं। यह एक भूकंप प्रभावित क्षेत्र भी है; 2.76 किमी लंबी बलसूर नदी की खुदाई कर उससे मिट्टी, कीचड़ आदि हटा कर उसे गहरा किया गया और जल्द ही उस में पानी आ गया। (चित्र देखें) इसी तरह, कई नदियों, नहर और नालों की सफाई की गई और गहरा किया गया। मानसून की बारिश इन जल निकायों को भरती है, जिससे इन गांवों में किसानों और अन्य लोगों को लाभ होता है। कुछ धाराएँ सूख जाती हैं और फिर से चपटी हो जाती हैं; लेकिन समर्पित रोटेरियन का यह समूह अगले मानसून के लिए उनकी सफाई करने में कभी नहीं थकता।

यहाँ रोटेरियन जिस तरह का काम कर रहे हैं, उसे देखते हुए पैसा लगातार आता रहता है; रो क्लब पुणे गांधी भवन के एक अन्य रोटेरियन के पिता ने टीआरएफ को 30,000 डॉलर का दान दिया है और ''हमारी जल संरक्षण परियोजना के लिए यह पैसा शीघ्र ही मिलने वाला है,'' पोफले कहते हैं।

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभार्थी मैं हूं, मेरे घर का भूजल भी रिचार्ज हो गया है, इस नदी को पुनर्जीवित करने के लिए धन्यवाद।

PDG **दीपक पोफले**

रोटेरियन विभिन्न गांवों में स्थानीय समूहों और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के साथ मिल कर काम करते हैं।

लेकिन मराठवाड़ा में, जहाँ से आत्महत्याओं की सूचना अक्सर मिलती रहती हैं, किसानों की स्थिति बेहतर बनाने के लिए सार्थक योगदान एक दुष्कर कार्य है। जैसा कि पोफले ने बताया, इस क्षेत्र की पांच एकड़ जमीन की तुलना पश्चिमी महाराष्ट्र की ज़मीन से नहीं की जा सकती है। राजीव प्रधान बताते हैं, ''पश्चिमी महाराष्ट्र में, अगर किसी किसान के पास 5 एकड़ जमीन है, तो वह गन्ने उगा सकता है, जो कि नकदी फसल है, क्योंकि वहां पानी की प्रचुरता है। इसके अलावा, वहां लोग कृषि संबंधित अन्य व्यवसाय से भी आमदनी में वृद्धि करते हैं।''

यह ''अन्य व्यवसाय'' गाय, भैंसों को पालने से संबंधित है, जो डेयरी उत्पाद देते हैं। पोफले ने कहा कि यहां भी क्लब ने बकरी बैंक परियोजना शुरू की है। इसमें वे एक महिला को एक बकरी देते हैं, जो उसका पालन-पोषण करती है; और ''जब बकरी के दो बच्चे हो जाते हैं तो एक हमें वापिस करना होता है ताकि हम इसे दूसरी महिला को दे सकें, और यह योजना अभी भी चल रही है।''

जिन किसानों से भी मेरी मुलाकात हुई, वे सभी रोटरी के कृतज्ञ हैं। ''इससे हमें बहुत मदद मिली है। पाटिल ने कहा कि जब उन्होंने नदी को गहरा किया तो पानी मिलने के अलावा, मुझे उस जमीन से उपजाऊ काली मिट्टी भी मिली, मैंने इसे अपने खेत में फैला दिया और अपनी फसल में सुधार किया।''

संजय असवाले का कहना हैं, ''उनकी ज्यादातर ज़मीन बंजर थी जो आम तौर पर बहुत कम कमाई देती थी। इस मिट्टी को डालने के बाद, जो पोषक तत्वों से भरपूर है, ये तत्व उसकी ज़मीन में चले गए, उसने सब्जियों जैसे ककड़ी, टमाटर, गोभी, फूलगोभी, मिर्च उगा कर, हर 2-3 महीने में एक फसल प्राप्त की और भरपूर लाभ कमाया!

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी कला ओलंपियाड

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब पुणे सिंहगढ़ रोड, रो ई मंडल 3131, ने पिछले वर्ष राष्ट्रीय एवं यूएस, इंग्लैंड और अर्जेंटीना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशाल चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया था। पुणे में इसका आयोजन पंडित भीमसेन जोशी आर्ट गैलरी में किया गया था।

''इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम विद्यार्थियों एवं जनता के मध्य मौजूद कलात्मक प्रतिभाओं को ढूंढकर उन्हें वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान दिलाने के लिए बढ़ावा देना चाहते है। डिज़ाइन मीडियम और स्किल इंडिया कार्यक्रमों के माध्यम से विजेताओं को विभिन्न कला शैलियों में पेशेवर रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा,'' क्लब अध्यक्ष (2018-19) श्रीकांत पाटनकर ने कहा।

क्लब की सदस्य नूतन लोढ़ा जिन्हें कला सिखाने में 25 वर्षों का अनुभव है ने इस अवधारणा को बढ़ावा दिया। दुनिया भर से इस कार्यक्रम के लिए 30,000 प्रविष्टियाँ आई थी जिनमें 500 प्रविष्टियाँ निःशक्तजनों की तरफ से भी थी। भारतीय प्रतिभागियों को सत्तासी नकद पुरस्कार और 800 योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किये गए एवं यूएस और अर्जेंटीना के कलाकारों को 25 प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। निपुण कलाकारों की एक पैनल ने विजेताओं को चुना था। रोटेरियनों एवं आम जनता की उपस्थिति में डीजी रश्मि कुलकर्णी ने विजेताओं का अभिनंदन किया। इससे पूर्व प्रतिभागियों की कलाओं को लोगों द्वारा देखें जाने हेतु प्रदर्शित किया गया।

उन प्रतिभागियों में से एक प्रतिभागी को चीन में होने वाले सीनियर इंटरनेशनल डिज़ाइन ओलंपियाड 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया। उसने पहले ही 20 दिनों का कौशल-संवर्धन कार्यक्रम पूरा कर लिया है और कौशल भारत कार्यक्रम के तहत शुरू की गई एक परियोजना के अंतर्गत उसे कम से कम दो वर्षों के लिए गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। 2023 में रूस में होने वाले जूनियर इंटरनेशनल डिज़ाइन ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक अन्य प्रतिभागी का चयन किया गया है, पाटनकर ने कहा।

यूएस और अर्जेंटीना के विजेताओं की कलाओं का प्रदर्शन पुणे में किया गया था और बाद में अंतर्राष्ट्रीय रोटरी क्लबों के साथ व्यवस्था करके, उन्हें दूसरे देशों की कला गैलरियों में भी प्रदर्शित किया गया। 9,500 डॉलर की इस पहल ने सीधे तौर पर 30,000 से अधिक प्रत्यक्ष प्रतिभागियों को लाभान्वित करने के साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई और लोगों को भी लाभान्वित किया, उन्होंने कहा। ■

"THE FUTURE BELONGS TO THOSE WHO BELIEVE IN THE BEAUTY OF THEIR DREAMS"

DARE TO DREAM
Rotary

Rotary Institute
Indore
Zone 4,5,6&7 • 6-8 Dec 2019

Our distinguished guests:

Rtn. Mark Daniel Maloney
Rotary International President
and Rtn. Gay Maloney.

Convener's Message

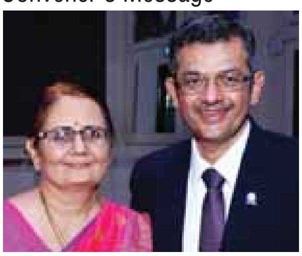

Dear Rotary Leaders,

Today we stand at a very crucial juncture in the history of Rotary, as our organisation has an important role to play in the times ahead. The new vision statement and the Strategic Plan no doubt, have the potential to make Rotary bigger, better & bolder. And so, don't miss out on the opportunity to learn more about these initiatives from our world leaders. Be there at the Zone Institute at Indore from 6-8 December,2019 as we gear up to celebrate and welcome the 4th RI President from our Zones - RIPN Shekhar Mehta and his gracious partner Rashi Mehta. Know more about "Dare to Dream" and recognise individuals who have tread the extraordinary path by Daring & Dreaming.

Madhavi & I invite you to imbibe the warm hospitality, excellent fellowship and an outstanding program at the Rotary Zone institute. Come.....Experience Excellence.

Dr. Bharat Pandya
RI Director, 2019-21

Chairman's Message

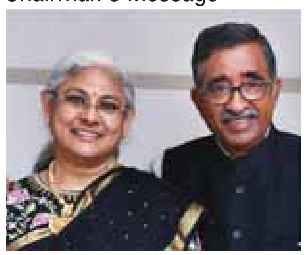

My dear friends,

We are now on the last lap of registrations for the Rotary Zone Institute to be held at Indore, from 6th to 8th December 2019. And for the information of all late entrants, we regret that both Venue and Radisson hotels are now sold out and no further rooms are available there.

However, for your convenience, we have negotiated yet again and made available limited accommodations at the Marriott. So kindly ensure that you register without any further delay and book your rooms as soon as possible. Kindly note that there will be NO SPOT REGISTRATIONS.

Director Bharat and the Institute team have planned a program which promises to be different, yet enthralling and absorbing. We are in the process of finalising the same, which will be intimated to you in due course.

And as for our Guest Speakers, I have been sharing some names with you in each of my letters. Adding to the list: General Secretary John Hewko, Dr. Prakash Amte, social reformer and Smt. Smriti Irani, Hon'ble Minister for Women and Child Development and Textiles to name just a few.

I also request those who have already registered and those who are in the process of registration to kindly provide information about their Modi Jacket size, Veg or Non-Veg meal, flight/train arrival and departure details as well as call name on the badge. The transport will be available only for those staying at the Venue, Marriott and Radisson. The details must be sent to the Registration Chair Bansi Dhurandhar with a copy marked to me at chairindoreinstitute@gmail.com. Early response will be highly appreciated.

Vidhya and I look forward to receiving you at the cleanest city of India and foodie's paradise – Indore.

T.N.Subramanian
Chairman, Rotary Zone Institute, 2019

Incredible Indore Awaits You

Indore Rajwada

Lalbagh Palace

Omkareshwar Jyotirlinga

Annapurna Mandir

Daly College

Mandav

TRAINING TEAM

GETS	Chair: J B Kamdar
	Co-Chair: Rajiv Pradhan
GETS Partners Program	Chair: Madhavi Pandya
	Co-Chair: Marlene Kamdar
DGN Training	Chair: Vijay Gupta
	Co-Chair: Arun Prakash Gupta
DGN Spouses Program	Chair: Sonal Sanghvi
District Trainers' Seminar	Chair: Jayant Kulkarni
DG Review	Chair: RID Kamal Sanghvi

SCHEDULE OF EVENTS & TARIFFS

REGISTRATION			
Institute Registration		Couple	Single
Applicable till 31st Oct 2019		INR 25000	INR 15000
GETS (Couple)	3rd - 5th Dec 2019	INR 55000	
DGs Review Meeting	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
DGN Training Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
Dist Trainers Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
TRF Dinner	5th Dec 2019	INR 4500	INR 2500
TRF Seminar	6th Dec 2019 (Morn)	INR 4500	INR 2500
Hotel Accommodation			
Marriott Hotel	Double	INR 8000 per night	

Institute Brochure and the Registration Form are available on website for download at **www.rotaryinstitute2019indore.org**

For Institute Registration (Select any one method)

1 Please visit & complete online registration formalities.

2 You can download the Registration Form from website & send it to:

PDG Bansi Dhurandhar, Chair-Registration.
Microtrol Sterilisation Services Pvt. Ltd, A 101 & 102,
Tara Co-op Hsg Society, Srushti Complex, Saki Vihar Road,
Mumbai – 400072. Tel: 91 22 40579600

Brilliant Convention Centre

For the Pre and Post Institute tours, contact

Shirang Aditi (Avani Tours and Travels) Ph: 7869902020, 958489688

Mayank Sikarwar (Religious Tourism) LG 24-25,BCM Heights,Vijay Nagar, Indore
info@religioustourism.com www.religioustourism.com Ph: 077719 77799

For details and other Institute information please contact

PDG T. N. (Raju) Subramanian, Institute Chair
Add: 303, Bhagyodaya, 79, Nagindas Master Rd., Fort, Mumbai- 400001
Email: rtn.subramanian@gmail.com Cell: 9322223732 / 9653623732

Rotary

सुरक्षित पेयजल उनकी प्राथमिकता

देवाशीष मिश्रा, चार्टर्ड अकाउंटेंट, रोटरी क्लब भुवनेश्वर रॉयल, रो ई मंडल 3262

ओडिशा में भारी वर्षा की मार के साथ, देवाशीष मिश्रा के लिए सुरक्षित पेयजल एक बड़ी चिंता का विषय है और उनकी परियोजनाएं इसी पर केन्द्रित है। *जलधारा* परियोजना स्कूलों को आरओ संयंत्र से सुसज्जित करने पर केन्द्रित है। ''सभी 95 क्लब एक-एक स्कूल को गोद लेंगे। जहाँ एक जल एटीएम की कीमत 40,000 आती है, आधी कीमत क्लब द्वारा वहन की जाएगी और बाकि आधी डीडीएफ से वित्त पोषित की जाएगी,'' वह कहते है। ज़िले के सरकारी अस्पतालों में भी इसी तरह की सुविधा प्रदान की जाएगी। यहाँ इस सुविधा के लिए क्लब का योगदान टीआरएफ को निर्देशित किया जाएगा और यह परियोजना CSR प्रायोजन के माध्यम से वित्त पोषित की जाएगी। ''यह एक फायदेमंद स्थिति है क्योंकि यह दो उद्देश्यों की पूर्ती करता है,'' वह मुस्कराते है।

मिश्रा 2004 से एक रोटेरियन है। वह याद करते है कि कैसे 2010 में उनके अध्यक्षीय वर्ष के दौरान वह सेवा में आए थे। ''RIPN शेखर मेहता ने रायपुर में हमारे अध्यक्षीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित किया था। उन्होंने पूछा कि क्या किसी को एक नेत्र अस्पताल को स्थापित करने में रूचि होगी। मैंने सहमति जताई और फिर चीज़ें बदल गई।'' उन्होंने भुवनेश्वर के एक अस्पताल की एक मंजिल पर एक मिलान अनुदान द्वारा एक नेत्र क्लीनिक स्थापित किया और जल्द ही दूसरा क्लीनिक भी स्थापित किया। फिर एक अंतर्राष्ट्रीय साझेदार, रोटरी क्लब सिंगापुर, के साथ एक पूर्ण नेत्र अस्पताल की स्थापना की गई। ''यह क्षेत्र के कई वंचित लोगों की सेवा करता है।'' लेकिन जिस बात ने उन्हें सबसे ज्यादा छुआ वह यह थी कि न्यूज़ीलैंड के एक रोटेरियन ने अस्पताल का दौरा किया। ''उन्होंने एक वीडियो बनाया जिसमें एक बुज़ुर्ग लाभार्थी ने मेरे सिर पर अपना हाथ रखकर मुझे आशीर्वाद दिया और मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए मुझे धन्यवाद दिया जिसकी वजह से वह उनके पोते-पोतियों को देख सकीं। जब हम सीओल सम्मेलन में मिले तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने उनके देश के बहुत से क्लबों में उस वीडियो को दिखाया और वीडियो में जो देखा उससे प्रेरित होकर, रोटेरियनों ने हज़ारों में दान दिया जिससे उन्होंने अन्य विभिन्न जरूरतमंद क्लबों की सहायता की। इससे मैं वाकई हैरान था,'' मिश्रा कहते है।

उन्हें आशा है कि मंडल की परियोजना - विज़न 30,000 - कम से कम उतने ही जरूरतमंद लोगों के लिए मोतियाबिंद का इलाज करेगी। कॉर्पोरेट निधीयन के माध्यम से 200 स्कूलों को फर्नीचर प्रदान करना और पूरे मंडल में बड़े पैमाने पर चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी उनके एजेंडे में है।

मिश्रा सदस्यता को 10 प्रतिशत से बढ़ाने की उम्मीद करते है। विभिन्न कार्यक्रमों, जिसमें से एक है मौजूदा सदस्यों द्वारा नए सदस्यों को परामर्श देना, के माध्यम से सदस्यों के अवरोधन का उनका लक्ष्य 95 प्रतिशत का है।

टीआरएफ के लिए उनका लक्ष्य 350,000 डॉलर एकत्रित करने का है। टीआरएफ के लिए उन्हें कॉर्पोरेटों से बड़ी सहायता मिलने की उम्मीद है।

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करना

ए के नटेसन, शैक्षणिक प्रबंधक, रोटरी क्लब कोमारापलायम, रो ई मंडल 2982

वह जल्द ही एक AKS सदस्य होंगे, शायद उनके मंडल से प्रथम। हाल ही में टीआरएफ न्यासी प्रमुख गैरी हांग द्वारा एकेएस पिन से सुशोभित किये जाने के बाद नतेसन उत्तेजित थे। वर्ष 2000 से एक रोटेरियन होने के कारण, NSS के साथ उनके संबंध के कारण, दो बार राज्य का सर्वश्रेष्ठ परियोजना अधिकारी सम्मान जीतने, एवं रो ई मंडल 5330 के पीडीजी चेहब एलावर, जो AKS सर्कल के सदस्य है, से प्रेरित होने के कारण, इस डीजी के लिए यह स्वाभाविक था कि वह टीआरएफ में उदारतापूर्वक योगदान दें। ''एलावर, रोटरी क्लब सैन बर्नार्डिनो सनसेट के एक सदस्य, पांच वर्ष पूर्व हमारे साथ एक वैश्विक अनुदान परियोजना के लिए रुके थे और उन्होंने दुनियाभर में संस्थान द्वारा लोगों के लिए किये गए अद्भुत परिवर्तनों के लिए संस्थान की प्रशंसा की। हमें दुनिया की भलाई के लिए संस्थान की मदद करनी चाहिए,'' उन्होंने कहा, और यह बात मेरे दिल को छू गई, नतेसन कहते है। उनका योगदान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता और बुनियादी शैक्षणिक कार्यक्रमों की मदद करेगा।

नतेसन एक समेकित स्कूल विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने को लेकर उत्सुक है जिसके तहत क्लब सामूहिक रूप से मंडल के कम से कम 30 स्कूलों के मानकों में सुधार करेंगे। एक मेमोग्राफी वैन और डायलिसिस सुविधा भी उनके एजेंडे में है। रोटरी भारत के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाने के लिए उनकी 100 हैप्पी स्कूलों, 100 रोटरेक्ट क्लबों, 100 इंटरैक्ट क्लबों और 50 लाख पौधों को रोंपने एवं उनका पोषण करने की योजना है।

700,000 डॉलर के टीआरएफ योगदान लक्ष्य और 10 प्रतिशत की सदस्यता वृद्धि को प्राप्त करने को लेकर वह आश्वस्त है। विभिन्न क्लबों में स्थापना दिवस पर छह प्रतिशत नए सदस्यों को पहले ही शामिल किया जा चुका है, हालाँकि बहुत कम लोगों का पंजीकरण *My Rotary* में हुआ है। दिलचस्प योजनओं के माध्यम से रोटेरियनों को व्यस्त करके उनका 100 प्रतिशत अवरोधन उनका लक्ष्य है। स्कूलों और कॉलेजों में 60,000 योगदान फॉर्म वितरित करके, प्रत्येक फॉर्म की राशी ₹200 है, डीजी का लक्ष्य पोलियो निधि इकट्ठा करने का है।

उनका सपना मंडल को ऊँचा उठाने और उनकी टीम के दिल में देने की भावना को अंतर्निविष्ट करने का है।

रोटेरियनों के हित का ख्याल रखना

डॉ समीर हरियानी, दन्त चिकित्सक, रोटरी क्लब बैंगलोर साउथवेस्ट, रो ई मंडल 3190

मैं रोटरी का आनंद लेता हूँ। मैंने सभी मंडल गतिविधियों का नेतृत्व किया है और इन 22 वर्षों में उन सभी से प्यार किया है,'' समीर हरियानी कहते है जो 24 साल की उम्र में एक रोटेरियन बने। रोटरी की सबसे अच्छी यादें तब की थी जब उन्होंने 2012 में जर्मनी के लिए एक जीएसई पर चार बहु-प्रतिभाशाली नौजवानों के एक दल का नेतृत्व किया। ''पांच हफ़्तों तक हमने सीखा और रोटरी की अंतर्राष्ट्रीयता का आनंद उठाया, विभिन्न संस्कृतियों से रूबरू हुए और व्यावसायिक अनुभव लिया।'' एक अन्य अभिलषित पल तब था जिस वक्त वह एक्सटर्नल एक्सटैन्शन के निदेशक के रूप में सेवा दे रहे थे, उस वक्त मंडल ने एक अकेले वर्ष में 52 नए क्लबों की स्थापना करके और 1900 नए सदस्यों को शामिल करके सदस्यता बढ़त में एक विश्व रिकॉर्ड बनाया था। ''हम 2015-16 में 120 संभावित स्थानों का दौरा करते हुए, 220 दिनों तक सड़क पर थे,'' हरियानी मुस्कुराते है।

इस वर्ष उनका लक्ष्य 12 प्रतिशत तक की सदस्यता वृद्धि करने का है, लेकिन उन्होंने तुरंत ही कहा कि सदस्यों का अवरोधन एक चुनौती है। ''मुझे लगता है कि पुराने एवं नए दोनों क्लबों के सदस्य उदास हो रहे है या थक रहे है। हमें उन्हें रोके रखने और रोटरी का आनंद लेने के कारणों को खोजने की आवश्यकता है। कभी-कभी हम अपने स्वयं के रोटेरियनों को भूल जाते है या हम उनकी रूचि पर ध्यान नहीं देते है।'' इसलिए इस वर्ष उन्होंने घोषणा की है कि मंडल रोटेरियनों को वापस लौटाएगा। ''स्पॉट लाइट उन पर होगी और हम उनके परिवारों को भी शामिल करने की योजना बना रहे है।''

टीआरएफ लक्ष्यों पर डीजी सूचित करते है कि यह मंडल जो रोटेरियन डी रविशंकर के ₹100 करोड़ के महान योगदान की वजह से पिछले रोटरी वर्ष में अव्वल था, उम्मीद है कि इस वर्ष भी वह कम से कम पांच प्रतिशत अधिक योगदान देगा। अभी तक ''हमें 1 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धताएं प्राप्त हो चुकी है, और मुझे यकीन है कि इस घटना से रोटेरियन बेहतर प्रदर्शन करेंगे। बेशक, हमारे सुपर हीरो (रविशंकर) रोल-मॉडल होंगे।''

वह रोटरी भारत शताब्दी वर्ष की 'कोटी नाटी' परियोजना को लेकर उत्सुक है जिसके अंतर्गत मंडल भर में एक करोड़ पौधे लगाए जाएँगे। ''यह अब एक राष्ट्रीय परियोजना बन गई है। एक दिन के अंदर ही संपूर्ण भारत के लिए एक विशाल पौधारोपण मुहिम की तैयारी की जा रही है, और इसमें अगले तीन वर्षों के लिए पौधों का पोषण करना भी शामिल है।''

हरियानी की पत्नी रूपा भी उसी क्लब की सदस्य है और इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुकी है।

जिम्मेदार युवा बल का गठन करना

आर माधव चंद्रन

आईटी नेटवर्किंग, रोटरी क्लब कोचीन डाउनटाउन, रो ई मंडल 3201

2001 में उनके इंटीरियर डिज़ाइनर से प्रेरित होकर वह रोटरी से जुड़े। ''यह ईश्वरीय वरदान था क्योंकि मैं उस शहर में बिल्कुल नया था, तब ही तब मुंबई से आया था, माधव चंद्रन कहते है। रोटरी की उनकी सबसे अच्छी यादों में वर्ष 2007 शामिल है जब एक क्लब अध्यक्ष के रूप में उन्होंने उनके क्लब को 100 प्रतिशत झक्क्र बना दिया था, जो तब कुछ अनसुना था।'' उन्हें ख़ुशी है कि कैनक्योर फाउंडेशन अब धीरे-धीरे 30 करोड़ के मूल्य की एक पृथक इकाई में विकसित हो गया है। ''हम विशेष रूप से गाँवों में बहुत सारी कैंसर की जाँच और उपचार करते है।''

एक विशेष कार्यक्रम जिसका नाम है 'मिशन 2020 रेस्पोंसिबल इंडिया' के माध्यम से चंद्रन युवाओं में मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने को लेकर उत्सुक है। क्लब ने अभी तक पूरे मंडल से लगभग 100 स्कूलों को शामिल किया है और वहाँ सुविधाओं को प्रायोजित करने के साथ ही, रोटेरियन बच्चों को 2-मिनट के वीडियो या लघु कथाओं के माध्यम से नैतिक मूल्यों और परम्पराओं की रक्षा करने के लिए संवेदनशील बनाकर उन्हें बेहतर नागरिकों के रूप में तैयार कर रहे है। इस परियोजना के लिए एक वेबसाइट समर्पित है जिससे वर्ष के अंत तक 800 स्कूलों को कवर करने की उम्मीद है। मानव दुग्ध बैंकों की स्थापना करना उनका अन्य फोकस है।

पिछले वर्ष 5,700 सदस्यों एवं 45 क्लबों वाले मंडल के डीजी ने यह कहकर उनके दल को उत्साहित किया कि वे दुनिया का सबसे बड़ा मंडल बनने से बस 600 कम है। ''अध्यक्षों ने इसे काफी अच्छी तरह लिया और अब तक 280 नए सदस्य शामिल किए जा चुके है।'' लेकिन मुझे गंभीरतापूर्वक अवरोधन पर ध्यान देना होगा। अनिवार्य साथी-भागीदारी और महिला सदस्यों की भर्ती पर उन्होंने अधिक ज़ोर दिया है। ''मेरी पत्नी सुजाता मेरे क्लब की अध्यक्ष-मनोनीत है और काफी हद तक महिला भागीदारी को प्रेरित करती है।''

टीआरएफ़ योगदान पर, चंद्रन पिछले वर्ष के 1.03 मिलियन के मुक़ाबले अधिक इकट्ठा करने को लेकर उत्सुक है और ऐसा वह हर एक रोटेरियन को संस्थान में जितना हो सके उतना योगदान देने के लिए प्रेरित करके करना चाहते है। ''रोटेरियनों के लिए उनका मंत्र है सेवा करने के लिए रोटरी से मत जुड़िये। मज़ा करने के लिए रोटरी से जुड़िये। सेवा स्वाभाविक रूप से हो जाएगी।''

बाल स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता

डॉ देबाशीश दास, शिशु चिकित्सक, रोटरी क्लब शिलोंग, रो ई मंडल 3240

एक मिनट का समय दीजिए। मैं इस नन्हें बच्चे की दवाइयाँ लिख दूँ ताकि यह घर वापस जा सकें, डॉक्टर देबाशीश कहते है, जब मैंने उन्हें इस कॉलम हेतु साक्षात्कार के लिए फोन किया। एक रोटेरियन बनने से पूर्व ही उनका पेशा उन्हें रोटरी तक ले आया। ''मैं स्वास्थ्य शिविरों एवं छखऊ में स्वयंसेवा देता था और तत्कालीन डीजी मानस चौधरी से प्रेरित होकर मैं 2003 में रोटरी से जुड़ा।''

दास को रोटरी की *हार्ट-टू-हार्ट* और *गिफ्ट ऑफ लाइफ* परियोजनाएं पसंद है और वह प्रसन्न है कि उनका अस्पताल, दी चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल, जन्मजात दिल की बीमारी से पीड़ित बच्चों की जांच करता है जिसके बाद उन्हें सुधारात्मक सर्जरियों के लिए दिल्ली या दुर्गापुर भेजा जाता है। ''अंत में उन्हें इतनी प्रसन्नता एवं एक नई ज़िंदगी के साथ वापस आते देखकर अद्भुत महसूस होता है।'' हाल ही में संस्थान को दिये गए उनके योगदान को हैती के 10 बच्चों के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाएगा जिनकी जल्द ही भारत में दिल की सर्जरियाँ होने वाली है।

सदस्यता को लेकर उनका लक्ष्य वर्तमान 3,000 सदस्यों में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का है जो उनके अनुसार हासिल किया जा सकता है क्योंकि पिछले तीन महीनों में 100 नए सदस्यों को शामिल किया गया है। ''महिला सदस्यता केवल 13 प्रतिशत है और मैं अधिक महिलाओं को भर्ती करने के लिए क्लब अध्यक्षों को प्रेरित कर रहा हूँ।''

दास टीआरएफ़ में मंडल के योगदान से संतुष्ट नहीं है। ''हमने पिछले 4-5 वर्षों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। यह 1.3 या 1.4 लाख डॉलर के आसपास मंडरा रहा है और मैं सुनिश्चित नहीं हूँ कि कैसे मैं इस वर्ष के 5 लाख डॉलर के मेरे लक्ष्य को हासिल करूंगा।''

वह उत्तेजित होकर उनकी परियोजनाओं की योजनाओं को साझा करते है जिसमें भारत में रोटरी के 100 वर्षों का उत्सव मनाने के लिए एक रोटरी नेत्र अस्पताल, ब्लड बैंक और एक आर्थोपेडिक पुनर्वास केंद्र शामिल है, जो सभी गुवाहाटी में स्थापित होंगे। ''डिरेक्टिड गिफ्ट के रूप में 30,000 डॉलर देकर मैं पहले ही सहायता कर चुका हूँ,'' वह कहते है। 200 स्कूलों को WinS के पहलुओं से सुसज्जित करना भी उनके एजेंडे में है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

बाढ़ पीड़ितों का पुनर्वास करना

टीम रोटरी न्यूज़

अगस्त 2018 की भयंकर बाढ़ को भला कौन भूल सकता है? जिसने केरल तथा कर्नाटक के लोगों के जीवन और आजीविका को तबाह कर दिया था। कुट्टनद और अल्लेप्पी केरल के उन स्थानों में से थे, जहां इस जलप्रलय का बड़ा प्रभाव पड़ा और देशभर के रोटेरियन इस अवसर पर पहुंचे तथा धन व राहत सामग्री दोनों राज्यों के बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाया। इससे पहले कि इन जगहों पर जीवन सामान्य हो पाता, इस वर्ष अगस्त में केरल में फिर से भारी बारिश का प्रकोप बरसा। रोटरी क्लब एलेप्पी, रो ई मंडल 3211 की सदस्य विजयलक्ष्मी नायर ने कहा, अभी भी, ''यहां कई लोगों के लिए काले बादलों को देखना एक बुरे सपने जैसा है।''

परियोजना समन्वयक विजयलक्ष्मी नायर, रोटरी क्लब अल्लप्पी के सदस्यों के साथ कायलापुरम में बाढ़ पीड़ितों को सामान वितरित करते हुए।

परियोजना समन्वयक के रूप में उनके नेतृत्व में क्लब, कुट्टनद के केंद्र में बसे 1,500 परिवारों वाले आवासीय इलाके कयलापुरम के बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के चरण में है। उन्होंने कहा कि जगह हमारे दिलों के करीब है क्योंकि हमने मूसलधार बारिश के दौरान यहां सबसे खराब स्थिति देखी हुई है, उन्होंने आगे कहा कि, ''फंसे हुए पीडितों को सुरक्षित जगह पर ले जाने, या उन तक भोजन और पानी पहुंचाने के लिए रोटेरियन बारिश के पानी से होते हुए या नावों पर सवार होकर वहां पहुंचे।''

हमने अब इस इलाके को गोद ले लिया है और पहले चरण में आठ बुरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत करने में मदद की है। एक नए घर का निर्माण किया गया तथा एक जरूरतमंद शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति को इसे सौंपा गया है। इलाके में वर्षा के जल को संचय करने की सुविधा तथा आरओ प्लांट की स्थापना की गई है। बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए तख्तों को ठीक करने के लिए कई घरों को प्लाइवुड शीट दी गईं हैं।

अगले चरण में, स्थानिय निवासियों को पानी से होने वाली बीमारियों और कई अन्य बीमारियों के इलाज हेतु मेगा चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों के लिए गद्दे, कंबल, घरेलू वस्तुएं, किराने का सामान तथा लेखन सामग्री वितरित की गई।

तीसरे चरण में निवासियों के लिए मनोबल विकास संबंधी सत्र का आयोजन किया गया था। क्लब के एक अन्य सदस्य पी ओ थॉमस ने कहा कि, ''प्रियजनों को खोने, संपत्ति के नुकसान, तथा घरों से विस्थापित होने के कारण लोगों में मानसिक-सामाजिक परिणाम चिंताजनक थे। नींद न आना और बुरे सपने दिखाई देना, यहां के लोगों की आम शिकायतें थीं और हमने विशेष रूप से बच्चों तथा युवा वयस्कों में आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया।''

हाल ही में, रोटेरियनों ने मूल पेड़ों द्वारा पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक घर में कटहल के पौधे वितरित किए। चूंकि, इस क्षेत्र में वृक्षारोपण तथा धान की खेती व्यापक रूप से की जाती थी, इसलिए खेती करने वाले लोगों को पौधे तथा खाद वितरित किए गए थे। ■

रोटरी क्लब पाटन ने छात्रों को छात्रवृत्ति देकर किया

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब पाटन, रो ई मंडल 3292 से पीईईएफ छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को कमलमणि एजुकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड्स (केईईए) प्रदान किए जा रहे हैं। प्रजापति एजुकेशन एंडोमेंट फंड (पीईईएफ) क्लब का प्रमुख कार्यक्रम है, जो पब्लिक स्कूलों में जरूरतमंद बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

2013 में स्वर्गीय रोटेरियन कमलमणि दीक्षित द्वारा शुरुआती प्रायोजन के साथ, केईईए फंड में रोटेरियन के समर्थन तथा दीक्षित परिवार के अतिरिक्त योगदान के बाद से विस्तार हुआ है। केईईए ने पीईईएफ छात्रवृत्ति धारकों के बीच ग्रेड नौ के मेधावी छात्रों को सर्टिफिकेट तथा ₹100,000 के कुल नकद पुरस्कार द्वारा 10 छात्रों को सम्मानित किया।

केईईए पुरस्कार समारोह में प्रथम पुरस्कार विजेता, बीर धोराज तमांग ने पीईईएफ - समर्थित स्कूलों के सभी पुरस्कार विजेताओं की ओर से मंच को संबोधित किया और मान्यता तथा नकद पुरस्कारों के लिए दीक्षित परिवार के सदस्यों व रोटरी क्लब पाटन से आए विशेष मेहमानों को धन्यवाद दिया।

KEEA प्राप्तकर्ता बीर धोराज तमांग (बीच में) अपनी माँ और अध्यक्ष के साथ।

आठ वर्ष पहले, उनका परिवार बेहतर जीवन के लिए काठमांडू चला गया था। तमांग ने अपनी शैक्षणिक सफलता का श्रेय इमादोले में स्थित श्री महेंद्र आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों तथा परामर्शदाताओं, अपने बड़े भाई और अपनी मां को दिया। तमांग ने कहा कि, ''मैं रास्ते में आने वाली विफलताओं के बावजूद हमेशा अपनी पूरी कोशिश करता हूं। मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहता हूं और समाज की सेवा करना चाहता हूं।'' उनकी माँ को खुद की पढ़ाई करने का अवसर नहीं मिला लेकिन, उन्होंने हमेशा अपने बच्चों को पढ़ाई करने तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया। ■

कोलकाता में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में की गई 600 व्यक्तियों की जांच

रोटरी इंडिया के शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर 34 अन्य क्लबों के साथ रोटरी क्लब बेलूर, रो ई मंडल 3291 ने पार्क स्ट्रीट मेट्रो स्टेशन पर एक मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया। डॉक्टरों के एक समूह ने विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लगभग 600 व्यक्तियों की जांच की।

कोलकाता के सभी रोटरी क्लबों ने जून 2020 तक भारत में रोटरी के 100वें वर्ष को चिह्नित करने हेतु कार्यक्रमों की एक श्रृंखला तैयार की है और इनमें चिकित्सा शिविर, मेगा इवेंट तथा महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

DG अजय अग्रवाल शिविर में अपना स्वास्थ्य-जांच करवाते हुए।

सचमुच, रोटरी दुनिया को जोड़ते हैं

डोलकिन जमींदार

विदेश में छुट्टियों के दौरान पासपोर्ट का गुम हो जाना वास्तव में असली दु:स्वप्न है। ऐसा घटित होना केवल आपकी यात्रा की योजनाओं को ही पर्याप्त रूप से बाधित ही नहीं कर देगा बल्कि यह आपको घबराहट के दुष्चक्र में भी ले जा सकता है।

60 आईटी प्रोफेशनल्स के साथ जुलाई में कुआलालंपुर की चार दिनों की यात्रा के दौरान, मुझे अपने परिवार के चार पासपोर्ट को गुम हो जाने के परिणामों का सामना करना पड़ा - मेरे दो बच्चों, पत्नी और मेरे खुद का पासपोर्ट। हमने टूर-गाइड की लापरवाही के कारण अपना बैग खो दिया जिसमें पासपोर्ट था इसका पता हमें हमारी रिटर्न फ्लाइट के लिए एयरपोर्ट पर पहुँचने के बाद ही लग पाया।

हमने केएल एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में गुम हुए पासपोर्ट और सामान के लिए एक एफआईआर दर्ज करवायी और होटल लौट आए। हम हताश हो गए थे और हम मार्गदर्शन की तलाश में थे कि हम अपने पासपोर्ट और सामान को वापस प्राप्त करने के लिए कहां जाएं, कैसे वापस प्राप्त करें और किससे मिलें क्योंकि सभी सरकारी कार्यालय अगले सप्ताह तक बंद थे। तब उस स्थिति में रोटरी हमें इस संकट से मुक्ति दिलाने आई। फेसबुक के माध्यम से हमने रोटेरियन जरीफ से संपर्क स्थापित किया और उनसे स्थानीय रोटरी क्लब के अध्यक्ष की कांन्टेक्ट डिटेल मांगी। जरीफ ने तुरंत ही हमारी मदद की।

जल्द ही रो ई मंडल 3300, रोटरी क्लब कुआलालंपुर डीराजा के अध्यक्ष जेड जरीमन ने हमें फोन किया और वे रोटेरियन सैयद रेजदा शाह के साथ हमारे होटल में हमसे मिलने आए। उन्होंने हमें पूरी मदद करने का आश्वासन दिया और उन्होंने कहा कि वे सामान के साथ हमारे पासपोर्ट को वापस प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करेंगें।

जरीमन ने हमारी डिटेल्स को उनके रोटरी ग्रुप को प्रसारित किया और उनके रोटरी ग्रुप के सभी सदस्य तत्परतापूर्वक हमारी मदद करने के लिए आगे बढ़े। रोटेरियन दातो राम नायर ने हमारी स्थिति को मलेशिया के राजा के सामने स्पष्ट किया जल्दी ही उनके सचिव ने मेरे मामले की डिटेल को प्राप्त करने के लिए मुझे फोन किया। कुछ ही समय में आधिकारिक रूप से हमारे निकलने की प्रक्रियाएं ठीक हो गईं, भारतीय उच्चायुक्त अनुराग सिंह से उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए उनको धन्यवाद।

सोमवार की सुबह, दो घंटे के भीतर ही हमें अपना ईमरजेंसी सार्टिफिकेट (वाइट पासपोर्ट) मिल गया और हमने अपनी एक्जिट पास प्रोसिडयोर को पूरा कर लिया। सोमवार रात को हम भारत वापस आ गए। यह है रोटरी की ताकत। केवल मात्र इतनी सी घटना यह सिद्ध करती है कि रोटरी अजनबियों के लिए एक बहुत विशाल विश्वव्यापी परिवार है।

जरीमन ने हमारी हर तरह से सहायता की ताकि हम जल्दी से जल्दी घर पहुँच सकें। उनकी मित्रता और स्थिति को संभालने के प्रति उनकी सहजता को हमेशा ही याद किया जाएगा। रेजदा शाह दो दिन तक हमारे साथ थे और उन्होंने हमारे पासपोर्ट फोटो बनवाने, ऑनलाइन आवेदन पत्र की प्रक्रिया को करने, और एक अन्य एफआईआर दर्ज करवाने में हमारी मदद की। वह रविवार को देर रात तक एयरपोर्ट पर हमारे साथ रहे थे जब उन्होंने तलाश की थी और विभाग को पाया और इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ गए।

हम रेजदा के आभारी हैं क्योंकि वे हमारे बच्चों को जेंटिंग हाइलैंड्स में लेकर गए ताकि वे वहां पर आनंद उठा सकें और तनाव को भूल पाएं। मेरे बच्चों ने उनके साथ होने का आनंद लिया और उनसे दोबारा मिलने की आशा करते हैं।

हालाँकि हमें अपने पासपोर्ट और सामान को खोने का कठोर अनुभव मिला था लेकिन हम रोटेरियन के प्रति आभारी हैं जिन्होंने समय पर हमारी मदद की।

इस घटना ने हमारे लिए कुलालामपुर में नए संबंधों को निर्मित किया। वास्तव में रोटरी विश्वस्तर पर एक विस्तृत परिवार है।

(लेखक रोटरी क्लब भरूच,
रो ई मंडल 3060 के सदस्य हैं)

दाएं से बाएं : सैयद रेज़दा शह, टाल्किन जमींदार, रोटरी क्लब कौलआलंपूर डिराजा अध्यक्ष ज़ेड ज़रिमान, ज़ुहायिर जमिंदार, ज़ुनेरा जमींदार और रिज़वाना जमींदार।

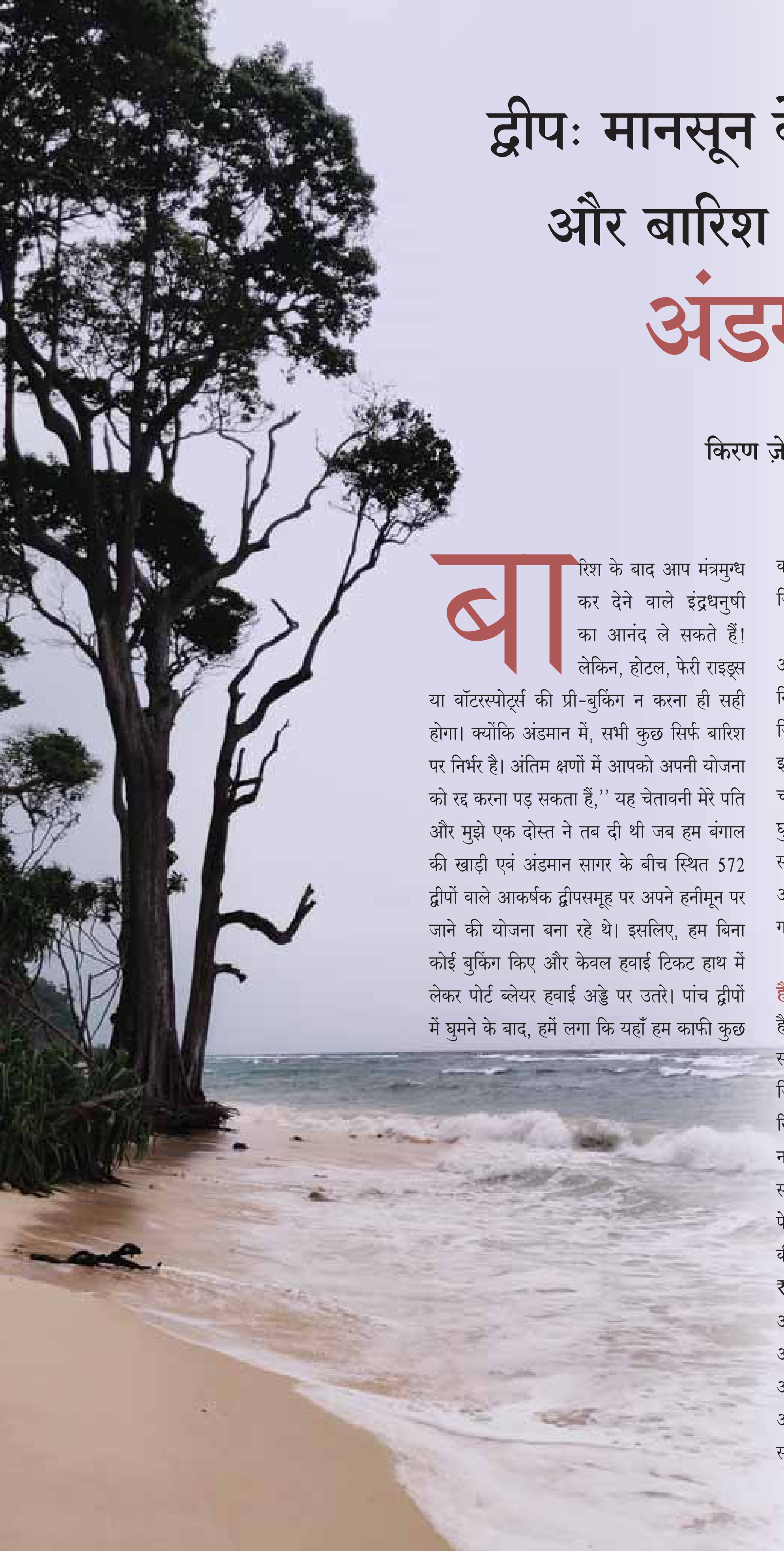

द्वीपः मानसून के दौरान यात्रा और बारिश में भीगता अंडमान

किरण ज़ेहरा

बारिश के बाद आप मंत्रमुग्ध कर देने वाले इंद्रधनुषी का आनंद ले सकते हैं! लेकिन, होटल, फेरी राइड्स या वॉटरस्पोर्ट्स की प्री-बुकिंग न करना ही सही होगा। क्योंकि अंडमान में, सभी कुछ सिर्फ बारिश पर निर्भर है। अंतिम क्षणों में आपको अपनी योजना को रद्द करना पड़ सकता हैं,'' यह चेतावनी मेरे पति और मुझे एक दोस्त ने तब दी थी जब हम बंगाल की खाड़ी एवं अंडमान सागर के बीच स्थित 572 द्वीपों वाले आकर्षक द्वीपसमूह पर अपने हनीमून पर जाने की योजना बना रहे थे। इसलिए, हम बिना कोई बुकिंग किए और केवल हवाई टिकट हाथ में लेकर पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर उतरे। पांच द्वीपों में घुमने के बाद, हमें लगा कि यहाँ हम काफी कुछ कर सकते हैं, क्योंकि यहाँ का मानसून शानदार है, जिससे भूमि धूसर तथा गीली हो जाती है।

एक दिन, हम एक साधारण से होटल में रुके और अगले दिन सुबह 9 बजे हैवलॉक के लिए निकल गए। लेकिन, राइड उतनी अच्छी नहीं रही, जितनी की हम उम्मीद कर रहे थे। कई पर्यटकों को इस राइड के दौरान समुद्र की वजह से घबराहट और चक्कर आने की शिकायत भी हुई। लग्जरी क्रूज़ पर घुमने को लेकर ज्यादा शेखी न बघारे, जिसकी कीमत सरकारी फेरी की कीमत से तीन गुना है! इस नाव पर आपको इसकी टीवी स्क्रीन पर चलाए जा रहे दुखी गाने सुनने के लिए काफी सहनशील बनना होगा।

हैवलॉक

हैवलॉक में भीड़ भरे घाट पर उतरते हुए हमने एक स्थानीय ऑटोरिक्शा चालक से दोस्ती कर ली, जिसने हमें पास के एक आरामदायक ग्रीन वैली रिज़ॉर्ट होटल में चेक-इन करने में मदद की, जो नारियल के ताड़ के बीच स्थित कॉटेज के साथ, समुद्र तट के बगल में स्थित, और उष्णकटिबंधीय पेड़ों के नीचे स्थित है। कॉटेज में रुकने की एक रात की कीमत ₹1,700 थी, जो अच्छे मौसम के दौरान ₹4,500 हो जाती है। हमने जल्द ही मानसून का आनंद लेना सीख लिया, भीड़ ने फूलों की सुगंध और रंगों को थोड़ा बढ़ा दिया और ताड़ के पेड़ और अधिक सुनहरे महसूस होते हैं; बारिश अंडमान को और अधिक आकर्षक और लगभग 50 प्रतिशत तक सस्ती बना देती है।

रेस्तरां एक पंक्ति में बेहद करीब स्थित है, जिससे आपको अपने लिए खाना ढुढ़ने के लिए विभिन्न रेस्तरां में जाने का अवसर मिलता है। हमें अपने रिसॉर्ट में सिर्फ एक बार भोजन करना था, लेकिन मूसलधार बारिश ने सारा मामला गड़बड़ कर दिया जो पूरी रात और अगली सुबह तक भी होती रही। दोपहर तक, हम रेनकोट पहने किराए (₹350 प्रति दिन) के स्कूटर पर द्वीप पर घुमने के लिए बाहर निकले। हम द्वीप के पूर्व की ओर शानदार राधानगर समुद्र तट पर पहुँचे। विशाल पेड़ों के बीच से होते हुए यहां पहुंचना बेहद शानदार अनुभव रहा।

समुद्र तट पर ठंडे और बारीश भरे दिन के बाद खुद को गर्म करने के लिए आप सीधे समुद्र तट स्थित *समथिंग डिफरेंट* नाम के रेस्टो-बार में जा सकते हैं। अनानास कप में पिना कोलाडा पीना और हरे प्याज़ और अदरक के टुकड़े छिड़की हुई उबली मछली का आनंद लें। हालांकि, यह दिखावा करने जैसा है लेकिन यह किया जा सकता है। यदि आपने रेस्तरां से बाहर निकलने और शांत समुद्र तट तथा कोरल देखना चाहते हैं, तो आपको 'रीफ वॉचिंग' के लिए 100 रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना होगा!

अपने पहले स्कूबा डाइव के लिए हम इस तरह के मौसम का अंदाजा लगाने के लिए स्पोर्ट सेंटर गए। हमने तीन सेंटर में गए और स्कूबा ट्रेनिंग, आधे घंटे तक 10-मीटर तक गोता लगाना तथा हमारे पानी के नीचे की तस्वीरों और वीडियो के लिए 2,000 रुपये प्रति व्यक्ति (बाद में यह कीमत 4500 रुपये थी) में बात तय की। सुरक्षा ब्रीफिंग के बाद, हम समुद्र में लगभग 8.5 मीटर की गहराई में गए! छोटे लाल स्कॉर्पियन फिश, पीले स्नैपर, रंगीन पैरट फिश, शैवाल पर प्यारे छोटी पीली मछलियां खाते हुए और सरू के पेड़ों के आकार में लाल-नारंगी रंग के कृमि को देखना अंडमान का सबसे पसंदीदा अनुभव था।

नील

नील द्वीप समूह पहुंचने के लिए सरकारी फेरी का उपयोग करें। स्थानीय लोगों के लिए एक टिकट की कीमत 62 रुपये है, लेकिन पर्यटकों को इसके लिए 550 रुपये देने पड़ते हैं। आप पूरी राइड के दौरान डेक पर बैठने का विकल्प चुन सकते हैं और यदि आपको समुद्र में घबराहट तथा चक्कर आने की शिकायत है तो एक क्रू सदस्य आपको शांत करने के लिए नींबू और नमक देगा। पोर्ट ब्लेयर से 37 किमी दक्षिण में स्थित, नील को अंडमान द्वीप समूह की सब्जियों का कटोरा कहा जाता है। नील द्वीप में हालांकि कोई फैंसी रेस्तरां नहीं हैं, लेकिन प्लास्टिक की मेज तथा कुर्सियों पर बैठकर समुद्र तटों पर बनी झोंपड़ियों में खुली हवा में खाने का आनंद लिया जा सकता है। मछली के साथ परोसी गई थाली केवल 140 रुपये से शुरू होती है और सरसों के ओकरा को तो कोई जवाब ही नहीं है! आपको केवल नील में ही अंडमान का सबसे स्वादिष्ट रसगुल्ला मिल सकता है इसलिए उन्हें जरुर खरीदें।

दुर्भाग्य से हमें मानसून में बादलों से भरे आकाश की वजह से नील में भव्य लक्ष्मणपुर समुद्र तट पर डूबते हुए सूरज को देखने का मौका नहीं मिला। न ही हम सीतापुर बीच पर सूरज को उगते हुए देख सके। लेकिन सब कुछ सुंदर है और बारिश में यह वाकई बेहद खुबसुरत नजर आता है.....अस्पष्टीकृत प्रवाल भित्तियाँ, सुनसान सफेद रेतीले समुद्र तट, और

योगा डोग।

ऊपर : रास द्वीप समूह के खंडहर।

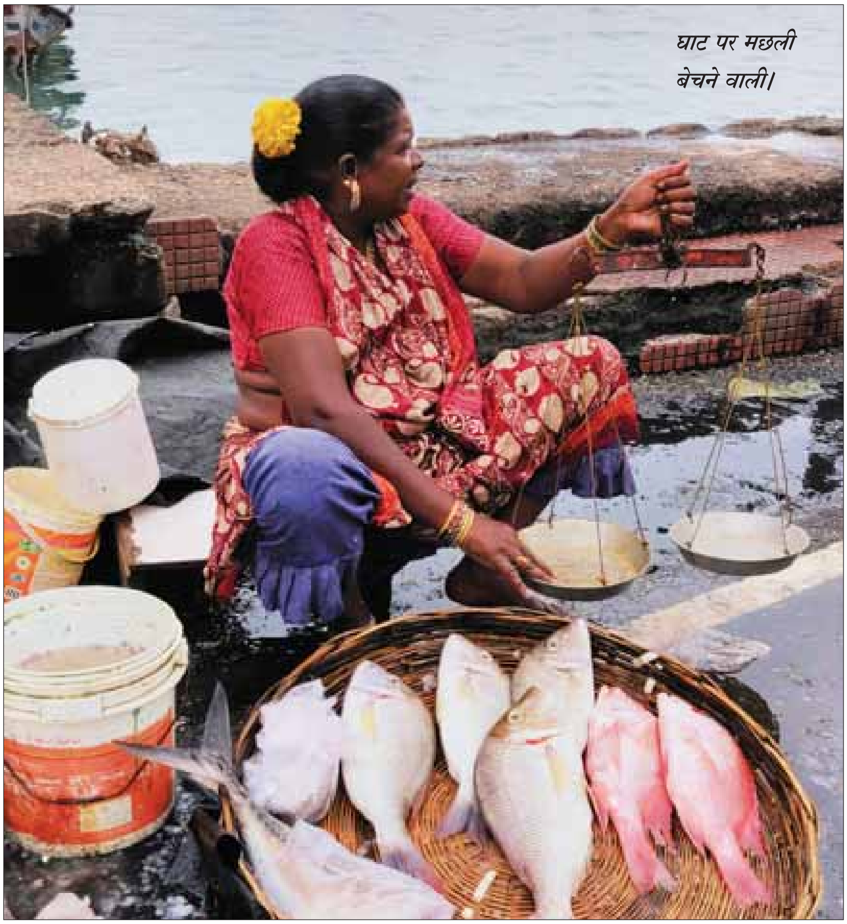

घाट पर मछली बेचने वाली।

उष्णकटिबंधीय द्वीप! इतना शांत कि आप कुत्तों और गिलहरियों को एक साथ योग करते हुए भी देख सकते हैं! भले ही स्थानीय गाइड आपको उन्हें किराए पर लेने के लिए परेशान करें, लेकिन नील में बीच नंबर 2 पर स्थित प्राकृतिक कोरल ब्रिज पर अकेले ही घुमे। पुल खुद में बेहद सुंदर है और इसके चारों ओर उथले पथरीले समुद्र तट यहां अद्भुत समुद्री जीवन का अनुभव देते हैं। आपको यहां हरी खाल वाले केकड़ों के साथ सैकड़ों स्टारफिश और समुद्री खीरे देखने को मिलेंगे।

रॉस द्वीप के खंडहर

पोर्ट ब्लेयर से 15 मिनट की नाव की सवारी करके आप रॉस द्वीप पहुंच जाएंगे, जहां आप पुराने ब्रिटिश बस्ती के डरावने खंडहरों से गुजरते हुए तीन घंटे बिता सकते हैं, यहां आपको अंजीर के पेड़, पीपल के पेड़ और हरी काई देखने को मिलेगी, जो आपने शायद ही पहले कभी देखा हो। बारिश होने से आप निराश हो सकते हैं, लेकिन यदि आप रहस्यमय खंडहरों को देखना चाहते हैं, तो उस कब्रिस्तान की ओर जाएं, जो 1857 से द्वीप के पश्चिमी हिस्से में है। मुख्य रास्ते से होता हुआ चक्करदार मार्ग आपको भीड़ से अलग ले जायेगा, और समुद्र को पार करने वाला पुल आपको निर्जन नाविक की मूर्ति के बगल में स्थित आकर्षक पुराने प्रकाश स्तंभ की ओर ले जाएगा।

रॉस द्वीप को 2004 की सुनामी में भारी नुकसान हुआ था और जिसकी वजह से पोर्ट ब्लेयर शहर बड़े विनाश से बच गया था। अगर आप महंगी स्कूबा डाइव या स्नॉर्कलिंग नहीं करना चाहते हैं, तो नॉर्थ बे द्वीप पर जाना आपके लिए समय की बर्बादी होगी और चूंकि मॉनसून के दौरान माउंट हैरियट, लीची (जोंक) से प्रभावित होता है, इसलिए हमने यहां न जाने का फैसला किया।

बारातांग

हमारी ट्रिप का सबसे रोमांचक हिस्सा पोर्ट ब्लेयर से 150 किमी दूर बारातांग द्वीप समूह के लिए ड्राइव करना था। जिरकाटांग पोस्ट तक पहुंचने के बाद, एक रक्षक दल आपको लेकर जारवा रिजर्व फॉरेस्ट में 49 किलोमीटर की दूरी तक जाता है, जहाँ आप न तो तस्वीरें खींच सकते हैं और न ही बाहर निकलने के लिए अपनी गाड़ी को रोक सकते हैं। जारवा रिजर्व फॉरेस्ट के दूसरे छोर पर मिडल स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) जेट्टी स्थित है। यहां नौका आपको लगभग 15 मिनट में जलडमरूमध्य की दूसरी ओर ले जाती है और फिर वहां से आफ छोटी नाव से बारातांग के मैंग्रोव

सेलुलर जेल, अंडमान में ब्लॉक नंबर 6।

नीचे : मछली थाली।

में जा सकते हैं, जहाँ से एक मुश्किल भरा 1.8 किमी का रास्ता आपको प्राकृतिक चूना पत्थर की गुफाओं की ओर ले जाता है। ये प्राकृतिक संरचनाएं बेहद लुभावनी हैं और आपका नाव चालक गाइड की भूमिका भी निभाते हुए आपको पौराणिक चरित्रों से लेकर विशालकाय मगरमच्छों और मानव चेहरों तक की संरचनाओं को दिखाएगा। हमने जारवा के दो लोगों

रविवार मंडी।

रॉस द्वीप को 2004 की सुनामी में भारी नुकसान हुआ था और जिसकी वजह से पोर्ट ब्लेयर शहर बड़े विनाश से बच गया था।

को रिजर्व फ़ॉरेस्ट के लिए वापस आते समय रास्ते में एक विशाल हरे पत्ते पर बारिश में तैरते हुए देखा।

पोर्ट ब्लेयर

शहर में घुमने में सेलुलर जेल तक जाना भी शामिल है जो भारतीय उपमहाद्वीप में ब्रिटिश शासन की एक गहरी याद को दर्शाती है। व्यक्तिगत कमरों में स्वतंत्रता सेनानियों के अकेले कारावास देने की वजह से जेल का नाम मसेल्युलरफ पड़ गया। आप एक पुरी तरह से बंद जेल के अंदर बाहर निकले का रास्ता खोजते हुए डरा हुआ अनुभव कर सकते हैं, लेकिन! यह एक उत्साही पर्यटक के लिए वो अनुभव है जो वह एकांत में रहकर अनुभव करना चाहता है। कुछ संग्रहालयों का भ्रमण करने के बाद, आप शाम का समय बिताने के लिए कॉर्बिन के कोव समुद्र तट पर जा सकते हैं। यह पोर्ट ब्लेयर के सबसे अधिक पसंदीदा समुद्र तटों में से एक है, जिसमें दुसरे विश्व युद्ध के दौरान के कई जापानी बंकर मौजूद हैं।

पोर्ट ब्लेयर से क्रमशः 30 और 35 किलोमीटर स्थित वंडूर और बर्ड आइलैंड (चिड़िया टापू) की यात्रा जरुर करनी चाहिए। वंडूर जाते समय जब हम 15 साल पहले इस क्षेत्र में आई सुनामी से समुद्र के पानी से बर्बाद हुए खेतों और घरों से गुजर रहे थे, तब हमारे ऑटो चालक ने हमें 2004 की सुनामी में जीवित बचने वालों की कहानियां सुनाईं। उसने बहुत ही गंभीर होकर कहा, यह चिपचिपी मिट्टी इस बर्बादी को हमारी जमीन से और हमारी यादों से मिटने नहीं देगी। उस वक्त इसकी वजह से करीब 10,000 लोगों की मौत हो गई थी।

हम जब तक वहां रुके, लगभग हर शाम पोर्ट ब्लेयर के बाजारों में घूमते रहे। बाजार में महिला विक्रेताओं की संख्या अधिक है और दिन की शुरुआत होते ही वो यहां आ जाती हैं। सब्जियां और फल बारिश में ताजे और चमकते हुए दिखते हैं। भारी बारिश के बाद यह दलदली, चिपचिपा और भीड़भाड़ वाला बाजार लगता है, जो मोलभाव करने वाले लोगों, मरी हुई मछलियों और भूखे मंगोंगों से भरा रहता है। अपने ट्रिप के अंत तक हमें मालूम हो गया था कि एटीएम कहां हैं, हमारे घर पर रहने के दौरान मोंग्रेल्स हमारे आसपास रहते थे, हमें घाट पर मछली बेचने वाली महिलाएं पहचानने लगी थीं, हम सोमू के पानी पूरी के स्टाल का समय और भुवनेश्वरी यानि नींबू सोडा की दुकान कहां लगती है, ये भी जान चुके थे।

दूसरे रेस्तरां में नारियल का पानी पीना, केले खाना और तली हुई मछलियां खाना हमारी रुटीन बन गई थी। यह अपरिचित जगह अचानक ही हमें घर जैसी लगने लगी, जिसमें आप थोड़ा समय और बिताने का सोच सकें।

चित्र: किरण ज़ेहरा

सुंदरता को अपने दिल का दरवाजा खोलने दें

भरत और शालन सवुर

जब दिमाग रिक्त होता है, तो मन गहराई से दुनियाभर की सभी रहस्यमयी और मार्मिक रूप से सुन्दर चीज़ों से प्रभावित होता है। हाल ही में, मैंने कैनरी दा माटा कहलाई जाने वाली एक छोटी भूरी रंग की चिड़ियाँ का वीडियो देखा। लकड़ी के एक लट्ठे पर बैठी यह छोटी सी चिड़ियाँ अपने पंख को एक अर्ध-चंद्राकार पंखें की तरह फैलाती है और उन्हें आसमान की ओर देखते हुये ऊपर उठाती है। उसने ऐसा एक बार किया। उसने ऐसा दूसरी बार किया। और तीसरी बार किया... जाहिर तौर पर, वह हर सुबह सूर्योदय के समय ऐसा करती है। उसकी सुंदरता प्रकट करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है...

जीवन रहस्यपूर्ण, जादुई ढंग से सुंदर है। हर दिन इसकी सुंदरता को अपने भीतर प्रवेश करने दें, क्योंकि, सुंदरता को अनुभव करने का अर्थ है अपनी आंतरिक सेहत को स्वास्थ्यकर और मधुर ढंग से पूरी तरह अनुभव करना। वास्तव में, शुद्ध सौन्दर्य एक शारीरिक उपचारक शक्ति है। हम इसके अद्भुत स्पंदन में अपनी सांसें पकड़ते है, जो हमारी अपनी ही गहराइयों में उमड़ती है।

सच्चाई में एक प्रयोग। हमने अक्सर सुना है कि तनाव हमारे अंदर क्या करता है। सुंदरता भी ठीक वैसे ही काम करती है लेकिन विपरीत प्रभाव के साथ। जैसा कि हम पहले से जानते है, हम हमारे अंदर हमेशा रोगाणु और बैक्टीरिया लेकर चलते है। अब हम इन नन्हें और हमेशा घूमते रहने वाले जीवों के साथ अपनी कार्यप्रणाली के बारे में थोड़ा अधिक सीख रहे है। एक वैज्ञानिक ने दो पेट्री-डिशों में कोशिकाएँ रखी। एक डिश में, उसने पोषक तत्व रखे और दूसरी में विष। आधे घंटे बाद, उसने देखा कि कोशिकाएँ पोषक तत्वों की तरफ चली गई थी... और दूसरी डिश में, कोशिकाएँ विष से दूर चली गई और स्वयं को बंद कर लिया था! ज़रा सोचिए कि आपके अंदर क्या होगा जब आप खूबसूरत सूर्योदय को या कैनरी दा माटा को पंख उठाते हुये देखते हो! आपकी कोशिकाएँ सचमुच स्वयं को खोलती है और आपके द्वारा प्रदान किए जाने वाले मीठे पोषण का आनंद लेती है। आपका दिमाग हाइपोथैलेमस को यह कहकर सिग्नल भेजता है, यह एक सहायक परिवेश है! जो बदले में, इन सिग्नलों को पीयूष ग्रंथियों को भेजता है जो उसे आगे शरीर की सभी कोशिकाओं में प्रसारित करती है।

जब आप एक विस्मयकारी अनुभव से गुजरते है, तो यह प्राणायाम के साथ-साथ व्यायाम दोनों का काम करता है। वास्तव में, सौन्दर्यशास्त्र शब्द ङ्मैं गहरी सांस लेता हूँफ़ से या बोलचाल की भाषा में कहें तो ङ्मैं हाँफता हूँफ़ से बना है। शुद्ध निर्दोष आनंद और प्रसन्नता हमारे साथ ऐसा करती है। हम ऐसे सांस लेते है जैसे हमने पहले कभी ना ली हो - शरीर और आत्मा की पूर्णता में, सुव्यवस्था और भावनात्मक ऊर्जा के समेकन में, सामंजस्य से भरे एक आंतरिक परिवेश में। वाइज कहते है, भगवान वह हवा है जो आपके अंदर से बहती है।

मैं आपसे वादा करता है, मुझे यह प्रचंड रूप से तब महसूस होता है जब मैं लॉरेंस एंथनी के सच्चे-जीवन के किस्से पढ़ता हूँ, वह महापुरुष जो दक्षिण अफ्रीका में रहते थे, जिन्होंने *द एलिफ़ेंट व्हिसपरर*

लिखी थी और वन्य-जीवों को मानव अत्याचारों से बचाने में अपार साहस और चातुर्य का प्रदर्शन किया था। यह ज्ञात है कि उन्होंने दुनिया भर के बहुत से हाथियों का पुनर्वास किया था। बगदाद में 2003 में किए गए अमेरीकी हस्तक्षेप के दौरान चिढ़ियाघर के जानवरों को बचाने का उनका प्रयास महान था।

7 मार्च, 2012 को, अपनी पत्नी, बेटों और पोतों को अकेला छोड़कर एंथनी चल बसे। दो दिन बाद, उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए दुनियाभर के विभिन्न कोनों से 31 हाथी उनके घर पहुंचे। हाथियों को उनकी मृत्यु के बारे में कैसे पता चला? यह एक रहस्य है। ऐसा कहा जाता है कि वे उनके दक्षिण अफ्रीका स्थित घर तक पहुँचने के लिए 12 घंटों तक चले थे। वे बिना खाये-पिये केवल शोक मनाकर, गहरा सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता दिखाते हुये उनके घर के बाहर दो दिनों तक रुके रहे। और तीसरी सुबह, वे जितनी शांति और श्रद्धापूर्ण ढंग से आए थे, वैसे ही लौट गए।

सुंदरता की एक खिड़की। हम में से हर एक को ङ्क्षसुंदरता की एक ऐसी ही खिड़कीफ की आवश्यकता होती है जिसके पार हम देख सकें और जो निराशावाद, कड़वाहट, अपराध, नफरत, बीमारी के सख्त आवरण को धीरे-धीरे एवं निरंतर खत्म करके सुखदायक, प्रकाशमान आंतरिक शांति को अंदर आने दे। फिर ज़िंदगी, जीने का संघर्ष या कॉर्पोरेट में ऊंचाइयों तक पहुँचने की चढ़ाई या बीमारी और समय के खिलाफ दौड़ नहीं लगती, बल्कि एक शांत, स्थिर, रहस्यमय क्षेत्र लगती है जहाँ पर आप एक क्षण के लिए समय से बाहर आकर अमरत्व का स्पर्श करते है। और आप ठीक वहीं होते है जहाँ आप है, अपने मन से देखते हुये।

यह एक दिन की छुट्टी लेने के बारे में है जिसमें आप या तो कुछ भी नहीं करते या कुछ ऐसा करते है जो हफ्ते भर नहीं करते है। लंबी, धीमी गति से चलिये और अपने तलवों को स्वागत करती हुई धरती को छूने दें, आपकी आँखों को शीतल हरियाली को छूने दें और अपनी त्वचा को स्फूर्तिदायक हवा को छूने दें। एक तितली का चित्र बनाइये या रेत पर लेटकर समुद्र को सुनिए...

छोटे दिये रोशन कीजिये। किंग्स्टन, जमैका, के एक उच्च अपराध दर वाले क्षेत्र में, सड़कों से भित्ति चित्र एवं कूड़ा साफ कर दिया गया, टूटी हुई लाइटों को सुधारा गया, फूलदार पौधे लगाए गए... इससे आशा दिखी और सुरक्षा का एहसास हुआ। स्वच्छता मुहिम से आशा लेकर कौशल विकास पाठ्यक्रम, परिवार सहायता कार्यक्रमों की शुरुआत की है। और अपराध दर नाटकीय रूप से कम हो गई। यदि आपको जीवन कठिन लगता है, तो उन तरीकों को खोजिए जिनसे आप उसमें सुंदरता भर सकते है। अपने स्वयं के छोटे दियों को रोशन कीजिये। बॉब थेव्स द्वारा बनाए गए *फ्रैंक और अर्नेस्ट* नामक एक कार्टून में एक आदमी को पर्दा हटाते हुये दर्शाया गया है और वह दूसरे आदमी से कह रहा है, मेरे हिसाब से जब मैं पर्दा हटाता हूँ तो मैं सूर्य की रोशनी को अंदर आने नहीं दे रहा हूँ। बल्कि अंधेरे को बाहर जाने दे रहा हूँ।

सूर्य इस बात को लेकर कभी आश्वस्त नहीं होता कि अगली सुबह उसे बादल ढकेंगे या नहीं, फिर भी वह चमचमाना जारी रखता है। अगले दिन, यहाँ तक कि अगले पल में भी कुछ भी हो सकता है। बस चमकना जारी रखें और अपना सर्वश्रेष्ठ करें। जीवन के रोमांच को महसूस करें।

एक यात्रा इतनी सुंदर... जब आप जीवन को शरीर नामक स्पेस सूट पहने, सूर्य नामक विशाल आग के गोले के चक्कर लगाते धरती नामक अन्तरिक्षयान की एक रहस्यमयी यात्रा के रूप में देखते है, तो आप मन, शरीर और आत्मा में रोशनी के प्रसार की और उस आश्चर्य के साथ विषमता की भूमि और अविश्वसनीय तीव्रता में रहने की महत्ता को समझते है जहाँ आकाश चिरकाल की तरह है और फूल मिली सेकंड के बराबर है। इन खूबसूरत शब्दों को अल्पाइन टुंड्रा के बारे में एन ज़्विंगर और बीट्रीस विलार्ड द्वारा उनकी किताब *द लैंड अबव दी ट्रीस* में लिखा गया है।

यहाँ तक कि हमारे डीएनए के एक अणु की संरचना में भी, विज्ञान के मुताबिक, एक आंतरिक सुंदरता, स्पष्टता और समरसता होती है। जब हम हमारे अंदर की रोशनी को जागृत करते है तो यही चीज़ हमें गूढ़ और प्रकाशमान बनाती है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

रोटरेक्टर आत्महत्या पर व्यख्यान देते हैं

जयश्री

दुर्भाग्य से कुछ लोग अपनी मानसिक बीमारी या अपने जीवन की परिस्थितयों के कारण इतने अधिक उदास हो जाते हैं कि वह वह आत्महत्या करने को उनके भावनात्मक दर्द से बचने के एक विकल्प के रूप में समझने लग जाते हैं। वास्तव में वह मरना नहीं चाहते हैं, लेकिन वे सिर्फ यह नहीं जानते हैं कि वे जिस दुख-दर्द से गुजर रहे हैं उस दुख-दर्द को उन्हें कैसे झेलना या खत्म करना है। इस तरह के गहरे विचारों को रोटेरियन ध्रुव पारिख, आरएसी आईएसएमई, रो ई मंडल 3141 के अध्यक्ष के द्वारा शेयर किया गया।

रोटारेक्टरों ने वर्ल्ड सुसाइड प्रीवेंशन डे (10 सितंबर) को एंटी-सुसाइड कैंपेनियन के साथ मनाया। 'वर्किंग टूगेदर टू प्रीवेंट सुसाइड' (आत्महत्या को रोकने के लिए साथ मिलकर काम करें) इस साल के लिए उनके क्लब की थीम थी। रोटारेकटरों ने स्कूलों, कालेजों और कार्यालयों का विजिट किया। उन्होंने संदेश लेखन प्रतियोगिता जैसे आयोजन किए जिसमें कि प्रतिभागियों को आत्मघाती प्रवृतियों से निजात पाने के लिए सकारात्मक संदेशों को लिखना था और उन्होंने निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें उन्हें आत्मघाती विचार रखने वाले लोगों के लिए प्रोत्साहन देने वाले विचारों को लिखना था। चार्ट और निबंध सभी लोगों के देखने के लिए कैंपस में प्रदर्शित किए गए थे।

आत्म-विकास पर एक सत्रा।

एक कार्यालय कर्मचारी एक आत्म-हत्या विरोधीनाश लिखते हुए।

अपने हाथों को अपने दिल पर रखिए, क्या आप इसे महसूस कर सकते हैं? इसे उद्देश्य कहते हैं। आप किसी उद्देश्य या कारण के कारण जीवित हैं इसलिए कभी आशा नहीं छोड़ें। जब कभी आपको ऐसा लगे कि आप हार मान गए हैं तो सिर्फ उस उद्देश्य को याद करें जिसके लिए आप इतने लंबे समय से यहां पर हैं। यदि आप खुद को मार देंगे या आत्महत्या कर लेंगे तब आप उन लोगों को भी मारने जा रहे हैं जो आपसे प्रेम करते हैं। सुख और दुख जीवन के दो पहलू हैं। वे अविभाज्य हैं अर्थात वे एक साथ ही हैं। यदि आप अभी सिक्के के केवल ही एक दुखपूर्ण पहलू का अनुभव कर रहे हैं तब आप भविष्य में सुखपूर्ण पहलू का भी अनुभव अनिवार्य रूप से करेंगे - धारा में बदलाव होगा।

यह उन व्यख्यानों का सार था जो रोटरेकटरों द्वारा कुछ कैंपों में संबोधित किया गया था।

पारिख ने कहा - ''कार्यक्रम के अंत में हम अपने को इतना अधिक संतुष्ट महसूस कर रहे थे कि जैसे हम दुनिया के सभी भागों से कष्ट देने वाली समस्याएं जो अभी तक कम ही पहचानी गई हैं उनका भी समाधान करने में समर्थ थे।''

रोटरी क्लब एस के सोमैया और बॉम्बे पवई के साथ में मिलकर क्लब ने आईएसएमई कैंपस में स्वयं के विकास (सेल्फ- डेवलपमेंट) पर एक सत्र आयोजित किया। स्वयं के प्रति प्रेम, जोखिम उठाने, विफलताओं का सामना करने और देने की कला पर प्रेरणादायक व्यख्यान शर्मी दीवान, पवन बदलानी और राज समानी के द्वारा दिए गए। उन्होंने कहा - ''यह उस तरह का सत्र था जिसने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने और उनको बड़ी सोच रखने के प्रति प्रेरणा दी।'' ■

डालमियापुरम में छात्रों ने बनाए 20,000 सीड बॉल

टीम रोटरी न्यूज़

लगातार तीसरे वर्ष, आरसी डालमियापुरम, रो ई मंडल 3000, ने डालमिया सीमेंट के साथ मिलकर 'सीड बॉल्स फेस्टिवल' का आयोजन किया है। इसका उद्देश्य तमिलनाडु के त्रिची जिले और इसके आसपास के गांवों को हरा-भरा वातावरण भेंट करना था।

डालमिया हायर सेकेंडरी स्कूल, डालमिया विद्या मंदिर और श्री रामकृष्ण डालमिया इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के छात्रों ने एक साथ मिलकर लगभग 20,000 सीड बॉल बनाएं। सीड बॉल बनाने हेतु नीम, पुंगन, बरगद और बांस सहित लगभग 16 किस्मों के बीजों का इस्तेमाल किया गया था।

डीजी पाशा आरसी सारासोटा सनराइज, रो ई मंडल 6960, फ्लोरिडा, यूएसए भुवन उन्हेलकर के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यक्रम में रोटेरियन और जिले के नेताओं के अलावा, डालमिया लेडीज़ क्लब के सदस्य तथा डालमिया सीमेंट व डालमिया रेफ्रेक्ट्रीज़ के कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। रोटरी क्लब डालमियापुरम के सचिव ए मरिया सेल्वा रेक्स ने कहा, ''सीड बॉल फेस्टिवल पर्यावरण के प्रति हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को व्यक्त करने तथा युवा पीढ़ी में रोटरी को बढ़ावा देने में मदद करने का एक तरीका है।'' ■

DG ज़मीर पाशा और रोटरी क्लब डालमियापुरम के सदस्य डालमिया हायर सेकेंटरी स्कूल के NCC कैडेट्स के साथ।

स्कूली बच्चों के लिए सक्सेस मंत्र

DG रवी धोत्रे (दाएं) एक 'सक्सेस मंत्र' कार्यक्रम में।

पुणे के रोटरी क्लब युवा, रो ई मंडल 3131, पुणे में कक्षा 10 के छात्रों के लिए 'सक्सेस मंत्र' नामक एक मार्गदर्शन सह-परामर्श सत्र श्रृंखला में आयोजित कर रहा है। वर्ष भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले बच्चों को प्रेरित करना तथा उनकी संबंधित आशंकाओं को दूर करना है। शैक्षिक विशेषज्ञ अध्ययन के तकनीकों तथा उत्तर देने संबंधी बहुमूल्य सुझाव देते हैं। माता-पिता तथा शिक्षक भी इन कार्यशालाओं में शामिल होते हैं।

क्लब के अध्यक्ष राहुल गडकरी का कहना है कि अब तक इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों के लगभग 5,000 छात्र शामिल हुए हैं। ■

रोटरी क्लब चिदम्बरम होम टाउन - रो ई मंडल 2981

उनकी प्लास्टिक-विरोधी पहल के तहत, आम जनता को पर्चों के साथ 1,000 कपड़े की थैलियाँ वितरित की गई। इस अभियान में मलेशिया के एक क्लब अध्यक्ष और उनकी पत्नी ने हिस्सा लिया।

रोटरी क्लब सलेम सेंट्रल - रो ई मंडल 2982

भारत में रोटरी के 100वें वर्ष को चिन्हित करने के लिए मंडल गवर्नर डॉक्टर ए के नतेसन (रो ई मंडल 2982) और डॉक्टर ज़मीर पाशा (रो ई मंडल 3000) द्वारा एक रोटरी स्टाम्प जारी किया गया। स्टाम्प को रो ई निदेशक कमल संघवी और PRID सी भास्कर को भी प्रस्तुत किया गया। परियोजना का प्रायोजन सार्वजनिक छवि प्रमुख के करुप्पिया द्वारा किया गया था।

रोटरी क्लब एलुरु - रो ई मंडल 3020

उनके 'अधिक पेड़ लगाओ' अभियान के अंतर्गत, क्लब ने वेस्ट गोदावरी ज़िले के वीरममाकुंता गाँव में विभिन्न स्थानों पर 200 पौधे वितरित किए। ज़िला परिषद हाई स्कूल के विद्यार्थियों को उनके स्कूल परिसरों में पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रोटरी क्लब मदुरई नॉर्थ
रो ई मंडल 3000

इंडियन असोशिएशन फॉर दी ब्लाईंड द्वारा चलाये जाने वाले आईएबी हाइयर सेकेन्डरी स्कूल के परिसर में सौ पौधे रौपे गए। पौधों को प्रभावी रूप से पानी देने के लिए टपक सिंचाई प्रणाली की स्थापना भी की गई।

विधियाँ

रोटरी क्लब आबू रोड - रो ई मंडल 3054

लगातार 11वें वर्ष, आबू रोड स्थित सैंट जॉन्स के इंटरैक्ट क्लब ने कागज एकत्रीकरण मुहिम चलाई जिसमें इंटेरेक्टर अकादमिक वर्ष के अंत में विद्यार्थियों से अप्रयुक्त किताबों के पन्ने एकत्रित करके उन्हें उनके आकार और प्रकार के अनुसार छांटते है। उनके इस्तेमाल से फिर 100 पन्नों की जिल्द चढ़ी किताब तैयार की जाती है और उन बच्चों को वितरित की जाती है जो इन्हें खरीद नहीं सकते है।

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

शहर के डॉक्टर गगनदीप रोटरी पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस के दिन आयोजित एक संगोष्ठी में 32 शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शिक्षकों के कौशलों पर प्रकाश डालने के लिए क्लब अध्यक्ष यश पॉल मंगला और नवीन गर्ग द्वारा विशेष बातचीत की गई। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया।

रोटरी क्लब बड़ोदा कॉस्मोपोलिटन - रो ई मंडल 3060

उसकी प्रमुख परियोजना *सुदामा नी जोली* के तहत क्लब 25 दृष्टि-बाधित परिवारों के मासिक राशन का प्रायोजन करता है। 8,000 की मासिक लागत को या तो सदस्यों द्वारा या नेक काम के लिए कृपालु जनता द्वारा दिये गए दान द्वारा वहन किया जाता है।

रोटरी क्लब शाहजहाँपुर सिटि - रो ई मंडल 3110

रोटेरियनों ने सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ लीड कान्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों के साथ स्वतन्त्रता दिवस मनाया। विद्यार्थी विजेताओं को स्कूली बस्ते और प्रमाण पत्र दिये गए।

रोटरी क्लब देहरादून सेंट्रल - रो ई मंडल 3080

शिक्षक दिवस के दिन शहर के विभिन्न स्कूलों के पच्चीस शिक्षकों का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष कर्नल मनोज गुप्ता और अन्य रोटेरियन मौजूद थे।

रोटरी क्लब लोनंद - रो ई मंडल 3132

रोटरी हेल्प सेंटर में एक कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन किया गया जिससे बड़ी संख्या में अपंग लोग लाभान्वित हुये। शिविर ने रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि की क्योंकि लाभार्थी पास के गांवों से आए थे।

रोटरी क्लब डोंबिवली इंडस्ट्रियल एरिया - रो ई मंडल 3142

दानयन मंदिर स्कूल के छह विद्यार्थियों को एक परियोजना के माध्यम से तीन महीनों तक मुफ्त कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया जिसका प्रायोजन पूर्व अध्यक्ष रमेशजी खंडेलवाल द्वारा किया गया था।

रोटरी क्लब बेलहोन्नूर - रो ई मंडल 3182

बीईएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में बाढ़-प्रभावित परिवारों के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रोटेरियन उपस्थित थे।

रोटरी क्लब भवानी-कोमारपलायम - रो ई मंडल 3202

प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को पाँच हाथों की धुलाई के स्टेशन वितरित किए गए जिनके सामने हाथों की धुलाई के निर्देश बोर्ड लगे थे। ₹75,000 की लागत वाली इस थळपड परियोजना से 300 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

रोटरी क्लब नंजनगढ़ - रो ई मंडल 3181

20 दृष्टि-बाधित कलाकारों को ₹85,000 कीमत के संगीत वाद्ययंत्र दिये गए। परियोजना का उद्देश्य उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में सम्मिलित करके उनके आत्म-सम्मान को बढ़ाना है।

विधियाँ

रोटरी क्लब कज़्हाकुट्टम - रो ई मंडल 3211

मंडल परियोजना REACH - रोटरी एम्पोवर्ड एक्शन फॉर क्लीनलीनेस एंड हाइजीन - का उद्घाटन होली ट्रिनिटी हाई स्कूल में थिरुवनंथपुरम के महापौर वी के प्रसंथ द्वारा किया गया। अन्य रोटेरियनों के साथ क्लब अध्यक्ष श्याम स्तर्री परेरा मौजूद थे।

रोटरी क्लब तिरुत्तनी - रो ई मंडल 3231

दो शिक्षकों का अभिनंदन करके और तिरुत्तनी में जन्में पूर्व राष्ट्रपति सर्वेपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर हार चढ़ाकर शिक्षक दिवस मनाया गया। क्लब अध्यक्ष हरी कुमार शर्मा और अन्य रोटेरियनों ने इस पुरस्कार समारोह को सफल बनाया।

रोटरी क्लब मद्रास मरीना - रो ई मंडल 3232

क्लब द्वारा चलाये जाने वाला एक व्यावसायिक केंद्र विद्यार्थियों को एयर-कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन सेवाओं में प्रशिक्षण देता है। इस वर्ष, एक-वर्षीय कार्यक्रमों के लिए 20 विद्यार्थियों के एक और बैच का दाखिला किया जा रहा है। जरूरतमंद बच्चों को भोजन और आवास भी मुफ्त प्रदान किया जाता है।

रोटरी क्लब बोंगईगाँव - रो ई मंडल 3240

बोंगईगाँव और चिरंग के 190 शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को क्लब ने विभिन्न कृत्रिम अंग, सहायक और बैसाखियाँ प्रदान की। अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ की गई परियोजना की लागत क्लब को 23 लाख रुपये आई।

रोटरी क्लब भुवनेश्वर तोशाली - रो ई मंडल 3262

बारिश के दिनों में 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पेंड्रा इलाके में स्थित क्लब द्वारा गोद लिए गए स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को बरसाती दान की गई। आईपीडीजी भवानी चौधरी ने बच्चों को बरसातियाँ प्रस्तुत की।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank : HDFC Bank
SB Account

Branch : Montieth Road
Egmore, Chennai

A/c Name : Rotary News Trust

A/c No. : 50100213133460

IFSC Code : HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	: 1,211,673
Clubs	: 35,969
Districts	: 538
Rotaractors	: 162,330
Clubs	: 9,806
Interactors	: 563,362
Clubs	: 24,494
RCC	: 10,644

As on Sept 16, 2019

Membership Summary

As on September 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	112	4,678	214	40	239	219
2982	68	3,112	166	73	122	55
3000	133	5,757	569	180	691	208
3011	86	3,623	895	44	119	25
3012	95	3,865	982	51	137	57
3020	71	4,200	229	53	467	350
3030	92	4,906	641	87	327	210
3040	93	2,093	237	32	141	143
3053	65	2,852	520	11	60	96
3054	126	5,825	981	75	334	475
3060	99	4,356	598	53	133	140
3070	105	3,142	416	40	164	58
3080	84	3,527	339	80	240	111
3090	81	2,023	57	36	40	122
3100	79	1,960	120	12	80	146
3110	127	4,070	413	27	55	104
3120	80	3,400	455	34	64	52
3131	134	5,427	1,194	94	321	93
3132	96	3,750	389	31	222	157
3141	104	5,704	1,358	108	277	88
3142	97	3,335	653	73	206	64
3150	95	3,685	378	51	256	115
3160	77	2,696	187	27	48	83
3170	129	5,735	682	62	356	165
3181	86	3,773	378	56	275	115
3182	84	3,140	224	31	283	97
3190	125	5,014	697	123	375	55
3201	145	5,548	413	93	142	50
3202	130	5,096	291	71	453	47
3211	141	4,496	303	8	98	129
3212	100	4,113	327	91	304	145
3231	87	3,800	355	49	226	355
3232	126	5,378	915	116	359	86
3240	89	3,110	409	48	478	189
3250	102	3,921	692	59	222	181
3261	72	2,641	415	12	114	43
3262	95	3,428	423	39	81	77
3291	148	3,731	753	81	149	611
India Total	**3,858**	**150,910**	**19,268**	**2,251**	**8,658**	**5,516**
3220	72	2,021	278	80	212	73
3271	88	1,403	238	58	19	18
3272	139	1,770	298	50	40	43
3281	212	5,841	897	217	101	192
3282	157	4,879	602	133	50	44
3292	120	4,735	731	122	143	114
S Asia Total	**4,646**	**171,559**	**22,312**	**2,911**	**9,223**	**6,000**

Source: RI South Asia Office

On the racks

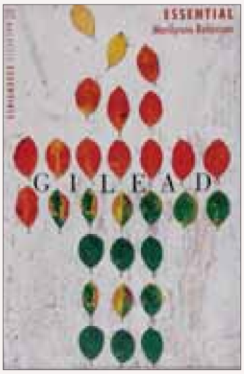

Gilead

Author : **Marilyn Robinson**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **282; ₹399**

Gilead is a book about a book about fathers and sons. The book is an account of the memories and legacy of John Ames as he remembers his experiences of his father and grandfather to share with his son. In the form of a letter from 76-year-old Ames, who is a fourth-generation Congregationalist minister, in Gilead, Iowa, in 1956, to his seven-year-old son. This is an intimate tale of three generations starting from the Civil War to the 20th century: a story about the spiritual battles that still rage at America's heart. Ames who is suffering from a heart disease, sums up his past and his learnings in his letter sprinkled with anecdotes and advice. This book has won the 2005 Pulitzer Prize for Fiction and the National Book Critics Circle Award.

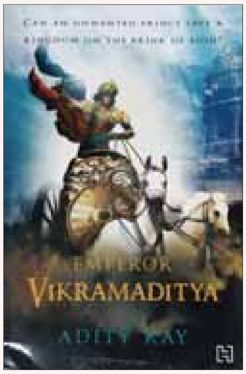

Emperor Vikramaditya

Author : **Adity Kay**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **384; ₹399**

The kingdom of Magadha, India, is at its peak, but the young prince Chandra's thoughts are clouded as his elder brother, Ramagupta, prepares to take their ageing father's place on the throne. Chandra is bound to obey the future king but is in constant disagreement with him. He believes his brother's decisions will joepardise the stability of the empire… and so begins a tale of conflict. One is drunk on power and unconditionally supported by the court of Pataliputra, the other an outsider in the palace, who is yet to win the hearts of his people. But when a strong enemy strikes the kingdom and challenges the Guptas' might, Chandra must first fight his own battles in order to protect his people and become a king in his own right — he must become Vikramaditya.

I have a theory about that

Author : **Judy Balan**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **244; ₹399**

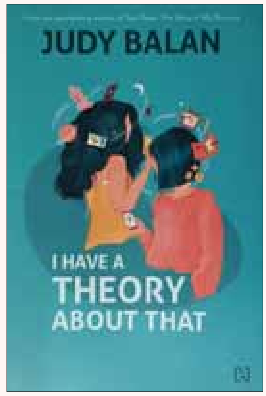

This is a light and refreshing read. Meg and Tania, two besties and flat mates, are on a mission to find themselves their "true love" over a bet. While Meg is a meticulous planner, Tania is a go-with-the-flow and trust-in-the-timings-of-the-universe kind of a girl. The two live by their theories of finding their Mr Right and the plot takes some crazy turns until everything's set in place. Tragic break-ups, emotional break-downs, work pressure and some growing up takes the reader to a happy end.

Edited by : **Vinay Kumar Malhotra**
Publisher : **VVM Trust**

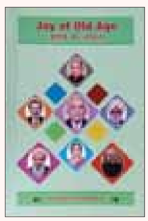

Budhape ka anand (Hindi)

Pages : **84; ₹250**

This book presents a positive vision on aging, continued learning after 70 and replaces "retirement" with "advanced age of learning."

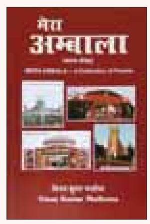

Mera Ambala – A collection of poems

Pages : **80; ₹250**

A collection of poems read at the Poetical Symposium on "Mera Ambala". These poems describe the beauty and struggles of the city of Ambala.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

अच्छी किताबें यात्रा को खुशनुमा बनाती है

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

बहुत पढ़ने वाले लोगों के लिए विदेशी यात्रा दो बड़ी समस्याएं खड़ी करती है। पहली समस्या कौन सी किताबें ले जाएं; दूसरी समस्या कितनी किताबें ले जाएँ। मैं जानता हूँ उनके बीच किन्डल और गूगल ने इस समस्या का ध्यान रखा है, लेकिन पुराने लोगों के लिए जो छपी हुई किताबें पढ़ना पसंद करते है, यह अब भी चिंता का एक विषय है। मुझे सॉमरसेट मौघम के बारे में पता चला, जो ना केवल अधिक पढ़ते थे बल्कि अधिक यात्रा भी करते थे, और एक बोरी भरकर दर्जनों प्रकार की किताबें अपने साथ रखते थे। लेकिन फिर, उन दिनों हवाई यात्राएं होती नहीं थी और इतनी किताबों को साथ रखने के बावजूद भी, वजन केवल एक मामूली समस्या होती थी। मौघम जहाजों से सफ़र किया करते थे और अपने साथ 50 किलो की किताबें साथ रख सकते थे। और कुली भी सस्ते होते थे। आज अगर आप इसका दसवां हिस्सा भी ले जा पाएं तो आप भाग्यशाली होंगे।

मौघम को यदि कोई किताब पसंद नहीं आती थी तो उनके पास उसे छोड़कर अपनी बोरी में से कोई और किताब ढूंढकर पढ़ने का विकल्प होता था। आज भी आप किसी उबाऊ किताब को छोड़ सकते है मगर फिर आप पढ़ेंगे क्या यदि आप अपने साथ केवल पांच या छह किताबें लेकर गए हो तो? इसलिए आप अधिकतर लोगों को अपने साथ, उचित शब्दों में कहें तो, 'कम्फर्ट किताबें' रखते हुए पाते है। यह कम्फर्ट भोजन - दही चावल या दाल चावल - और कम्फर्ट संगीत - 1950 और 1960 के दशक के फ़िल्मी गीतों -- जैसा ही है। वे जोखिम मुक्त किताबें होती है।

मौघम जहाजों से सफ़र किया करते थे और अपने साथ 50 किलो की किताबें साथ रख सकते थे।

जब मैंने कम्फर्ट बुक्स को गूगल किया तो उसने प्रविष्टियों के अनेक पन्ने खोल दिए। ब्लॉगरों के अनुसार, ये वही किताबें होती है जिसे लोग बार-बार पढ़ते है? लेकिन ईमानदारी से, आप एक ही किताब को कितनी बार पढ़ सकते है? मेरा सूत्र उन्हीं लेखकों का है। रोमांच, इतिहास और आकर्षक विषयों सभी को मिलाकर मेरे लगभग 20 पसंदीदा लेखक है। मैंने कुछ दोस्तों से पूछा जो अभी तक मिथ्या कथा पढ़ते है - हालाँकि उनकी संख्या किसी कारण से वास्तव में कम है - कि क्या उनके पास भी कम्फर्ट लेखकों का गुप्त भंडार है। उनमें से अधिकांश ने हाँ में उत्तर दिया, परन्तु कुछ हिचकिचाते हुए, मुझे नहीं पता क्यों। उसमें शर्मिंदा होने वाली कोई बात नहीं है। उनमें से एक ने यह भी कहा कि उन्हें पढ़ना ऐसा है जैसे पुराना पजामा पहनकर सोना। बढ़िया। यह समझाने का कितना शानदार तरीका है।

यह बात कुछ खास स्पष्ट नहीं है कि इन कम्फर्ट चीज़ों के बारे में ऐसा क्या है जो इतना आरामदायक है। परिचितता, पूर्वानुमेयता और साहचर्य शायद उन कारकों में से एक है। लेकिन विस्मय की कमी, विशेषरूप से जैसे-जैसे कोई बड़ा होता है, को भी निश्चित रूप से अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कौन कीमा से भरी इडली खाना चाहता है? ये लगभग 30 वर्षों पहले कीमा डोसा के साथ कुछ रेस्टोरेंट में उपलब्ध हुआ करती थी।

जहाँ तक लेखकों का सवाल है, मुझे नहीं पता कि यह उनकी शैली होती है या जिन पात्रों का वे सृजन करते है वो होते है, या दोनों होते है। मैंने पाया कि इस बात की परवाह किये बिना कि वे किन पात्रों के बारे में लिख रहे है, अधिकतर लेखक एक ही शैली का अनुसरण करते है और वह बहुत ही आरामदायक होती है। कभी-कभी, संभवतः उनके किसी करीबी द्वारा कुछ अलग करने हेतु उकसाए जाने पर, वे अपनी शैली बदल देते है। इसका अंजाम हमेशा विपत्तिजनक होता है, बिक्री और समीक्षा दोनों मामलों में। फिर वे तुरंत ही घबराते हुए अपनी वास्तविक शैली में लौट आते है।

लेकिन मुझे लगता है कि ऐसे लेखक भी है जो विभिन्न शैलियों में लिखकर अपनी प्रतिभा को दिखाना चाहते है। वे अभिकर्ताओं, प्रकाशकों, विक्रेताओं और, बेशक, पाठकों के लिए बहुत असुविधाएं पैदा करते है। हालाँकि चालाक लोग, किसी अन्य नाम से लिखते है, इस बात का ध्यान रखते हुए कि यह पता चल सके कि नया ध पुराना द ही है। इसका सबसे हालिया उदाहरण है हैरी पॉटर की सृजनकर्ता जे के रोलिंग। वह अब कुछ वर्षों से रोबर्ट गेलब्रेथ के नाम से लिख रही है। लेकिन मेरे विचार में कम से कम ये नए जासूसी उपन्यास वास्तव में अपेक्षा पर खरे नहीं उतरते है।

इसलिए, मैं एक सलाह देना चाहूँगा। यदि आप पढ़ने के शौक़ीन है, तो यात्रा के दौरान उन्हीं लेखकों की किताबों को साथ ले जाए जिनसे आप परिचित है। प्रयोग ना करें, क्योंकि हो सकता है फिर आपके पास पढ़ने के लिए कुछ भी ना हो। ■

संक्षेप में

हरदम तैयार हेलमेट

संशोधित मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्मानों में वृद्धि एवं कड़े सड़क ट्रेफिक नियमों के कारण, वड़ोदरा के एक निवासी आर. शाह ने उनके हेलमेट पर उनका ड्राइविंग लाइसेन्स, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस के कागज और अन्य संबन्धित कागजात उनके हेलमेट पर चिपका लिए, इस उद्देश्य से कि कहीं वे उन्हें भूल ना जाए। बाइक चलाने से पूर्व सबसे पहले मैं हेलमेट लगाता हूँ। इसलिए मैंने सभी कागजात उस पर चिपका लिए ताकि मुझ पर कोई जुर्माना ला लग सकें, वह कहते है। और अलीगढ़ में एक व्यक्ति कार चलाते समय एक हेलमेट पहने दिखा, क्योंकि गाड़ी चलाते समय हेलमेट ना पहनने पर उन पर जुर्माना लगाया गया था!

इतना सब एक लड़की के लिए

ब्रिटेन की एलेक्सिस ब्रेट (39) ने लगातार 10 लड़कों को जन्म देने के बाद आखिरकार एक लड़की को जन्म दिया। पुरुषों से भरे उनके घर में उन्होंने तो हार मान ली थी लेकिन 11वें बच्चे को जन्म देकर वह प्रसन्न हो गई। 7 से 17 वर्ष के लड़कों के बीच कैमरून इकलौती नन्हीं बहन है, और एलेक्सिस के अनुसार, उसके आसपास रहकर लड़के काफी बेहतर व्यवहार करते है। युगल की अब और बच्चे पैदा करने की कोई योजना नहीं है।

ठंडी टी-शर्ट

अब पसीना बहाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप एयर-कंडीशन वाली टी-शर्ट पहन सकते है। सोनी-संबन्धित स्टार्टअप ने रेयॉन पॉकेट नामक एक ब्लुटूथ उपकरण लॉंच किया है, जिसे एक विशेष सिलिकॉन सामग्री से निर्मित टी-शर्ट के साथ पहना जाता है जिसके पीछे एक जेब है, गर्दन के ठीक नीचे, जो उसे जगह पर रखता है। एप से नियंत्रित यह उपकरण पहनने वाले को 13 डिग्री सेन्टीग्रेड तक ठंडा कर सकता है, और ठंड के दिनों में, 8 डिग्री सेन्टीग्रेड तक तापमान बड़ा सकता है। इसकी बैटरी लाइफ 90 मिनट की है और इसे चार्ज होने में दो घंटे लगते है। वर्तमान में यह उपकरण 120 डॉलर की कीमत पर जापान में उपलब्ध है।

एक रुपये में इडली

जब कोयम्बटूर में अस्सी वर्षीय कमलाथल की एक रुपये में इडली बेचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई, तो उनकी मदद के लिए अनेक हाथ आगे आए। लकड़ी के चूल्हे पर इडली बनाते देखकर, व्यवसायी आनंद महिंद्रा ने ट्वीट किया, यदि कोई उन्हें जानता है तो मैं उनके व्यापार में 'निवेश' करना चाहूँगा और उन्हें एक एलपीजी चूल्हा खरीद कर दूँगा। जल्द ही HPCL और BPCL दोनों उस अस्सी वर्षीय वृद्ध महिला की मदद हेतु आगे आए। कमलाथल के जज्बे और प्रतिबद्धता को सलाम। खुशी है कि स्थानीय ओएमसी अफसरों के माध्यम से एलपीजी कनैक्शन दिलवाने में उनकी मदद की गई, पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस एवं स्टील के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ट्वीट किया।

शैतान के सींग

हम सभी बचपन की उस धमकी से परिचित है कि दीवार पर सिर टकराने से आपके सींग उग जाएंगे। और अत्यधिक अहंकारी व्यक्ति के बारे में अक्सर कहा जाता है कि - उसके दो सींग उगे हुये है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक किसान श्याम लाल यादव के सिर पर चार इंच के सींग उग आए जब 2014 में उनका सिर टकरा गया। वह नाई से उसे कटवा लिया करते थे जब तक कि हाल ही में उन्होंने सागर के भाग्योदय तीर्थ अस्पताल में न्यूरोसर्जन द्वारा उन्हें सर्जरी करके हटवा नहीं लिया। डॉक्टर इस असामान्य बढ़त को 'साबैशस सींग' या 'शैतान के सींग' कहते है।

जयश्री द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month